Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
NA Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 03 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-184

पश्चिम बंगाल में तालिबानी सजा की दूसरी घटना उजागर

महिला को बांधकर सड़क पर घुमाया और पीटा

उत्तर दिनाजपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर के चोपरा विधानसभा क्षेत्र में एक महिला और युवक को सड़क पर घसीट घसीट कर पीटे जाने की तालिबानी घटना के उजागर होने के दूसरे दिन उसी इलाके में हुई ऐसी ही एक अन्य घटना का वीडियो भी सामने आया है। ताजा वीडियो सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मुस्लिम तुष्टिकरण इस स्तर तक पहुंच गया है कि वहां खुले तौर पर कट्टर इस्लामिक तौर तरीके अख्तियार किए जाने लगे हैं। महिला को बांध कर सड़क पर घुमाने और उसे लगातार पीटे जाने की घटना में भी चोपरा के टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान का चमचा ताजेमुल शामिल है। शरीयत कानून का ठेकेदार ताजेमुल उर्फ जेसीबी ही बना बैठा है।

पहले उजागर हुए वीडियो में आपने देखा कि ताजेमुल किस वहशियाना तरीके से एक महिला और एक युवक की खुलेआम भीड़ के सामने पिटाई कर रहा है। लगातार पिटाई से महिला के बेहोश होने पर ताजेमुल ने कैसे उसे घसीटा और लात मारी, यह सब आपने देखा। आज जो वीडियो जारी हुआ है उसमें वही खुदमुख्तार इस्लामिक जज एक महिला को रस्सी से बांध कर सड़क पर परेड करा रहा है और बेशर्मी से उसे पीट भी रहा है। पश्चिम बंगाल में प्रतिपक्ष के नेता और नंदीग्राम के भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने यह वीडियो जारी किया है। घटना रविवार 16 जून 2024 की बताई जा रही है। रात के समय हुई घटना के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला को रस्सी से बांध कर उसका परेड निकाला जा रहा है। उक्त महिला के साथ-साथ एक पुरुष के भी कपड़े उतार कर रस्सी उसके शरीर में बांध दी गई है।

प. बंगाल की जनता पर खुलेआम गिर रहा इस्लामिक राज का खाज

वीडियो देखें : https://twitter.com/i/status/1807748353582891180

रास्ते में परेड निकाले जाने वक्त दोनों की डंडे से पिटाई भी की जा रही है। साथ में चल रहे लोग तमाशा देखते हुए चल रहे हैं। इसके बाद इन दोनों को एक पेड़ के पास जमीन पर बिठा कर पीटा गया। कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाते भी दिखते हैं। फिर एक कमरे में ले जाकर महिला और उस पुरुष को जमीन पर लिटा कर पीटा गया, इस दौरान महिला छटपटाती रही। कोई उन्हें बचाने की कोशिश नहीं करता है। ताजेमुल जल्लाद की तरह उन्हें पीटता रहता है। शुभेंदु अधिकारी कहते हैं, इस्लामिक स्ट्रीट जस्टिस का दूसरा एपिसोड। ममता बनर्जी के बंगाल का एक और दिन, जहां मुस्लिम राष्ट्र की परंपराओं का मनमाने ढंग से पालन किया जाता है।

इससे पहले जो वीडियो सामने आया था, उसमें भी एक महिला और उसके प्रेमी को डंडे से पीटते हुए ताजेमुल दिखा था। उसका बचाव करते हुए चोपरा के विधायक हमीदुल रहमान ने खुलेआम कहा, मुस्लिम राष्ट्र के कुछ आचार-विचार होते हैं। ऐसे में ममता बनर्जी से यह सवाल पूछा जाने लगा है कि चैतन्य महाप्रभु और रामकृष्ण परमहंस की धरती क्या अब मुस्लिम राष्ट्र में तब्दील हो चुकी है?

शरिया भारत के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है, जहां मनमाने ढंग से भारत के संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लेकिन इन घटनाओं पर पूरी संसद मौन साधे हुई है।

राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण का संसदीय प्रदर्शन

पीएम का वक्तव्य बाधित करने के लिए कराया हंगामा

इनकी हरकतें नेक नहीं, गंभीर खतरे के संकेत हैं : मोदी

- विपक्षी सदस्यों को उकसाते देख स्पीकर ओम बिरला ने राहुल को डांटा
- लोगों ने देखी राहुल की अमर्यादित अलोकतांत्रिक और अवांछित हरकतें
- हिंदुओं के खिलाफ राहुल का अपमानजनक बयान संयोग था या षडयंत्र?
- हिंदुओं के साथ ऐसा व्यवहार? यह देश इसे शताब्दियों तक भूलेगा नहीं

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य को बाधित करने के लिए राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता की मर्यादा ताक पर रख दी। राहुल गांधी ने योजनाबद्ध तरीके से संसद में हंगामा कराया और प्रधानमंत्री के वक्तव्य के दौरान सदन में लगातार नारेबाजी कराते रहे। राहुल गांधी ने विपक्षी सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के सामने वेल में जाकर हंगामा करने के लिए उकसाया। यह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देख लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री को बैठने का आदेश देकर राहुल गांधी को बुरी तरह डांटा। स्पीकर ने राहुल से कहा, माननीय सदस्य आप विपक्ष के नेता की मर्यादा समझें और उसी तरह आचरण करें। आप सदन में जो कर रहे हैं, वह निहायत अनुचित और अस्वीकार्य है। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को फिर से बोलने के लिए कहा, लेकिन राहुल गांधी ने अपनी अमर्यादित हरकत जारी रखी और भारी शोरगुल के बीच ही प्रधानमंत्री ने अपना वक्तव्य रखा। सदन की परंपरा है कि सत्ता पक्ष या विपक्ष का नेता बोलने के लिए खड़ा होता है तो पूरा सदन चुप रहता है। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने कल जो कुछ भी कहा, उसे सत्ता पक्ष सुनता रहा। लेकिन आज जब सत्ता पक्ष के नेता बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्हें राहुल गांधी निर्देशित अमर्यादित, अलोकतांत्रिक और अवांछित हरकतों का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कल अग्निवीर को लेकर सदन में झूठ बोला गया। कल यह झूठ बोला गया कि एमएसपी नहीं दिया जा रहा है। कल सदन में संविधान की गरिमा से खिलवाड़ किया गया। इन हरकतों को बालकबुद्धि मानकर हम नजरअंदाज नहीं करना चाहेंगे। इसके पीछे इरादे नेक नहीं बल्कि गंभीर खतरे के हैं। इन लोगों का संसद में बोला गया झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेक बुद्धि पर तमाचा मारने की निर्लज्ज हरकत है। सभापति जी, इस सदन की गरिमा बचाने की बड़ी जिम्मेदारी आप पर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह गंभीर बात है कि आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की कोशिश हो रही है। ये कहा गया कि हिंदू हिंसक होते हैं। क्या यही आपके संस्कार हैं? क्या यही आपका चरित्र, आपकी सोच है या यह आपकी नफरत है? इस देश के हिंदुओं के साथ ऐसे व्यवहार? यह देश शताब्दियों तक इसे भूलने वाला नहीं है। कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की परंपरा है, उसे बर्बाद करने की कोशिश की गई। यग देश शक्ति की पूजा करता है और आप उस शक्ति का विनाश करने की बात करते हैं? कुछ दिन पहले इन लोगों ने हिंदू आतंकवाद शब्द गढ़ने की कोशिश की थी। इन लोगों ने हिंदू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की है। यह देश इन्हें कभी माफ नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है, प्रदर्शन के लिए नहीं। सभापति जी, निजी स्वार्थ के लिए कल सदन में ईश्वर के रूप का प्रदर्शन किया गया। सदन के कल के दृश्यों को देखकर हिंदू समाज को भी सोचना होगा कि क्या यह अपमानजनक बयान महज संयोग था या सुनियोजित षडयंत्र था? ▶10 पर

हाथरस में हादसा

सत्संग के बाद मची भगदड़ में 120 श्रद्धालुओं की मौत

हाथरस, 02 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कस्बा स्थित फुलरई गांव में मंगलवार को सत्संग के बाद मची भगदड़ करीब 120 लोगों के मरने की खबर है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम आयोजकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

हादसे में अब तक तकरीबन 120 लोगों की मौत की खबर है। हालांकि भगदड़ में मरने वालों का आधिकारिक ब्यौरा अब तक नहीं आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों के युद्ध स्तर पर संचालन और घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, संदीप सिंह घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को भी घटना स्थल पर पहुंचने का मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है।

पीएम मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संबोधन के दौरान ही हाथरस हादसे का जिक्र करते हुए दुख प्रकट किया। उन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी बात की और रेस्क्यु ऑपरेशन का जायजा लिया। पीएम मोदी ने कहा, यूपी सरकार सभी पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटी हुई है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने इसमें अपने प्रियजनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं'।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने हादसे पर कहा, यूपी के जिला हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ में काफी संख्या में लोगों की हुई मौत और अनेक लोगों के घायल होने की घटना अत्यंत दुःखद है। सरकार इस घटना की जांच कर उचित कार्रवाई करे और पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद करे। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हादसे को लेकर दुख जताया और घटना की जांच की मांग की।

गैर-कांग्रेसी का तीसरी बार पीएम बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संसदीय नियमों और संसदीय आचरण का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष एक गैर कांग्रेसी नेता का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि पहली बार एक गैर-कांग्रेसी नेता, वह भी एक चायवाला, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है। नेहरू-गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के सदस्य प्रधानमंत्री हुआ करते थे तथा अपने दायरे से बाहर के लोगों को बहुत कम मान्यता देते थे। कांग्रेस के सबसे प्रमुख परिवार से बाहर से आए प्रधानमंत्रियों के योगदान को नजरअंदाज किया जाता था, उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में यह सुनिश्चित किया कि उन सभी को मान्यता मिले क्योंकि प्रत्येक ने किसी न किसी तरह से देश के लिए योगदान दिया है। एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से वरिष्ठ सदस्यों से संसद की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में सीखने की अपील की। पीएम मोदी की यह अपील राहुल गांधी के लोकसभा में सोमवार को दिए भाषण के बाद सामने आई है, जिसे एनडीए ने सबसे गैर जिम्मेदाराना भाषण करार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा। ▶10 पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

अवैध धर्मांतरण से अल्पसंख्यक हो जाएंगे बहुसंख्यक

प्रयागराज, 02 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का ईसाई धर्म में अवैध धर्मांतरण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। लालच देकर धर्म बदलने का खेल जारी रहा तो देश की बहुसंख्यक आबादी जल्दी ही अल्पसंख्यक बन जाएगी।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम- 2021 के तहत हमीरपुर के मौदहा निवासी आरोपी कैलाश की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कैलाश पर अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता रामकली प्रजापति ने एफआईआर में कहा था कि उसके भाई रामफल को कैलाश घर से दिल्ली में एक सामाजिक समारोह में भाग लेने के लिए ले गया था। ▶10 पर

हिंदुओं पर बेजा टिप्पणी के खिलाफ राहुल गांधी पर मुकदमा

मुजफ्फरपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदुओं पर दिए गए राहुल गांधी के बेजा बयान के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। हिंदूवादी नेता देवयांशु किशोर ने परिवाद दायर किया है। कोर्ट ने मामले को स्वीकार कर सुनवाई की तिथि 15 जुलाई निर्धारित की है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302 और 356 (1) के तहत मामला दर्ज कराया है।

मामले में परिवादी हिंदूवादी नेता और गिरिराज सिंह फैंस क्लब के देवयांशु किशोर ने बताया कि कल कांग्रेस पार्टी के सांसद और नेता प्रतिपक्ष ▶10 पर

क्या जाने वाली है प्रधानमंत्री प्रचंड की कुर्सी,नेपाली कांग्रेस और सीपीएन–यूएमएल के बीच हुआ समझौता

काठमांडू, 02 जुलई (एजेंसियां) ।
नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल–यूनिफाइड मार्किस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन–यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली के बीच समझौता हुआ है और इसे सार्वजनिक किया जा सकता है।

नेपाल में एक बार फिर सरकार बदलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। दरअसल नेपाली मीडिया के अनुसार, नेपाली कांग्रेस और सीपीएन–यूएमएल के बीच समझौता हो गया है। इस समझौते के तहत दोनों पार्टियां मिलकर सरकार बनाएंगी। इसके तहत नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड की कुर्सी जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल–यूनिफाइड मार्किस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन–यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली के बीच समझौता हुआ है और इसे सार्वजनिक किया जा सकता है।

केपी शर्मा ओली बन सकते हैं नेपाल के नए प्रधानमंत्री

देउबा और ओली के बीच हुई बैठक उस वक्त हुई है, जब सीपीएन–यूएमएल ने प्रचंड की सरकार को चार महीने बाद ही अपना समर्थन वापस ले लिया है। देउबा और ओली नई सरकार के गठन पर सहमत हो गए हैं। मीडिया में दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के हवाले से कहा गया है कि समझौते के तहत दोनों पार्टियों में सत्ता का बंटवारा होगा और नए गठबंधन का नेतृत्व केपी शर्मा ओली डेढ़ साल के लिए और फिर बाकी कार्यकाल के लिए शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री पद संभालेंगे। वहीं वित्त मंत्रालय सीपीएन–यूएमएल को और गृह मंत्रालय नेपाली कांग्रेस को मिल सकता है।

प्रचंड सरकार से इस्तीफा दे सकते हैं आठ मंत्री

प्रचंड सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद प्रचंड कैबिनेट में शामिल सीपीएन–यूएमएल के आठ मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सीपीएन–यूएमएल पार्टी के चीफ व्हिप महेश बारतौला ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रचंड भी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं और देश में नई सरकार का गठन हो सकता है। सीपीएन–यूएमएल ने पार्टी कार्यालय में बैठक बुलाई है, जिसमें बड़ा फैसला हो सकता है। सीपीएन–यूएमएल के प्रचंड सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद सरकार अल्पमत में आ सकती है। नेपाल बीते कई वर्षों से राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। हालात ये हैं कि बीते 16 वर्षों में नेपाल में 13 सरकारें बदल चुकी हैं। 275 सदस्यों वाली नेपाली संसद में नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं।

न्यूज ब्रीफ

महाराज रणजीत सिंह की बरसी के लिए पाकिस्तान गए भारतीय तीर्थयात्री की मौत, दिल का दौरा पड़ने से गई जान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान से तीर्थ यात्रा कर लौट रहे 64 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई। मृतक धार्मिक तीर्थयात्रा के लिए पाकिस्तान गए 450 से अधिक सिखों के समूह का हिस्सा था। तीर्थयात्रा से लौटने के दौरान व्यक्ति को दिव का दौरा पड़ा, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान देव सिंह सिद्धू के तौर पर की गई है। वह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था। मृतक महाराज रणजीत सिंह के 185वीं बरसी में शामिल होने के लिए पाकिस्तान आया था। उसने यहां धार्मिक अनुष्ठान में भी हिस्सा लिया। अन्य सिख तीर्थयात्रियों के साथ वापस लौटते समय उन्हें भारतीय आव्रजन हॉल में दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पिछले हफ्ते कम से कम 455 सिख तीर्थयात्री महाराज रणजीत सिंह की बरसी के मौके पर भारत से पाकिस्तान आए थे। बता दें कि सिख साम्राज्य के पहले शासक, महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा का भी करतारपुर साहिब में 450 से अधिक भारतीय सिखों की उपस्थिति में अनावरण किया गया था। साल 2019 में नौ फीट लंबे महाराज रणजीत सिंह की प्रतिमा लहौर किले में उनकी समाधि के पास स्थापित की गई थी। तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान के कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा को दो बार तोड़ दिया।

यूएन की पाकिस्तान सरकार से इमरान खान को रिहा करने की मांग, कहा- उनके ऊपर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित

इस्लामाबाद । संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक समूह ने पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तुरंत रिहा करने की मांग की। उन्होंने बताया कि इमरान खान पर लगाए गए कम से कम दो मामले राजनीति से प्ररित थे। इमरान खान को जेल में रखने का मुख्य उद्देश्य उन्हें पाकिस्तान की राजनीति से दूर करना था। संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने जिनेवा में 18 से 27 मार्च तक अपने 99 सत्र में 71 वर्षीय इमरान खान की की हिरासत पर अपनी राय दी। यूएन ने की इमरान खान पर रिहाई की मांग यूएन के इस समूह ने कहा कि तोशाखाना और साइफर मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी राजनीति से प्ररित थी, जिसका उद्देश्य उन्हें पाकिस्तान की राजनीति से दूर करना था। समूह ने आगे कहा कि यह बिना किसी कानूनी आधार के था। तोशाखाना मामले में पूर्व पीएम पर आरोप लगाया गया था कि अपने कार्यकाल के दौरान इमरान खान ने सरकारी खजाने का विवरण जानबूझ कर छिपाया था। इमरान पर सरकारी खजाने से कीमती उपहारों को बेचकर आय कमाने का भी आरोप लगाया गया था। पिछले साल पांच अगस्त को इस्लामाबाद में एक ट्रायल कोर्ट ने पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा दायर पहले मामले में इमरान खान को दोषी ठहराया और उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई।

दोनों देश कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहा, भारत-अमेरिका के रिश्तों पर बोले पटेल

वॉशिंगटन । वेदांत पटेल ने कहा कि उन्हें लगता है कि कई अन्य क्षेत्र होंग, जिसमें दोनों देश सहयोग को और मजबूत कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के भारतीय मूल के वेदांत पटेल ने एक बार फिर भारत–अमेरिका के रिश्तों पर बात की। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन नई दिल्ली के साथ कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहे विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, खासकर जहां यह हमारे आर्थिक संबंधों और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने से संबंधित है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को कुछ सप्ताह पहले जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से संक्षिप्त मुलाकात करने का अवसर मिला था। पटेल ने कहा कि उन्हें लगता है कि कई अन्य क्षेत्र होंगे, जहां दोनों देश सहयोग को प्रगाढ़ बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने कुछ सप्ताह पहले ही दिल्ली का दौरा किया था। यह भारत और पाकिस्तान के बीच का मामला पाकिस्तान पर एक सवाल के जवाब में पटेल ने आतंकवाद की निंदा करते हुए कहा, आखिरकार यह भारत और पाकिस्तान के बीच का मामला है। बेशक, हम ऐसे देशों का स्वागत करते हैं जो अपने पड़ोसियों के साथ सकारात्मक संबंध रखते हैं।

अमेरिका में चौतरफा घिरे बाइडन : पूर्व समाचार एंकर ने किया चौंकने वाला दावा, ओबामा के समर्थन को बताया छल

वॉशिंगटन, 02 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के पूर्व समाचार एंकर ने राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि डेमोक्रेट के कई प्रमुख नेताओं ने सलाह दी है कि बाइडन का दिमाग खराब हो चुका है। इसलिए अब समय आ गया है कि उन्हें इस पद की दौड़ से हटा देना चाहिए।

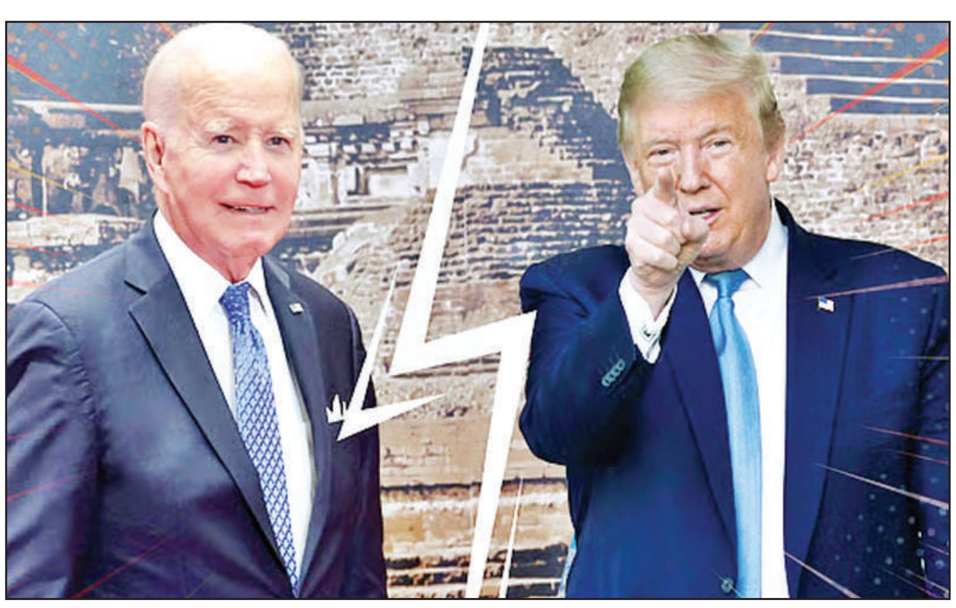

बराक ओबामा का समर्थन कपट भरा

पूर्व समाचार एंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी पोस्ट कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बराक ओबामा का बाइडन को समर्थन करना छल भरा है। वह निजी तौर पर डेमोक्रेट्स को बता रहे हैं कि राष्ट्रपति बाइडन नहीं जीतेंगे।

गौरतलब है, ओबामा ने बाइडन और ट्रंप के बीच हुई प्राथमिक बहस के बाद मौजूदा राष्ट्रपति के प्रति अपना समर्थन जताया था। उन्होंने यह माना था कि कई बार खराब बहस हो जाती हैं।

अगर ट्रंप को जेल हुई तो...

इस बीच, पूर्व एंकर ने कहा कि इस समय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न केवल रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, बल्कि प्रभावी रूप से संभावित राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप को सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है, यह देखना जरूरी है कि हर कोई सहमत हो कि उन्होंने कुछ गलत किया है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे सिस्टम को खत्म करने का खतरा उठाएंगे।

बाइडन का समय अब पूरा हुआ

अमेरिकी समाचार एंकर ने कहा, बाइडन का समय अब पूरा हो चुका है। इस पर दांव लगा सकते हैं। बहुत से डेमोक्रेट नेताओं ने सुझाव दिया है कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है। वह पहले की तरह काम नहीं कर सकते। उन्हें बाइडन को हटाना ही होगा और वे ऐसा करेंगे। अब सवाल बस यह उठता है कि आखिर कब हटाया जाएगा। यदि वे चालक हैं तो इसे तुरंत करेंगे। अगर कमला उम्मीदवार बनती हैं तो उन्हें पहले अध्यक्ष भी बनना पड़ेगा।

ट्रंप की सजा पर संशय

उन्होंने आगे कहा, वहीं, ट्रंप और 11 जुलाई को उनकी सजा को लेकर सवाल उठता है। बाइडन का पतन इसे पहले की तुलना में बहुत अधिक खतरनाक बनाता है। इस समय ट्रंप न केवल रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं, बल्कि प्रभावी रूप से संभावित राष्ट्रपति हैं। यदि आप उन्हें जेल में डालने जा रहे हैं, तो यह किसी बहुत गंभीर अपराध के लिए बेहतर होगा, जिसके लिए सभी सहमत हैं कि उन्होंने ऐसा किया है। अन्यथा आप सिस्टम को पूरी तरह से और हमेशा के लिए खत्म करने का खतरा उठाते हैं। हम खतरे में हैं। डेमोक्रेट्स को पीछे हटने की जरूरत है। अमेरिका के पूर्व समाचार एंकर ने यह भी कहा कि बाइडन और ट्रंप के बीच कभी अच्छे संबंध नहीं थे। दोनों परिवारों के बीच संबंध जिल बाइडन के कारण ज्यादा बिगड़ गए थे।उन्होंने दावा कर कहा, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जो बाइडन का समर्थन करने वाला ओबामा का ट्वीट काफी कपट भरा था। निजी तौर पर, ओबामा लोगों को बता रहे हैं कि बाइडन नहीं जीतेंगे और इसलिए वह एक खुले सम्मेलन के पक्ष में हैं। ओबामा यह नहीं बताएंगे कि वह किसका समर्थन करते हैं, न ही कल दोपहर तक उन्होंने संदेश देने के लिए व्यक्तिगत रूप से बाइडन से मुलाकात की थी। ओबामा और बाइडन के बीच संबंध कभी भी गर्म नहीं रहे हैं। कई बार वे शत्रुतापूर्ण रहे हैं। हाल ही में संबंध और भी खराब हो गए। जिल बाइडन की वजह से रिश्ते खराब हुए हैं।

भारतीय सीमा पर लंबे समय तक तैनात रहेंगे चीनी सैनिक, रिपोर्ट में दावा- युद्ध का खतरा बरकरार

हॉन्ग कॉन्ग, 02 जुलई (एजेंसियां) ।
रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच साल 2020 में सीमा पर हिंसक झड़प हुई थी और उसके बाद से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है, लेकिन दोनों तरफ बड़ी संख्या में सैनिक तैनात हैं और कोई भी खतरे की गलत गणना सशस्त्र संघर्ष में बदल सकती है। रूस–यूक्रेन और इजराइल हमास युद्ध के बीच लद्दाख में भारत–चीन के बीच जारी तनाव की खबरें सुर्खियों से नदारद भले ही हो गई हैं, लेकिन सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बरकरार है। अमेरिका की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना भारतीय सीमा पर लंबे समय तक तैनात रह सकती है और विवादित सीमा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए तनाव का सबब बनी रहेगी।

रिपोर्ट में जताई गई संघर्ष की आशंका

अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज के स्ट्रैटेजिक स्टडीज इंस्टीट्यूट ने बीते दिनों एक रिपोर्ट प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच साल 2020 में सीमा पर हिंसक झड़प हुई थी और उसके बाद से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है, लेकिन दोनों तरफ बड़ी संख्या में सैनिक तैनात हैं और कोई भी खतरे की गलत गणना सशस्त्र संघर्ष में बदल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना अनिश्चित समय तक अक्साई चिन में एलएसी पर और डोकलाम में तैनात रह सकती है।

चीन ने सीमा पर तैनात किए हजारों सैनिक

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना ने अपनी लॉजिस्टिक क्षमताओं में काफी इजाफा किया है। इसी वजह से गलवान की घटना के बाद चीन ने बेहद सीमित समय में बड़ी संख्या में सैनिकों को सीमा पर तैनात कर दिया था। माना जा रहा है कि चीन ने 2020 की घटना के बाद से करीब 10 हजार सैनिकों की सीमा पर तैनाती की है। इनमें इंजीनियर्स और आर्टिलरी के अलावा सपोर्ट स्टाफ भी शामिल है। वहीं अक्साई चिन के 400 किलोमीटर के इलाके में चीन के करीब 20 हजार सैनिक तैनात हैं।

साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों में गलवान में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी कई सैनिक इस संघर्ष में मारे गए थे, लेकिन चीन ने ये बात स्वीकार नहीं की थी।

शिकागो में भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी के आरोप में दोषी, हो सकती है 10 साल की सजा

शिकागो, 02 जुलई (एजेंसियां) ।
अमेरिका के शिकागो में 51 वर्षीय भारतीय अमेरिकी डॉक्टर को स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराया गया है। दरअसल, उन पर मेडिकेड और बीमाकर्ताओं को फर्जी सेवाओं के झूठे बिल दिखाकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा था। डॉक्टर की पहचान मोना घोष के तौर पर की गई है। वह स्त्री रोग सेवाओं में विशेषज्ञता वाली प्रोग्रेसिव वूमेन हेल्थकेयर की मालिक हैं। उन्हें स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें प्रत्येक मामले में दस साल तक की सजा हो सकती है।

22 जून को हो सकती है सजा

अमेरिका के जिला जज फ्रैंकलिन यू वाल्डेरामा ने सजा के लिए 22 अक्तूबर की तारीख तय की है। आरोपी डॉक्टर ने स्वीकार किया कि वह धोखाधड़ी से प्राप्त 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक धनराशि की भरपाई के लिए जवाबदेह थी। अभियोजक पक्ष ने आरोप लगाया कि डॉक्टर घोष धोखाधड़ी से प्राप्त कम से कम 2.4 मिलियन डॉलर की भरपाई के लिए जवाबदेह है। अंतिम राशि अदालत द्वारा सजा सुनाने के दौरान तय की जाएगी।

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 2018 से 2022 तक डॉक्टर घोष ने मेडिकेड, ट्राइकेयर और अन्य बीमाकर्ताओं के समक्ष ऐसे दावे पेश किए, जो चिकित्सकीय रूप से जरूरी नहीं थे। उन्होंने अपने कर्मचारियों से भी फर्जी दावे पेश करवाए। हालांकि, कुछ दावे रोगी की सहमति के बिना पेश किए गए थे। डॉक्टर घोष ने स्वीकार किया कि उन्होंने फर्जी दावों का समर्थन करने के लिए झूठे रोगी चिकित्सा रिकॉर्ड भी तैयार किया था।

एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के बचाव में आए एलन मस्क उपराष्ट्रपति हैरिस पर भड़के, कहा- कब राजनेता समझेंगे

वॉशिंगटन,02 जुलाई (एजेंसियां) ।
अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। टेस्ला सीईओ एलन मस्क एक बार फिर चर्चाओं में आ गए हैं। उन्होंने गर्भपात प्रतिबंध पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख के बारे में झूठ बोलने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की आलोचना की।

क्या कहा था हैरिस ने

हैरिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था, डोनाल्ड ट्रंप देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे। उन्हें रोकने और महिलाओं की प्रजनन स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए मैं और राष्ट्रपति जो बाइडन पूरी ताकत लगा देंगे।

इस दिन होने हैं चुनाव

बता दें, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हालांकि, उपराष्ट्रपति द्वारा साझा किए गए पोस्ट के साथ कुछ खबरों की लिंक भी थी। लिखा था कि ट्रंप ने बार–बार कहा है कि वह गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

मस्क का हमला

इसी पर पलटवार करते हुए मस्क ने हैरिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजनेता या कम से कम इंटर्न जो एक्स का इस्तेमाल करते हैं, कब सीखेंगे कि इस मंच पर झूठ बोलना अब काम नहीं करता है इतना ही नहीं गुस्साए मस्क ने हैरिस की पोस्ट पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते बाइडन के साथ हुई अमेरिकी राष्ट्रपति की बहस में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ऐसा नहीं करेंगे। अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध का विषय डेमोक्रेट बाइडन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में प्रमुखता से उभरा है।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का 2022 का फैसला

सुप्रीम कोर्ट के जून 2022 के रो बनाम वेड के फैसले बाद इडाहो में गर्भपात को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, राज्य में गर्भपात करने वाले को दो से पांच साल तक की कैद हो सकती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को कानूनी तौर पर मंजूरी देने वाले पांच दशक पुराने ऐतिहासिक रो बनाम वेड फैसले को जून 2022 में पलट दिया था। इसका मतलब था कि अमेरिकी महिलाओं के लिए गर्भपात के हक का कानूनी दर्जा खत्म हो जाएगा। हालांकि राहत की बात यह है कि अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने–अपने अलग नियम बना सकते हैं।

केन्या में हिंसक हुआ कर व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन, विरोध प्रदर्शन में 39 लोगों की मौत

नैरौबी, 02 जुलई (एजेंसियां) ।
केन्या में नई कर वृद्धि के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। अबतक इस हिंसा में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय अधिकारों की निगरानी का हवाला देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों ने केन्या में इस सप्ताह एक नए दौर के विरोध प्रदर्शन के लिए कमर कस ली है।

केन्या नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स (केएनसीएचआर) के रिकॉर्ड के मुताबिक केन्या में देशव्यापी कर कानून के विरोध प्रदर्शनों के संबंध में 39 लोग मारे गए हैं और 361 घायल हुए हैं। इसके अलावा जबरन गायब होने के 32 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं 627 प्रदर्शनकारियों की इसमें गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

किस कारण मचा बवाल

बता दें कि केन्या में सरकार द्वारा नए टैक्स लगाने से जनता काफी गुस्से में है। यहां मई में केन्या फाइनेंस विधेयक 2024 पेश किया गया, जिसमें ब्रेड, कैंसर ट्रीटमेंट, कुकिंग ऑयल, बच्चों का डायपर से सैनेटरी पैड, मोटर वाहन, सोलर उपकरण से लेकर डिजिटल सर्विस से जुड़े प्रोडक्ट्स पर भारी–भरकम टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। इसमें ब्रेड पर 16 फीसदी सेल्स टैक्स, कुकिंग ऑयल पर 25 फीसदी टैक्स, मोटर व्हीकल पर 2.5 फीसदी वैट और इंपोर्ट ड्यूटी को तीन फीसदी का प्रस्ताव है।

आक्रोशित भीड़ ने संसद में लगाई आग

वहीं इस विधेयक पर केन्या के संसद में मौजूद सभी सांसदों ने इसका समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह सरकारी कामों को पूरा करने के लिए जरूरी है। रेवेन्यू बढ़ाने पर होने वाली कमाई के जरिए सरकार देश में सड़कों का निर्माण, स्कूलों में टीचर्स को हायर कर सकेगी। वहीं किसानों को फर्टिलाइजर के लिए सब्सिडी मिल जाएगी। इससे देश पर कर्ज कम हो जाएगा।

उसके बाद इस विधेयक को लेकर संसद में वोटिंग हुई, जिसमें करीब 195 में से 106 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पूरे इलाके में प्रदर्शन शुरू हो गया। इस समय सदन के अंदर सांसद विधेयक पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय आक्रोशित भीड़ ने संसद में आग लगा दी। इसके बाद सांसदों को संसद भवन से सुरक्षित निकाला गया।

पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं

केन्या की संसद में हजारों लोगों के घुसने और उसके एक हिस्से में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने हिंसा और अराजकता के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही है।

राष्ट्रपति विलियम रूटो के सामने संकट

केन्या में हो रहे इस विरोध प्रदर्शन से वहां के मौजूदा राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार के सामने ये सबसे गंभीर संकट है क्योंकि उन्होंने सिंतबर 2022 में एक ऐसे देश में गहरे विभाजनकारी चुनाव के बाद पदभार संभाला था, जिसे अक्सर अशांत क्षेत्र में स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

केन्या में 80 हजार से एक लाख तक भारतीय रहते हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच भारतीयों के लिए सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास की तरफ से कहा गया है कि वे बेवजह घर से बाहर न निकलें और हिंसा वाली जगहों से दूर रहें।

आतंकी ठिकाना नेस्तनाबूद, एक आतंकी भी पकड़ा गया

ढेरों हथियार और गोला बारूद बरामद

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 02 जुलाई।

जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने संयुक्त तौर पर कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान में आतंकियों के एक पुराने ठिकाने का पता लगा उसे नष्ट कर दिया। जबकि सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के सोपोर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों का एक सहयोगी को हथियारों के साथ पकड़ा है।

इस आतंकी ठिकाने से असॉल्ट राइफल के 400 कारतूस और एक ग्रेनेड व पिस्तौल बरामद हुई है। बारामुला जिले की सोपोर पुलिस को रविवार की देर शाम पता चला था कि लश्कर का एक आतंकी मददगार मारुती कार में घूम रहा है। वह हथियारों की एक खेप किसी जगह पहुंचाने की कोशिश में था। कुपवाड़ा से मिली एक सूचना के मुताबिक, दार्दपोरा के जंगल में तलाशी ले रहे सुरक्षाबलों ने

आतंकियों के एक ठिकाने का पता लगाया। सुरक्षाबलों ने इस ठिकाने की तलाशी के दौरान जंग लगे आठ मैगजीन, असाल्ट राइफल के 400 कारतूस, तीन मैगजीन, 13 कारतूस व एक पिस्तौल और एक ग्रेनेड बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह ठिकाना काफी पुराना लगता है और काफी समय से इस्तेमाल में नहीं था। इस ठिकाने को नष्ट कर दिया गया है ताकि इसका दोबारा इस्तेमाल न हो सके।

दूसरी घटना में माच्छीपोरा में नाका पार्टी ने मारुती कार (जेकेए01एके-4452) को रुकने का संकेत किया। कार चालक ने नाका पार्टी को देखकर वाहन को पीछे की तरफ मोड़कर भागने का प्रयास किया। नाका पार्टी ने उसका पीछा किया और कार को रोककर कार चालक को पकड़ लिया। कार चालक की पहचान वहीद उल जहूर के रूप में हुई है। वह रफियाबाद के हादीपोरा का रहने वाला है और बीते कुछ समय से श्रीनगर के मुस्तफाबाद एचएमटी में रह रहा है। उसकी निशानदेही पर कार में छिपाकर रखे गए तुर्किये निर्मित दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 41 कारतूस, दो चाइनीज ग्रेनेड, पिस्तौल का एक साइलेंसर और आईईडी बनाने का सामान बरामद किया। पूछताछ में पता चला कि वहीद उल जहूर लश्कर का मददगार है। वह नौ जून को हादीपोरा सोपोर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए लश्कर के दो विदेशी आतंकियों के साथ भी कथित तौर पर संपर्क में था।

भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा को दिया राज्यसभा का उपहार

पटना, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

काराकाट लोकसभा सीट पर भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के कारण चुनाव हारने वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने भरोसे के काबिल माना है। एनडीए में उनके महत्व को समझते हुए कुशवाहा को राज्यसभा चुनाव के लिए नामित किया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर के लोकसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई राज्यसभा की सीट पर कुशवाहा के साथ ही एनडीए के एक और घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की नजर थी। लेकिन, लोकसभा चुनाव में एकमात्र सीट लेकर भी उसे जीत में नहीं बदल सके पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के लिए भाजपा ने कुर्बानी दी और एनडीए ने भरोसा जताया।

सोशल मीडिया पर उपेंद्र

कुशवाहा ने लिखा कि राज्यसभा की सदस्यता के लिए एनडीए की ओर से मेरी उम्मीदवारी की घो-षणा के लिए बिहार की आम जनता एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा सहित एनडीए के सभी घटक दलों के कर्मठ कार्यकर्ताओं, जिन्होंने विपरीत परिस्थिति में भी मेरे प्रति अपना स्नेह बनाए रखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, गृह अमित शाह जी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी जी और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार देता हूं।

180 करोड़ का कर्ज न चुकाने का मामला

विजय माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह गैर जमानती वारंट विजय माल्या के खिलाफ इंडियन ओवरसीज बैंक से जुड़े 180 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने के मामले से जुड़ा है। अदालत ने माल्या के खिलाफ 29 जून को गैर जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन इसका आदेश सोमवार को उपलब्ध हुआ।

कोर्ट ने सीबीआई की दलीलों को सुनने के बाद और विजय माल्या के भगोड़े होने की स्थिति के आधार पर कहा कि माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए यह मामला बिल्कुल उपयुक्त है, ताकि उनकी अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। सीबीआई ने कोर्ट की सुनवाई के दौरान कहा कि जांच में पता चला कि दिवालिया

एयरलाइंस किंगफिशर के प्रमोटर विजय माल्या ने जानबूझकर सरकारी बैंक से लिए 180 करोड़ रुपए के कर्ज को नहीं चुकाया। ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विजय माल्या पहले ही भगोड़े घोषित हो चुके हैं। फिलहाल वह लंदन में हैं और भारत सरकार ब्रिटेन की सरकार से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश में जुटी है।

चार्जशीट के अनुसार, विजय माल्या ने साल 2007 से 2012 के बीच उस वक्त संचालित हो रही किंगफिशर एयरलाइंस के लिए इंडियन ओवरसीज बैंक से 180 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। जांच एजेंसी का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने साल 2010 में एसबीआई बैंक को विमानन क्षेत्र के लिए एकमुश्त उपाय के लिए किंगफिशर एयरलाइंस के प्रस्ताव पर विचार करने का निर्देश दिया था। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक समेत 18 बैंकों के संघ ने किंगफिशर एयरलाइंस के साथ एमडीआरए समझौता किया। आरोप है कि किंगफिशर के प्रमोटर विजय माल्या ने धोखाधड़ी के इरादे से पुनर्भुगतान दायित्वों को जानबूझकर पूरा नहीं किया। इससे बैंक को 141.91 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और कर्ज को शेयरों में बदलने के कारण 38.30 करोड़ का अतिरिक्त नुकसान हुआ। पूर्व राज्यसभा सांसद विजय माल्या मार्च 2016 में भारत छोड़कर चले गए थे। जनवरी 2019 में माल्या के खिलाफ कई कर्ज न चुकाने और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद साकेत गोखले को दिया झटका

हरदीप पुरी की पत्नी को 50 लाख देने का आदेश

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले को दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गोखले को आदेश दिया है कि वह केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी कि पत्नी और पूर्व आईएफएस अफसर लक्ष्मी एम पुरी को 50 लाख रुपए का हर्जाना दें। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि गोखले को लक्ष्मी पुरी से ट्विटर और टाइम्स ऑफ़ इंडिया में लिखित रूप से माफी मांगनी होगी। कोर्ट ने यह निर्णय मानहानि के एक मुकदमे में दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस अनूप जैराम भम्भानी की बेंच ने कहा कि गोखले ने लक्ष्मी पुरी और उनके पति हरदीप सिंह पुरी पर हवा-हवाई आरोप लगाए थे। कोर्ट ने कहा कि उनके इन ट्वीट का परिणाम यह हुआ कि कुछ लोगों ने इसे सच समझ लिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के ट्वीट एकदम फर्जी और गलत मंशा वाले थे। हाईकोर्ट ने कहा, इसलिए गोखले द्वारा बिना वेरीफाई किए ऐसे ट्वीट के माध्यम से अपमानजनक बातें लिखना अत्यंत गैर जिम्मेदाराना था। इससे ट्विटर पर गोखले के सभी फॉलोवर्स को लक्ष्मी पुरी के आर्थिक मामलों पर उन आरोपों की जानकारी मिली, जो कि बिलकुल असत्य है।

हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के ट्वीट काफी अपमानजनक थे और इससे लक्ष्मी पुरी की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची। कोर्ट ने इस बात का उल्लेख किया कि पहले गोखले ने इस मामले में अपना बचाव करने के लिए वकील रखा और खुद भी आए, वहीं कुछ समय के बाद उन्होंने आना छोड़ दिया और उनका वकील भी इस मामले में को छोड़ दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के उलट लक्ष्मी पुरी लगातार इस मामले में जोर लगाती रहीं, जो उनकी गंभीरता को दर्शाता है। कोर्ट ने गोखले को लक्ष्मी पुरी की प्रतिष्ठा को हुई क्षति के एवज में 50 लाख रुपए देने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने इसी के साथ आदेश दिया कि गोखले अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से लक्ष्मी पुरी से माफी मांगें और उसे 6 महीने तक अकाउंट पर ही रखें। इसके साथ ही वह टाइम्स ऑफ़ इंडिया समाचार पत्र में एक सार्वजनिक माफी छपवाएं।

गौरतलब है कि अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखे गए थ्रेड के माध्यम से साकेत गोखले ने लक्ष्मी पुरी और उनके पति हरदीप सिंह पुरी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

गोखले ने आरोप लगाया था कि पुरी ने स्विट्जरलैंड में 2.5 मिलियन डॉलर (लगभग 18.6 करोड़) की कीमत का एक बंगला खरीदा है। साथ ही गोखले ने यह भी दावा किया था कि इस बंगले की कीमत अदा करने के लिए पुरी दंपति के पास वैध आय के स्रोत नहीं हैं। इसके बाद लक्ष्मी ने गोखले को कानूनी नोटिस भेजा था और दिल्ली हाईकोर्ट में इस संबंध में याचिका भी दायर की थी। वहीं गोखले ने कहा था कि कुछ भी हो जाए लेकिन वह इस संबंध में अपना ट्वीट डिलीट नहीं करेंगे। बाद में चुपके से साकेत गोखले ने अपना ट्वीट हटा लिया था। उनको इससे पहले भी कोर्ट ने काफी लताड़ लगाई थी। कोर्ट ने 2021 में हुई एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोई भी ऐरा गैरा किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर आरोप कैसे लगा सकता है। साकेत गोखले को इस पूरे विवाद के कुछ दिनों के बाद टीएमसी ने राज्यसभा भेज दिया था।

हरदीप सिंह पुरी लंबे समय तक भारत के राजनयिक रहे हैं और 2021 से ही मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। वहीं उनकी पत्नी लक्ष्मी पुरी भी राजनयिक रही हैं। लक्ष्मी पुरी संयुक्त राष्ट्र में सहायक महासचिव, संयुक्त राष्ट्र में उप कार्यकारी निदेशक, हंगरी में भारत की राजदूत और बोस्निया और हर्जेगोविना में भी कार्यभार संभाला है।

कश्मीर में सीमा पार से घुसपैठ की चुनौती फिर सामने

पाक सेना मदद में दे रही है कवर फायर

जम्मू, 02 जुलाई (ब्यूरो)।

प्रदेश में आतंकवाद विरोधी अभियानों में जुटे सुरक्षाबलों ने इसे स्वीकार किया है कि उनके लिए उस पार से घुसपैठ की नई चुनौती ने फिर से जन्म ले लिया है। इसमें चिंता का पहलू यह है कि पाक सेना घुसपैठियों को कवर फायर देते हुए सीजफायर को भी दांव पर लगा रही है।

अधिकारियों ने माना है कि आतंकी घुसपैठ के पुराने पारंपरिक मार्गों पर वापस लौट आए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर के करीब पुराने पारंपरिक मार्गों से घुसपैठ की कोशिशों में अचानक वृद्धि हुई है। आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में वृद्धि से संकेत मिलता है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अच्छी संख्या में विदेशी आतंकवादी घुसपैठ कर चुके हैं।

दशकों में पहली बार, सुरक्षाबलों ने कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल गुलमर्ग क्षेत्र की ऊपरी पहाड़ियों में तलाशी अभियान चलाया। हालांकि सुरक्षाबलों ने स्थानीय सक्रिय आतंकियों की संख्या को कम करने में सफलता हासिल की है और साथ ही आतंकवादी रेंको में स्थानीय कश्मीरी युवाओं की भर्ती में भी कमी आई है। सुरक्षाबलों का कहना कि वे किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं और सीमा पार आतंकियों और उनके आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देंगे। सुरक्षाधिकारी कहते थे कि हम तैयार हैं। वे कहते थे कि वे कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफल नहीं हो रहे हैं।

इसे माना जा रहा है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में तेजी आई है, जहां सर्दियों की शुरुआत से पहले घुसपैठ चरम पर होती है। जिसने सुरक्षाबलों को केंद्र शासित प्रदेश में अपनी आतंकवाद विरोधी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर किया है। सूत्रों ने कहा कि संशोधित आतंकवाद विरोधी रणनीति इस बात पर विचार करेगी कि सर्दियों से पहले घाटी में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की संभावना है क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण ऐसी कोशिशें मुश्किल हो जाती हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ आतंकी हमलों में वृद्धि के लिए कई कारकों को जिम्मेदार मानते हैं, जैसे कि दक्षिण कश्मीर में पीर पंजाल की पहाड़ी और उत्तर कश्मीर में शमसावरी पहाड़ियां एलओसी के निकट हैं कि टॉपोग्रैपी है, यह पारंपरिक रास्ते हैं और आसान घुसपैठ मार्ग भी और प्राकृतिक गुफाओं वाले घने जंगल है। रक्षाविशेषज्ञ कहते थे कि पाकिस्तान अपनी रणनीति बदलता रहता है।

दरअसल जम्मू कश्मीर पुलिस के डीजीपी ने पहले कहा था कि इस क्षेत्र में 70-80 से अधिक विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं। डीजीपी ने स्वीकार किया कि पुराने पारंपरिक मार्गों को फिर से सक्रिय कर दिया गया है और पीओके में एलओसी के पार एक अच्छा आतंकी ढांचा बरकरार है। वे कहते हैं कि यह एक चुनौती है और हमने इसे पहले भी देखा है और आपके सवाल का जवाब है कि उन्होंने नए रूट शुरू किए हैं जो पहले बंद थे और फिर से खोले गए हैं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकी गतिविधियों में वृद्धि के कारण पूरे एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जम्मू क्षेत्र के पुंछ व राजौरी बेल्ट और कश्मीर क्षेत्र के उत्तरी कश्मीर बेल्ट में आतंकियों की मौजूदगी में वृद्धि हुई है, कई विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं।

अब स्वाति मालीवाल ने लिखा केजरीवाल को पत्र

महिलाओं से आपकी क्या दुश्मनी है?

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर महिला आयोग की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। चार पेज की केजरीवाल को लिखी चिट्ठी ने स्वाति मालीवाल ने लिखा है कि जब से मैंने दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। तब से दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अफसरों ने आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। स्वाति ने लिखा कि पिछले छह महीने से किसी को सैलरी नहीं दी गई है। बजट 28.5 प्रतिशत कम कर दिया है। 181 हेल्पलाइन वापिस ले ली गई है। अध्यक्ष और दो मेम्बर की पोस्ट भरने के लिए कोई कार्य नहीं किया गया है। साथ ही दलित मेम्बर की पोस्ट डेढ़ साल से खाली है। उन्होंने कहा कि मेरे जाते ही हर संभव कोशिश की जा रही है महिला आयोग को फिर से एक कमजोर संस्थान बनाने की। महिलाओं से दिल्ली सरकार क्यों दुश्मनी निकाल रही है। स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखी चिट्ठी में जवाब मांगा है।

अमरनाथ यात्रा में स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी कम

जम्मू, 02 जुलाई।

अमरनाथ यात्रा धार्मिक यात्रा के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता की यात्रा बन कर रह गई है, लेकिन इसमें स्थानीय श्रद्धाल-ुओं की भागीदारी नगण्य है। इस बार भी अमरनाथ यात्रा में स्थानीय भागीदारी न के बराबर है। अमरनाथ यात्रा में स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी मात्र पांच प्रतिशत बताई गई है।

अमरनाथ यात्रा में भाग लेने वाले सिर्फ धार्मिक नारे ही नहीं बल्कि भारत समर्थक, कश्मीर के साथ एकजुटता दर्शाने वाले और पाकिस्तान विरोधी नारे भी लगाते हैं। आतंकियों की बाधा के कारण यह यात्रा को राष्ट्रीय एकता और

अखंडता की यात्रा में भी बदली और इसमें भाग लेने वालों का आंकड़ा भी आसमान छूने लगा। देश प्रेम की भावना को दर्शाने का एक स्वरूप लंगरों की व्यवस्था भी है। लंगर देश के विभिन्न भागों से आने वाली स्वयंसेवी संस्थाएं लगा रहे हैं। सच्चाई यही है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोगों की ओर से एक भी लंगर की व्यवस्था नहीं की गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए का कुनबा संभालने की कवायद

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा के चुनाव से पहले वहां की सियासत में कुछ बड़े फेरबदल और उठापटक देखने को मिल सकती है। यह सियासी उठापटक एनडीए के घटक दल अजीत पवार की एनसीपी के साथ हो सकती है। सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की हो रही हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में अजीत पवार की पार्टी एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ सकती है।

इसे लेकर पार्टी के भीतर कुछ बड़े नेताओं की ओर से चर्चाएं शुरू की जा चुकी हैं। कहा यही जा रहा है कि अगर महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों पर बेहतर तालमेल नहीं बना, तो अजीत पवार अलग चुनाव लड़ सकते हैं। अंदरूनी तौर पर भाजपा और एनसीपी के नेताओं में इस बात की चर्चाएं खूब हो रही हैं। दरअसल लोकसभा चुनाव के नतीजों से यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि अजित पवार की एनसीपी से भारतीय जनता पार्टी का फिलहाल कोई सियासी लाभ नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, ठीक उसी तरह वहां की सियासत का पारा भी गर्माता जा रहा है।

महाराष्ट्र के सियासी जानकारों की मानें, तो लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद एनडीए के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा सियासी उठा पटक और भविष्य की राजनीति के लिहाज से अजीत पवार की पार्टी एनसीपी को लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि अजित पवार की पार्टी के विधायक अमोल मितिकारी ने एक बैठक में आने वाले विधानसभा चुनाव में अलग-अलग चुनाव लड़ने की भी बात कही है। दरअसल महाराष्ट्र में आने वाले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी से मंथन होना शुरू हो गया है। राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु शितोले कहते हैं कि लोकसभा के चुनाव में जो प्रदर्शन अजीत पवार की एनसीपी का रहा है, उस लिहाज से उनको विधानसभा के चुनाव में मन मुताबिक सीटें मिलना नामुमकिन लग रहा है।

यही वजह है की सीटों के पेंच फंसने से पहले ही अजीत पवार की एनसीपी आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने नए रास्ते तलाश सकती है। जानकारों का कहना है कि 288 सीटों वाली विधानसभा में इस वक्त भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है। इस लिहाज से आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी निश्चित तौर पर सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक अरुण मोघे कहते हैं कि अब लड़ाई सबसे ज्यादा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी को लेकर होनी है।

लोकसभा चुनाव के दौरान इस बात की चर्चा सबसे ज्यादा थी कि विधानसभा के चुनाव में अजीत पवार की पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

इसीलिए लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर वह राजी हुए थे। महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा इस बात की भी सबसे ज्यादा हो रही है कि 288 सीटों वाले विधानसभा चुनाव में अजीत पवार 30 से 35 फ़ीसदी सीटों पर यानी की 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रख सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अरुण कहते हैं कि ऐसी मांग अगर एनसीपी की ओर से उठती है, तो निश्चित तौर पर महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में एनडीए के घटक दलों खास तौर से एनसीपी के अलग होने की संभावनाए और प्रबल हो जाएंगी।

वही, लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद महाराष्ट्र में भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से अजीत पवार से अलग होने की आवाज उठी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बताते हैं कि यह बात बिल्कुल तय है कि सीटों पर अगर कोई नाजायज मांग उठती है, तो सबसे पहले उसे मिल बैठकर सुलझाने की कोशिश होगी। इसके इतर अगर कोई जिद जैसी स्थिति दिखती है, तो फिर फैसला केंद्रीय नेतृत्व की ओर से निश्चित तौर पर लिया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीके से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्रोत बढ़ेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें। यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं। आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूं का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं। नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरूर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी। आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा। सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी। धंधा जरूर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरूर सुकून भरा रहेगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 03 जुलाई 2024, बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़, कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 07:12 तक
नक्षत्र : रोहिणी उत्तर रात्रि 04:07 तक
योग : शूल प्रात: 09:00 तक
करण : तैतिल प्रात: 07:12 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, शुक्र बालत्व दोष समाप्त

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सदन में सभी को अपनी बात रखने का मिलेगा मौका :देवनानी

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा में सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा लेकिन सदन नियमों एवं मर्यादाओं से चलेगा।

बुधवार से शुरु होने वाले सोलहवीं विधानसभा के द्वितिय सत्र से पहले मंगलवार को श्री देवनानी ने विधानसभा में सर्वदलीय बैठक बुलाई और उसमें उन्होंने यह बात कही। श्री देवनानी ने सदन को शांतिपूर्ण चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील की है। श्री देवनानी की राजस्थान विधानसभा में सदन चलाने के लिए सर्वदलीय बैठक का आयोजन एक ऐतिहासिक पहल है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधि अपने आचरण और व्यवहार को जन आकांक्षाओं के अनुकूल प्रस्तुत करें ताकि विधानसभा का नाम रोशन हो सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा सदन नियमों एवं मर्यादाओं से चलेगा। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा।

श्री देवनानी ने बैठक की अध्यक्षता अध्यक्षता करते हुए कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा। विधानसभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले इसके लिए सभी दलों के सभी सदस्यों को सकारात्मक सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों की है।

बैठक में श्री देवनानी ने मध्याह्न भोजन अन्तराल के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा की तर्ज पर राजस्थान विधानसभा में भी भोजन अन्तराल का निश्चित समय तय किया जा सकता है। इससे एक ही समय पर सभी विधायक भोजन कर सकेंगे और उसके बाद पुनः सदन में सभी सदस्य कार्यवाही में भाग ले सकेंगे। श्री देवनानी के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद सभी दल के प्रतिनिधियों ने इसे अच्छी पहल बताते हुए सहमति व्यक्त की।

श्री देवनानी ने बताया कि प्रथम सत्र के 2054 प्रश्नों में से 92 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब विधानसभा को प्राप्त हो गये है। अब 177 प्रश्नों के जवाब आना शेष है। श्री देवनानी ने कहा कि यह शुभ लक्षण है। शेष रहे प्रश्नों के जवाब भी विधानसभा को शीघ्र प्राप्त होने की उम्मीद है। बैठक में तय किया गया कि नया सत्र आरम्भ होने से पहले गत सत्र के सभी प्रश्नों के जवाब विधानसभा को आवश्यक रूप से प्राप्त हो जाने चाहिए।उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। इसके लिए यदि सदन को देर तक चलाने की आवश्यकता होगी तो सदन को देर तक चलाया जायेगा। उन्होनें कहा कि समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। यहां पर सदस्यों की बातों को गम्भीरता से लिया जायेगा और उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आश्वस्त किया कि प्रतिपक्ष सदन संचालन में सहयोग करेगा। प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि सदन में रखी गयी बातों को सरकार गंभीरता से ले। सदन चलाने की जिम्मेदारी पक्ष के साथ प्रतिपक्ष की भी है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सर्वदलीय बैठक श्री देवनानी की यह ऐतिहासिक पहल है। सदन संचालन में इसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम दिखाई देंगे। बैठक में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के मनोज कुमार, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के थावर चन्द और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के डॉ. सुभाष गर्ग भी मौजूद थे।

वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करे विवि : मिश्र

कोटा, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुये रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें।

श्री मिश्र मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों को कौशल विकास से संबंधित शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुये 'विकसित भारत 2047' की संकल्पना को साकार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नव जीवन का प्रारंभ है। यह वह अवसर है, जब विद्यार्थी प्राप्त करके शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करने के लिये तैयार होता है।

दीक्षांत समारोह में उन्होंने साक्षी जैन को कुलाधिपति पदक, पूजा साहू को कुलपति पदक, जबकि 60 छात्र–छात्राओं स्वर्ण पदक एवं 49 विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान कीं। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से कुल 88 हजार 692 उपाधियां प्रदान की गयी हैं। इनमें 43 हजार 677 छात्र (49 प्रतिशत) एवं 45 हजार 15 छात्राएं (51 प्रतिशत) शामिल हैं।

उन्होंने 51 फीसदी छात्राओं के उपाधि हासिल करने एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुये कहा कि बेटियों को अवसर प्रदान किये जायें तो वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। छात्रायें अपनी प्रतिभा का समुचित सदुपयोग करके निरंतर आगे बढ़ रही हैं। श्री मिश्र ने कहा कि इस समय हमारा देश अपने अमृत काल में है। जी–20 की अध्यक्षता भारत को मिली है और इस कार्यकाल ने भारत को एक महाशक्ति के रूप में उभारा है। भारत इस समय विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। भारत के भविष्य को गढ़ने के सबके प्रयास एक नए भारत की नींव का निर्माण करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व करेगा। इस अवसर पर श्री मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास, धनवन्तरी भवन एवं बॉस्केबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस कोर्ट का लोकार्पण भी किया।

करनाल के निकट मालगाड़ी पटरी से उतरी

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के निकट मंगलवार सुबह एक मालगाड़ी पटरी से उतर जाने के कारण अंबाला–नई दिल्ली रेल यातायात प्रभावित हुआ।

रेलवे सूत्रों ने बताया सुबह करीब पाँच बजे तरावड़ी रेल्वे स्टेशन के निकट एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई और उसके दस कन्टेनर रेलवे पटरी पर गिर गए। इससे कुछ बिजली के पोल भी चपेट में आए और ऊपरी तार (ओवरहेड इक्विपमेंट) भी। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन अंबाला–नई दिल्ली के बीच रेल यातायात प्रभावित हुआ है। जीआरपी, आरपीएफ और रेल अधिकारी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और कंटेनर को पटरियों से हटाने, क्षतिग्रस्त खंबों और तारों की मरम्मत करने तथा यातायात बहाल करने का कार्य शुरू किया गया है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल

भरतपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग में खोह क्षेत्र के रूंध खोह गांव में मंगलवार को एक अंतरराज्यीय वाहन चोर एवं पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में शातिर वाहन चोर असलम पुलिस की गोलियों से गम्भीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार अलसुबह गाव में दबिश देने गयी पुलिस टीम पर अंतरराज्यीय वाहन चोर असलम ने फायरिंग कर दी थी। पुलिस की जवाबी चार राउंड फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोलियां लग गयीं तथा नुकीली चीज पर गिरने से उसका पेट भी फट गया। मुठभेड़ में घायल बदमाश को उपचार के लिये भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से जयपुर भेजा गया है।

बताया गया है कि बदमाश असलम के खिलाफ राजस्थान के अलग–अलग थानों में वाहन चोरी के 18 मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी कई वारदात कर चुका है। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी, पुलिस टीम ने 24 जून की शाम चार बजे भी उसे दबोचने के लिये रुंध खोह गांव में दबिश दी थी, तब भी आरोपी पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो गया था।

खड़े ट्रक से टकराई कार दो युवकों की मौत

अलवर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के नौगावा थाना क्षेत्र में सोमवार देर एक ट्रक से कार के टकराने से कार में सवार दो युवकों की मौत हो गयी।

घटना की जांच कर रहे सहायक उपनिरीक्षक बृजमोहन गोस्वामी ने बताया कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस राज मार्ग पर खुशपुरी पुलिया के पास रात करीब दो बजे दिल्ली जा रही कार खड़े ट्रक से टकरा गयी। इससे कार में सवार असरफ (32) और मोहम्मद दिलशाद (29) की मौके पर ही मौत हो गयी। दोनों मृतक दिल्ली के हैं। उन्होंने बताया कि शव नौगावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये गये। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई के लिये मना कर दिया। परिजनों के आग्रह पर बिना पोस्टमार्टम के शव उनके सुपुर्द कर दिये गये।

प्रसाद तीन जुलाई को करेंगे बी फ्यूचर प्रूफ पुस्तक का विमोचन

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद तीन जुलाई को शाम पांच बजे चंडीगढ़ क्लब में विकास वर्मा द्वारा लिखित पुस्तक बी फ्यूचर प्रूफ का विमोचन करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के उत्तर क्षेत्र प्रमुख और स्थिरता पर एक प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ श्री वर्मा अमूल्य अंतर्दृष्टि के धनी हैं। बी फ्यूचर प्रूफ पुस्तक स्थिरता और फ्यूचर–प्रूफ करियर के बीच अंतर्निहित संबंधों को दर्शाती है। यह पुस्तक एक स्थायी करियर की पहचान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करने के लिए व्यक्तिगत अनुभवों को सहेजती है। बी फ्यूचर प्रूफ एक विचारोत्तेजक पुस्तक है जो स्थिरता और भविष्य–सुरक्षित करियर के बीच अंतर्निहित संबंधों की खोज करती है। यह पुस्तक व्यक्तिगत अनुभवों को जोड़कर एक स्थायी करियर की पहचान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख विशेषताओं को उजागर करती है। यह स्थिरता के प्रति अनुराग तथा एक ऐसी मानसिकता विकसित करने की प्रबल अपील करती है, जो जीवन के अर्थ को बेहतर बनाती है।

प्रत्येक पेशेवर, चाहे वह करियर के बीच में हो या व्यापार जगत में नया प्रवेश कर रहा हो, एक निरंतर और असीमित करियर हासिल करने की आकांक्षा रखता है। हालांकि, एआई जलवायु परिवर्तन, कॉर्पोरेट दबाव और नौकरी का तनाव कई लोगों को एक विवश अस्तित्व की ओर धकेल रहा है। 'बी फ्यूचर प्रूफ' पुस्तक लोगों का मार्गदर्शन करती है कि फ्यूचर प्रूफ करियर तक पहुंचने के लिए स्थिरता को कैसे अपनाया जाए।

भारत–थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के लिए सेना की टुकड़ी थाईलैंड रवाना

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। भारत–थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के 13वें संस्करण में शिरकत करने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हुई।सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने मंगलवार को बताया कि यह अभ्यास एक से 15 जुलाई तक थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्रकन में आयोजित किया जा रहा है। इसी अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2019 में मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था।

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की टुकड़ी में 76 कर्मी शामिल हैं। इनमें मुख्य रूप से लद्दाख स्काउट्स की एक बटालियन के साथ–साथ अन्य शाखाओं और सेवाओं के कर्मी शामिल हैं। रॉयल थाईलैंड आर्मी की टुकड़ी में भी 76 कर्मी शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से चार डिवीजन की 14 इन्फैंट्री रेजिमेंट की पहली बटालियन शिरकत कर रही है। कर्नल शर्मा ने बताया कि मैत्री अभ्यास का उद्देश्य भारत और थाईलैंड के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देना है। यह अभ्यास जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिये अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ायेगा। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक क्षमता, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर केंद्रित होगा। कर्नल शर्मा ने बताया कि इस दौरान किये जाने वाले सामरिक अभ्यासों में संयुक्त अभियान केंद्र का निर्माण, खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, ड्रोन और जवाबी ड्रोन प्रणाली का इस्तेमाल, उनके उतरने के स्थल की सुरक्षा, छोटे दल का प्रवेश और निकासी, हेलीकाप्टर से सैनिक उतारकर किये जाने वाले अभियान, लक्ष्य को घेरकर उसकी तलाशी अभियान और अवैध संरचनाओं को नष्ट करना शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मैत्री अभ्यास से दोनों पक्षों को संयुक्त अभियानों के संचालन के लिये रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने का अवसर मिलेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के सैनिकों के बीच अंतर–संचालन और आपसी सौहार्द विकसित करने में सहायक होगा।

भाजपा दे रही फर्जी घोषणाओं की मीठी गोली: हुड्डा

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 10 साल सत्ता में रहते भारतीय जनता पार्टी ने जनता को लाठी और गोली दी, अब जब सत्ता हाथ से जाती हुई नजर आ रही है तो वह जनता को फर्जी घोषणाओं की मीठी गोली दे रही है।

श्री हुड्डा ने यहाँ इंडियन नेशनल लोकदल के कुछ कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा ने हर वर्ग और 36 बिरादरी के अधिकारों पर कुठाराघात किया है।

श्री हुड्डा ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुये कहा कि भाजपा सरकार ने गांवों के मान–सम्मान पंच–सरपंचों को पंचकूला में डंडों से पिटवाया था। अब सत्ता हाथ से जाते देख भाजपा मान रही है कि कांग्रेस के समय की व्यवस्था ही सही थी और पंच–सरपंचों के हाथों में गांव का विकास सुरक्षित है। उन्होंने दावा किया कि अपने हर फैसले पर यू–टर्न मारकर भाजपा ने अपनी हार और विफलता दोनों को स्वीकार कर लिया है। इसलिये विधानसभा चुनाव में इस सरकार को जनता से वोट नहीं, बल्कि माफी मांगनी चाहिये। संसद सत्र को लेकर श्री हुड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से सदन में कही गई हरेक बात सत्य है। अग्निवीर योजना ना सेना के हक में है, ना देश और ना युवाओं के पक्ष में है। अग्निवीर योजना से हरियाणा बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है और अग्निवीर और कौशल निगम जैसी योजनायें युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हैं और ऐसी योजनाओं के कारण प्रदेश में बेरोजगारी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। ये बेरोजगारी बेकाबू अपराध की सबसे बड़ी वजह है।

शिवलिंग का वास्तविक अर्थ क्या है जानकर हैरान रह जाएंगे आप

शिवलिंग की पूजा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। शिवलिंग अलग-अलग आकारों में पाए जाते हैं। कुछ शिवलिंगों को ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है तो अन्य शिवलिंगों को स्वयंभू के रूप में जाना जाता है, अर्थात ये प्राकृतिक रूप से निर्मित होते हैं। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और अन्य पवित्र वस्तुएं चढ़ाते हैं। शिवलिंग को अक्सर ब्रह्मांड स्तंभ के रूप में माना जाता है, जो सृष्टि का स्रोत और अनंत का प्रतीक है। भगवान शिव, साक्षात, अनंत, निराकार और निर्गुण आदि योगी हैं। सम्पूर्ण ब्रह्मांड में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं जो भगवान शिव को ना जानता हो, लेकिन भगवान शिव के सत्य स्वरूप को जानना सबके बस की बात नहीं है। हम शिवलिंग की पूजा तो करते हैं लेकिन ज्यादातर यह नहीं जानते हैं कि शिवलिंग का वास्तविक अर्थ क्या है? शिवलिंग क्यों पूजनीय है? शिवलिंग का आकार ऐसा ही क्यों है? शिवलिंग का शाब्दिक अर्थ क्या है और शिवलिंग से हमें क्या बोध मिलता है?

सबसे पहले हम शिवलिंग का शाब्दिक अर्थ क्या है वह समझते हैं। शिवलिंग में शिव का अर्थ होता है परम शुद्ध चेतना परमेश्वर या परम तत्व और लिंग का अर्थ होता है निशान चिन्ह और प्रति। शिवलिंग का अर्थ है भगवान शिव, परमात्व का चिन्ह या प्रति शिवलिंग एक ऊर्जा का स्वरूप है जिसमें एक या एक से ज्यादा चक्र मौजूद होते हैं। ज्यादातर ज्योतिर्लिंग में एक या दो चक्र प्रतिष्ठित है। ध्यान लिंग में सभी सातों चक्र परम तक प्रतिष्ठित है। लिंग शब्द का मतलब है आकार। हम इसे आकार इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जो अप्रकट है, वो जब खुद को प्रकट करने लगता है या दूसरे शब्दों में कहें तो जब सृष्टि की उत्पत्ति शुरू हुई तो जो सबसे पहला आकार इसने लिया था वो एक दीर्घवृताकार था। एक पूर्ण दीर्घवृत या इल्लिप्स को हम एक लिंग कहते हैं।

सृष्टि की शुरुआत हमेशा एक दीर्घवृत या एक लिंग के रूप में हुई और उसके बाद ये कई रूपों में प्रकट हुई और हम अपने अनुभव से यह जानते हैं कि जब आप ध्यान की गहरी अवस्था में जाते हैं तो पूर्ण विलीन होने वाला बिंदु आने से पहले ऊर्जा एक बार फिर एक दीर्घवृत या एक लिंग का रूप ले लेती है। संस्कृत भाषा में लिंग का अर्थ प्रतीक होता है और इसलिए शिवलिंग का अर्थ हुआ शिव का प्रतीक। इसलिए शिवलिंग को भगवान शिव के पवित्र प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

इस ब्रह्माण में सिर्फ दो चीजें सत्य रूप से मौजूद हैं, एक है ऊर्जा और दूसरा है पदार्थ। हमारा शरीर मिट्टी से मिलकर बना है जो कि 1 दिन इसी मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए इसे पदार्थ कहा जाता है लेकिन शरीर के अंदर की आत्मा अमर होती है। वो शक्तिशाली है इसलिए उसे ऊर्जा कहा गया है। इसलिए शिव पदार्थ और शक्ति ऊर्जा का रूप धारण करके शिवलिंग का आकार ग्रहण करते हैं। आपको बता दें कि शिवलिंग की पूजा 2300 ईसा पूर्व से होती आ रही है, जिसके प्रमाण सिंधु घाटी की सभ्यता की खुदाई के दौरान सामने आए थे। आपको जानकर हैरत होगी कि शिवलिंग की पूजा केवल भारत में ही नहीं होती थी बल्कि प्राचीन रोमन सभ्यता के लोग भी शिवलिंग को पूजते थे। बेबी लोन में खुदाई के दौरान भी शिवलिंग मिले थे, जो इस बात की पुष्टि भी करते हैं।

शिवलिंग का अर्थ मुख्यतया ब्रह्मांड से है जिसका ना तो कोई आदि है और ना ही कोई अंत। अर्थात ब्रह्मांड सीमाओं से परे है वो इसकी कहीं से भी शुरुआत नहीं होती वो ना ही इसका कहीं अंत होता है। अगर हम प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंग के संदर्भ में चर्चा करें तो उन सभी का आकार एक दूसरे से भिन्न है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अलग अलग उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अलग अलग शिवलिंग बनाए गए हैं। कुछ शिवलिंगों को स्वास्थ्य के लिए बनाया गया है। कुछ को विवाह के लिए वह कुछ को ध्यान साधना के लिए स्थापित किया गया है। वायु पुराण के अनुसार प्रलय काल में समस्त सृष्टि जिनमे लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे। प्रकट होती है, उसे लिंग कहते है।

इस प्रकार विश्व की सम्पूर्ण ऊर्जा ही लिंग का प्रतीक है। पौराणिक दृष्टि से लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और ऊपर प्रणवाक्य महादेव स्थित है। केवल लिंग की पूजा करने मात्र से समस्त देवी देवताओं की पूजा हो जाती है। लिंग पूजन परमात्मा के प्रमाण स्वरूप सूक्ष्म शरीर का पूजन है। शिव और शक्ति का पूर्ण स्वरूप है शिवलिंग।

आषाढ़ अमावस्या 5 को

इस शुभ योग में करेंगे पूजा तो पितर हो जाएंगे प्रसन्न

सनातन धर्म में हर माह में आने वाली अमावस्या तिथि को पूजा पाठ की नजर से काफी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि अमावस्या के दिन पितर धरती पर अपने परिवार का हाल चाल लेने आते हैं, इस दिन स्नान दान और तर्पण का काफी महत्व है क्योंकि पितरों के नाम का तर्पण करने से पितर प्रसन्न होकर जातक को परिवार समेत खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। आषाढ़ माह की अमावस्या के दिन भी स्नान दान करके आप अपने पितरों के नाम तर्पण कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आषाढ़ माह की अमावस्या कब है और इस दिन पूजा के शुभ योग कब बन रहे हैं।

कब है आषाढ़ अमावस्या

इस साल यानी 2024 में आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या 5 जुलाई दिन शुक्रवार को पड़ रही है। अमावस्या की तिथि 5 जुलाई को सुबह 4।57 मिनट पर आरंभ होगी और अगले दिन यानी 6 जुलाई को सुबह 4।26 मिनट पर इसकी अवधि समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार देखा जाए तो अमावस्या का स्नान दान, तर्पण और पूजा 5 जुलाई के दिन होगी। आषाढ़ अमावस्या पर इस बार दो बड़े शुभ योग बन रहे हैं।

आषाढ़ अमावस्या के दिन ध्रुव योग बन रहा है और इस दौरान की गई पूजा काफी फलदायी साबित होती है। इस योग में स्नान दान और तर्पण करने से अमोघ फल की प्राप्ति की बात कही जाती है। इसके साथ साथ आषाढ़ अमावस्या पर शिव वास योग भी बन रहा है। कहा जाता है कि इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती कैलाश पर्वत पर विराजमान होते हैं। इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा से बेहद शुभ फल प्राप्त होते हैं।

अमावस्या के दिन पितरों के तर्पण का सबसे शुभ और सही समय प्रात काल कहा गया है। सुबह सूर्योदय के समय किया गया तर्पण पितरों को प्रसन्न कर देता है। सुबह स्नान आदि से निवृत होकर लोटे में जल लें। इस जल में काले तिल, कुश और सफेद फूल डालें और पितरों का नाम लेते हुए, उनको प्रणाम करते हुए दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके तर्पण करें। कहा जाता है कि इस तर्पण से प्रसन्न होकर पितर जातक को सुख शांति का आशीर्वाद देते हैं और परिवार में सुख समृद्धि भी बनी रहती है।

कांवड़ यात्रा करने से क्या लाभ मिलता है

सावन भोलेनाथ के भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए कई तरह के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, पूजा, मंत्र जाप, दान, धार्मिक अनुष्ठान आदि कई तरह के जतन करते हैं ।

इन्हीं में से एक है कांवड़ यात्रा, जिसमें महादेव के भक्त मीलों पैदल चलकर गंगा किनारे जाते हैं और कांवड़ में जल भरकर लाते हैं और शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो कांवड़ यात्रा का हिन्दू धर्म में खासा महत्व है।। आइए जानते हैं कावंड़ यात्रा 2024 में कब शुरू हो रही है, इसका क्या महत्व, लाभ है।

कांवड़ जल कब चढ़ेगा

पवित्र कांवड़ यात्रा की शुरुआत सावन के आरंभ से ही हो जाती है। इस साल कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू होगी। कई दिनों तक कांवड़िए नियम का पालन करते हुए पैदल चलते हैं और कांवड़ में गंगाजल लाकर सावन शिवरात्रि पर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि 2 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी।

कांवड़ यात्रा शुरू - 22 जुलाई 2024

कांवड यात्रा जलाभिषेक की तारीख - 2 अगस्त 2024

कांवड़ यात्रा करने से क्या लाभ मिलता है

कांवड़ यात्रा भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने का एक अचूक उपाय है। मान्यता है सावन के पावन महीने में कांवड़ उठाने वाले भक्त के सभी पाप शाप नष्ट हो जाते हैं। कांवड में जलभकर शिवलिंग का अभिषेक करने वालों पर सालभर भोलेनाथ की कृपा बरसती है। दुख, दोष, दरिद्रता से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति हर पल सुख प्राप्त करता है।

कांवड़ का अर्थ

कांवड़ का मूल शब्द 'कावर' है जिसका सीधा अर्थ कंधे से है। शिव भक्त अपने कंधे पर पवित्र जल का कलश लेकर पैदल यात्रा करते हुए गंगा नदी तक जाते हैं। ज्यादातर कांवड़िए इस दौरान गंगाजल लेने हरिद्वार आते हैं।

कावंड़ यात्रा का इतिहास

हिंदू शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम जो भगवान शिव के एक महान भक्त के रूप में जाने जाते हैं उन्होंने पहली बार इस कांवड़ यात्रा को श्रावण महीने के दौरान किया था। तभी से कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। हालांकि कावंड़ यात्रा की शुरुआत किसने की इसको लेकर कई मत है।

क्या है पंच केदार का इतिहास, जानें ये पौराणिक कथा

पंच केदार को मोक्षदायिनी माना जाता है, और ऐसा माना जाता है कि इन मंदिरों की यात्रा करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और मोक्ष प्राप्त होता है। पंच केदार भगवान शिव के पांच पवित्र मंदिरों का समूह है जो उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल हिमालय में स्थित हैं। इन मंदिरों को क्रमशः केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेश्वर के नाम से जाना जाता है। पंच केदार का इतिहास क्या है आइए जानते हैं।

पंच केदार की पौराणिक कथा

महाभारत का युद्ध समाप्त हो चुका था। युधिष्ठिर अपने चार भाइयों के साथ श्री कृष्ण से मिलने का है। बधाई हो धर्मराज आज अधर्म पे धर्म की जीत हुई। माधव आपकी सहायता के बिना हमारा विजय असंभव था। मेरा काम तो सिर्फ राह दिखाना था उस राह पर चलना तो आप सब पे निर्भर करता है। पार्थ पाँचो पांडव श्री कृष्ण की बात सुन रहे थे, वो बड़े दुखी लग रहे थे। आप सब इतने चिंतित क्यों है? क्या हुआ देवकीनंदन? हमने अपने ही भाइयों की हत्या की है। हम सभी को इस बात का खेत है। हाँ माधव अब आप ही कोई उपाय बताइए, हम इस भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति कैसे पाएं? तो इस बात से चिंतित है आप आपको इसके लिए महादेव के पास जाना होगा। एक महादेव ही आपको भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति दिला सकते है। किंतु। किंतु क्या माधव श्री कृष्ण चिंतित हो गए? महादेव आप पांचों से अत्यंतृष्ट हैं। माधव आप चिंतित ना हो, वो चाहे कितने भी रुष्ट हो, हम पाँचों उनके दर्शन करके ही हस्तिनापुर वापस लौटेंगे? हाँ माधव, अब हमें आज्ञा दीजिए, हम विश्वनाथ के दर्शन हेतु काशी प्रस्थान करते हैं। युधिष्ठिर श्रीकृष्ण के सामने हाथ जोड़तें हैं। कल्याण हो, पांचो भाई काशी जाने के लिए निकल पड़ते हैं और कुछ दिनों के बाद वो काशी पहुँच जाते हैं। काशी पहुंचने के बाद उन्हें वहां शिवजी नहीं मिले। पांचो भाई बहुत ही चिंतित हो गए।

यहां तो शिवाजी नहीं हैं अर्जुन, महादेव हमसे अत्यंत रुष्ट हैं इसीलिए वो हमें दर्शन नहीं दे रहे। अब हम क्या करें? हे माधव अब आप ही हैं जो हमें रास्ता दिखा सकते है। तभी श्री कृष्ण वहां प्रकट होते है। पार्थ मैंने पहले भी कहा था की महादेव आपसे अत्यंत रूष्ट हैं और इसलिए वो आपको प्रत्यक्षदर्शन नहीं देना चाहते। तो हमें इस भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति कैसे मिलेंगे? मुक्ति तो आप सबको केवल महादेव ही दिला सकते हैं और क्योंकि वो आपको प्रत्यक्षदर्शन नहीं देना चाहते, वो काशी से अंतर ध्यान होकर अपने प्रिय स्थल केदार में गए हैं। अगर आप को उनके प्रत्यक्षदर्शन करने हैं तो आपको केदार क्षेत्र में जाना होगा।

उचित है, उनके दर्शन करने के लिए हमें कितना भी दूर क्यों ना जाना पड़े। हम जाएंगे और मुक्ति पाकर ही वापस लौटेंगे। कल्याण हो!! श्री कृष्ण वहां से अदृश्य हो जाते हैं। पांचों भाई अब केदार क्षेत्र की और प्रस्थान करते हैं। थोड़े दिनों के पश्चात वे केदार पहुँच जाते हैं।

शिव जी पांडवों को वहाँ देखते हैं और उन्हें देखते ही वह क्रोधित हो जाते हैं। ये सब यहाँ भी पहुँच गए किन्तु मैं इन्हें दर्शन देना नहीं चाहता, मैं बैल का रूप धारण करके उनकाय और बैल के छुट में शामिल हो जाता हूँ। वो मुझे कभी भी ढूंढ नहीं पाएंगे। शिव जी बैल का रूप हरण करके अन्य गाय और बैल की छूट में शामिल हो गए। मांडव शिव जी को ढूंढ रहे थे। युधिष्ठिर यहां तो कहीं पर भी महादेव नहीं दिख रहे, श्री कृष्ण ने तो कहा था वो यही है हॉर्चुन इतने में भीम की नजर पशुओं के झुंड पे पड़ती है। उसमें से एक बैल बाकी बैलों से एकदम अलग दिखता है। उसको देख कर भीम को बहुत ही आश्चर्य होता है। भ्राता युधिष्ठिर वो बैल को देखिए, वो बैल आपको बाकी अन्य बेलों से भिन्न नहीं लगता। हां भीम वो भिन्न तो है किन्तु। भीम थोड़े मुस्कुराते हैं। हां तो ये बात है। क्या हुआ भैया? अर्जुन, अब देखो मैं क्या करता हूं।

भीम अपना विशाल रूप धारण करते हैं और अपने दोनों पैर पहाड़ों के बीच फैला देते हैं। मुझे ज्ञात हो गया है कि मेरे भो-लेनाथ ने बैल का रूप धारण किया है। हमें भ्रमित करने के लिए अब अन्य सारे पशु मेरे दो पैरों के बीच में से चले जाएंगे। लेकिन, महादेव नहीं जाएंगे और हुआ भी वैसा ही। बाकी सारे जानवर भीम के दो पैरों के बीच से होकर निकल गए। सिर्फ एक बैल को छोड़कर ये देखकर बाकी चारों पांडवों ने भी शिव जी को पहचान लिया। अब शिव जी बैल रूप में वहां धरती में अंतर ध्यान होने लगे। भीम ने तुरंत ही बल से बेल की पीठ का त्रिकोणात्मक भाग पकड़ लिया।

शिव जी बोले, अब तो मुझे इन पांडवों के समक्ष प्रकट होना ही पड़ेगा। शिव जी अपने वास्तविक रूप में आते हैं और भीम भी पांचों पांडव शिव जी के समक्ष नतमस्तक खड़े रहते हैं। मैं आपके भक्ति और दृढ़ निश्चय को देखकर प्रसन्न हुआ, मैं तुम पाँचों को भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्त करता हूं। आपको कोटि-कोटि वंदन महादेव।

आपके प्रत्यक्षदर्शन पाकर और भाई की हत्या के पाप से मुक्ति पाकर हम पांडव धन्य हुए। तभी श्री कृष्ण वहां प्रकट होते हैं महादेव भूमि में अंतर् ध्यान होते समय आपका पीठ का भाग यहीं पे स्थापित हो गया इसलिए युगो युगो तक आप यहां केदारनाथ के रूप में पूजे जाएंगे। आपके धर से ऊपर का भाग काठमांडू में प्रकट हुआ इसलिए आप वहां पे पशुपति नाथ के रूप में पूजे जाएंगे।

इसी तरह जहां पे आपकी भुजाएं प्रकट हुई हैं वहां आप तुंगनाथ के रूप में, जहां मुख प्रकट हुआ, वहां रुद्रनाथ के रूप में, जहां पर आपकी जेठा प्रकट हुई, वहां कल्पेश्वर के रूप में और नाभि जहां प्रकट हुई, वहां आप मदमहेश्वर के रूप में पूजे जाएंगे। इस वजह से आज भी इन चारों स्थानों के सहित श्री केदारनाथ को पंच केदार भी कहा जाता है।

बनते काम भी बिगड़ रहे हैं? घर ले आएं पिरामिड, दूर होंगे वास्तु दोष जीवन होगा सुखमय, करें 3 सरल उपाय

कई बार समय ऐसा होता है कि, आपको कड़ी मेहनत के बाद वो मुकाम नहीं मिलता जिसकी लालसा आप रखते हैं। यही नहीं कारोबार में भी जितना लाभ आपको मिलना चाहिए उसका आधा भी नहीं मिलता। कुल मिलाकर लाख कोशिशों के बावूजद आपको मेहनत का फल नहीं मिलता। ऐसे में घर में अशांति का वर्चस्व बढ़ने लगता है लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसी स्थिति क्यों बनती है? दरअसल कई बार घर या दुकान में कुछ दोषों के कारण आपको इन स्थितियों से गुजरना पड़ता है। इन्हें कुछ वास्तु उपायों से दूर किया जा सकता है। आइए जानते हैं इस बारे में भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

घर में रखें पिरामिड

यदि आप अपने घर में पिरामिड रखते हैं तो उस जगह की नकारात्मकता दूर होने लगती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ने लगता है। इससे वास्तु दोष खत्म होता है और घर में सुख-समृद्धि आती है। इसके अलावा आप पिरामिड के साथ मंगल यंत्र भी घर में लगा सकते हैं।

चांदी का तार रखें

घर या दुकान में वास्तु दोष को खत्म करने के लिए आप चांदी के तार का उपयोग भी कर सकते हैं। भले ही यह पतला सा हो, लेकिन इसे घर के मुख्य दरवाजे के नीचे दबाकर रखने से सभी तरह के दोष दूर होते हैं।

तुलसी या केले का पौधा

आप अपने घर में तुलसी या केले का पौधा लगा सकते हैं। ये दोनों ही पौधे स्वास्थ्यवर्धक माने जाते हैं साथ ही घर के वातावरण को भी अच्छा बनाते हैं। इसी के साथ घर का वास्तु शास्त्र भी ठीक रहेगा।

कीमोथेरिपी के लिए अस्पताल पहुंचीं हिना खान

पायल मलिक ने किया बड़ा खुलासा

कुछ दिनों पहले ही हिना खान ने बताया है कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उन्हें तीसरी स्टेज का कैंसर है। सोशल मीडिया पर उन्होंने इस बारे में खुद से फैन्स को जानकारी दी थी। वहीं दूसरी ओर पायल मलिक ने बड़ा खुलासा किया है। वह कहती हैं कि अरमान मलिक की मैं कानूनी पत्नी हूं। कृतिका मलिक नहीं। हिना खान ने हाल ही में बताया है कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। यह सुनकर सभी हैरान रह गए हैं।

एक्ट्रेस महिमा चौधरी, मौनी रॉय, सुरभि चंदना, अंकिता लोखंडे समेत तमाम एक्ट्रेसे ने हिना खान को कमेंट किया और उनके लिए प्रार्थना की। वहीं हाल ही में हिना खान ने अपने इंस्टा हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। पहले तो इस वीडियो में देखा जा सकता है कि हिना खान बीमारी से गुजरने के बाद भी फोटोशूट करवाती हैं। वह अवॉर्ड फंक्शन भी अटेंड करती हैं और उसके बाद वह अस्पताल आ जाती हैं।

कल्कि 2898 एडी की बॉक्स ऑफिस पर सुनामी

हिंदी भाषा में 100 करोड़ तो वर्ल्डवाइड 500 करोड़ का आंकड़ा पार

प्रभास स्टारर माइथोलॉजी और साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी की सुनामी बॉक्स ऑफिस पर जारी है। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कहर ढा दिया है। कल्कि 2898 एडी बीती 27 जून को रिलीज हुई थी। बीती 30 जून को कल्कि 2898 एडी ने अपना पहला वीकेंड खत्म किया है।प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी ने चौथे दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 140 करोड़ रुपये बटोरे हैं। संडे को कल्कि 2898 एडी का कलेक्शन जबरदस्त रहा है। इसी के साथ फिल्म ने अपने चार दिनों के ओपनिंग वीकेंड पर 555 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, फिल्म की तीन दिनों कमाई की बात करें इसने 415 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड कमाए थे। वरइधर, घरेलू सिनेमा पर भी कल्कि 2898 एडी का तूफान जारी है। फिल्म ने चार दिनों में भारत में 115 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं, फिल्म ने अपने वीकेंड वर्ल्डवाइड कलेक्शन से भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में बाहुबली 2, दंगल, आरआरआर, केजीएफ 2, जवान, पठान, सालार, साहो को पीछे छोड़ दिया है।बता दें, कल्कि 2898 एडी साल 2024 की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली और पहली 500 करोड़ फिल्म बन गई है।

साउथ सिनेमा से अबतक सबसे ज्यादा 300 करोड़ हनु-मैन और बॉलीवुड फिल्म फाइटर 352 करोड़ रुपये की कमाई की थी।वहीं, फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ एडवांस बुकिंग कर कमाई का अंबार लगा दिया है। कल्कि 2898 एडी ने 11 मिलियन यूएस डॉलर (90 करोड़ की कमाई कर ली है। बता दें, आज 1 जुलाई को प्रभास की फिल्म ने अपने पहले सोमवार में एंट्री कर ली है।

अब देखना होगा कि फिल्म अपने मंडे टेस्ट में कितने कमाई के झंडे गाड़ती है।बता दें कि कल्कि 2898 एडीळ नाग अश्विन निर्देशित फिल्म है। 600 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में प्रभास के अलावा अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पटानी समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किए हैं।

एथनिक लुक में गजब की बला लगीं साक्षी मलिक

बॉलीवुड की बोल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपनी हॉटनेस के कारण इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका स्टाइलिश अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट ट्रेडिशनल लुक में फोटोज शेयर की हैं। उनके इस लुक ने एक बार फिर से इटरनेट पर तहलका मचा दिया है।एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग अंदाज से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से एक बार फिर से फैंस के बीच कहर बरपा दिया है।उनका ये हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। साथ ही उनका कातिलाना अंदाज लोगों के बीच थमने का नाम नहीं ले रहा है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अभिनेत्री साक्षी मलिक ने फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की फ्लोरल लुक में साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं।खुले बाल,कानों में इयररिंग्स और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस साक्षी मलिक अपनी फिटनेस के लिए फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनकी फिटनेस बेहद कमाल की है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड भी करता है।साक्षी मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। साथ ही इंस्टा पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

हीरो ने खुद को बताया सबसे बदसूरत एक्टर

लोग हमारी सूरत की वजह से हमसे क्यों नफरत करते हैं? : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रंगभेद और भेदभाव का सामना करने के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि लोग उन्हें 'बदसूरत' होने की वजह से नफरत करते थे। उन्होंने फिल्म मेकर्स को उन्हें कई मौके देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भेदभाव समाज में होता है, फिल्म इंडस्ट्री में नहीं।मुझे नहीं पता कि कुछ लोग हमारी शक्ल-सूरत की वजह से हमसे नफरत क्यों करते हैं। शायद इसलिए क्योंकि हमारा चेहरा ऐसा है - बहुत बदसूरत। जब हम खुद को आईने में देखते हैं तो हमें भी ऐसा ही महसूस होता है। हम खुद से भी कहते हैं, 'हम इतने बदसूरत चेहरे के साथ फिल्म उद्योग में क्यों आए?' मैं फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बदसूरत एक्टर हूं। मैं ऐसा इसलिए मानता हूं क्योंकि मैं शुरू से ही यह सब सुनता आ रहा हूं और अब मैं भी इस पर यकीन करने लगा हूं।इंडस्ट्री में उन्हें मौका देने वाले डायरेक्टर का शुक्रिया अदा करते हुए 50 साल के एक्टर ने कहा, अगर आपके पास थोड़ा भी हुनरहै, तो इंडस्ट्री आपको बहुत कुछ देती है। समाज में भेदभाव है, इंडस्ट्री में नहीं।

नवाजुद्दीन ने 1999 में फिल्म सरफरोश से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। आमिर खान और सोनाली बेंद्रे स्टारर इस फिल्म में उन्होंने एक आतंकवादी की भूमिका निभाई थी। पिछले कुछ सालों में उन्होंने 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'ब्लैक फ्राइडे', 'देव डी', 'कहानी', 'पान सिंह तोमर', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'तलाश', 'किक', 'बजरंगी भाईजान', 'रमन राघव 2।0', 'सेक्रेड गेम्स', 'मंटो' और दूसरी कई फिल्मों में अलग-अलग रोल निभाए हैं। इस बीच, नवाजुद्दीन फिलहाल अपनी फिल्म 'राउतू का राज' के प्रमोशन में बिजी हैं, जिसमें वह एक पुलिस वाले के रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक ऐसे शहर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां 15 सालों से कोई हत्या नहीं हुई है। यह 28 जून को एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई।

अल्लू सिरीश की फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज़

फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। अल्लू सिरीश की बडी का ट्रेलर एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के साथ शुरू हुआ। अल्लू सिरीश तमिल निर्देशक सैम एंटोन के साथ मिलकर बडी के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के लिए तैयार हो जाइए। पहले लुक और सिंगल को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद, फ़िल्म का ट्रेलर आ गया है, और यह हास्य, एक्शन और भावनात्मक गहराई का एक शानदार मिश्रण है।ट्रेलर में एक अनूठी कहानी दिखाई गई है मुसीबत में फंसा एक टेडी बियर आदित्य राम (अल्लू सिरीश) से मदद मांगता है। हम देखते हैं कि यह अप्रत्याशित जोड़ी समस्या को हल करने के लिए एक साथ आती है, जिसमें सिरीश फ़िल्म में एक पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर की बेहतरीन एडिटिंग और रोमांचक दृश्य एक आकर्षक कहानी के लिए मंच तैयार करते हैं।सिरीश के साथ कई

प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिनमें गायत्री भारद्वाज मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही प्रिशा सिंह, अजमल आमिर, मुकेश ऋषि, मोहम्मद अली और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। फ़िल्म हिप हॉप तमिज़ा के आकर्षक साउंडट्रैक पर आधारित है।स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित, जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली फिल्मों के लिए जाना जाने वाला एक प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस है, बडी एक ताज़ा और मनोरंजक अनुभव का वादा करता है। ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच उत्साह जगा दिया है, जो फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपने अनूठे आधार, मजबूत कलाकारों और प्रभावशाली प्रोडक्शन वैल्यू के साथ, बडी एक आकर्षक सिनेमाई यात्रा होने के लिए तैयार है।

बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार श्रीलीला

पिछले दिनों अभिनेता वरुण धवन पिता बने हैं। उनकी पत्नी नताशा दलाल ने 3 जून को हिंदुजा अस्पताल में एक प्यारी बेटी को जन्म दिया था।निजी जिंदगी के अलावा वरुण अपनी फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं।फिलहाल वरुण के हाथ में कई फिल्में हैं, जिनमें एक नाम उनके पिता डेविड धवन के निर्देशन में बन रही फिल्म भी शामिल है।खबर है कि वरुण की इस फिल्म के जरिए श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड की अगली निर्देशित फिल्म से वरुण के साथ साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं।बताया जा रहा है कि श्रीलीला फिल्म में वरुण की गर्लफ्रेंड की भूमिका निभाएंगी।इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण, मृणाल और श्रीलीला की यह फिल्म लव ट्रायंगल पर आधारित होगी।यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वरुण ने एक बार फिर अपने पिता डेविड के साथ हाथ मिला लिया है और अब दोनों मिलकर फिर अपनी फिल्म से दर्शकों को लोट-पोट करने की पूरी तैयारी में हैं।डेविड और वरुण ने टिप्स फिल्मस से हाथ मिलाया है। रमेश तौरानी फिल्म के निर्माता हैं।डेविड-वरुण पहली बार फिल्म मैं तेरा हीरो के लिए साथ आए थे। इसके बाद दोनों ने जुड़वा 2 में साथ काम किया और फिर वे फिल्म कुली नंबर 1 के लिए साथ आए।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

संवाद, अच्छे व्यवहार और शुचिता से हर समस्या का हो समाधान: योगी

16 प्रशिक्षु आईएएस अफसरों ने की सीएम से मुलाकात

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रशिक्षु अफसरों (2023 बैच) से मुलाकात की। सीएम ने सभी को शुभकामनाएं दीं, फिर अफसरों का मार्गदर्शन किया। सीएम ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्याओं का समाधान होगा। सीएम ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए बोले कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नयापन दीजिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। फील्ड में जब भी जाएं तो आमजन से संवाद स्थापित करें। संवाद शून्य होने से लोगों में असंतोष होता है। उनसे अच्छा व्यवहार करें और कार्यों में शुचिता बरकरार रखें। इससे आपकी छवि अलग और अतुलनीय बनेगी।

आम आदमी की किसी भी समस्या को छोटी न समझें, क्योंकि पीड़ित के लिए वह समस्या काफी मायने रखती है। समस्या का समाधान हो जाता है तो वह अधिकारी आमजन का विश्वास हासिल कर लेता है। जमीनी धरातल पर जुड़े लोगों से कभी कटें नहीं। किसी भी समस्या को बड़ी न बनने दें, बल्कि संवाद के जरिए उसका तत्काल रास्ता निकालें। प्रशिक्षु अधिकारी जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित करें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टालने की आदत छोड़ें। पीड़ित की सुनवाई करें। टालने की आदत से असंतोष पैदा होता है। यह आदत ठीक नहीं होती। समय पर निर्णय लेने की आदत डालें। आईजीआरएस-सीएम हेल्पलाइन की शिकायत सीधे हमारे पास इसलिए आती, क्योंकि सुनवाई स्थानीय स्तर पर ठीक से नहीं होती। इसलिए पीड़ित की सुनवाई करें और मेरिट के आधार पर समय सीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण भी करें। सीएम ने यह भी कहा कि प्रतिदिन एक घंटा जनता की सुनें। जनप्रतिनिधियों व स्थानीय संगठनों की समस्याएं भी सुनें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु अफसरों से कहा कि सीखने और पढ़ने की आदत निरंतर रखें। शासन से कोई जीओ गया है तो उसे स्वयं पढ़ें, न कि किसी अन्य पर निर्भर रहें। आपकी दृष्टि औरों से अलग होगी। इसे पढ़कर रिजल्ट में बदलें। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अच्छा मॉडल दें। इससे आपके अधीनस्थ भी कार्यों में रूचि लेंगे। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें। मॉडल विलेज बनाने की तरफ सोचें।

इसके लिए ग्रामीणों से संवाद करें, श्रमदान के जरिए भी कई कार्य प्राथमिकता से हो सकते हैं। सीएम ने कहा कि अफसर के रूप में नगर निकायों, तहसीलों, थाने और ब्लॉक को स्वावलंबी बनाएं। सीएम ने अफसरों को सीख दी कि गलत तत्वों से हर हाल में दूरी बनाएं। घर के बजाय लोगों को ऑफिस में बुलाएं और वहीं संवाद बनाएं।

सीएम से मुलाकात में प्रशिक्षु आईएएस अफसर अनुभव सिंह, दीपक सिंहवाल, गुंजिता अग्रवाल, ईशिता किशोर, काव्या सी, महेंद्र सिंह, चलुआ राजू, नारायणी भाटिया, नितिन सिंह, रिंकू सिंह राही, साहिल कुमार, साईं आश्रित शाखामूरी, शिशिर कुमार सिंह, स्मृति मिश्रा, स्वाति शर्मा और वैशाली शामिल थीं।

संघ प्रमुख ने कहा, हम देश से प्रेम नहीं, भक्ति करते हैं

हमारा खान-पान अलग लेकिन डीएनए एक है

वाराणसी, 02 जुलाई (एजेंसियां)। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हम अपने देश से केवल प्रेम ही नहीं करते, बल्कि उसकी भक्ति करते हैं। यहां की नदियों का पानी पीते हैं। यहीं का अनाज खाते हैं। यहीं की हवा में सांस लेते हैं। यहां की परंपरा से लगाव रखते हैं। जीवन कैसा होना चाहिए, ये हम भाषण, ग्रंथों में सुन और पढ़ सकते हैं। लेकिन, करने की हिम्मत तभी होती है, जब कोई अपने जैसा करके दिखाए। ये हमारे वीर जवानों ने करके दिखाया है, जो हमारे ही गांवों से गए हैं। इसलिए वे हमारे लिए मिसाल बन जाते हैं। हम अपने बच्चों को उनकी कहानियां बताते हैं।

धामूपुर स्थित शहीद पार्क में परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती समारोह में मोहन भागवत ने कहा, चीन, पाकिस्तान ने भारत पर जब भी हमला किया, तब भारतीय आपसी मनमुटाव भूलकस एक साथ खड़े हो गए क्योंकि हमारे मूल में ही एकता है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कुछ लोग बोलते हैं कि हम भारत से अलग हैं। उत्तर के लोग अलग हैं।

हिंदी हमको नहीं चाहिए। हम तमिल हैं। हमारा एक अलग राज्य है। लेकिन 1962 में चीन का भारत पर आक्रमण हुआ। उस समय चेन्नई मलिना ब्रिज के पास सेना की विशाल सभा हुई। इस सभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह हिमालय नहीं, तमिलनाडु पर हमला है क्योंकि वह अवसर ऐसा था कि जिसकी हम सब भक्ति करते हैं। भारत माता के सम्मान की बात थी तो जो अंदर का सच है, वह बाहर आ गया। हम सबका खान-पान अलग हो सकता है, लेकिन डीएनए एक है। मैं दूसरे देशों के बारे में नहीं जानता, लेकिन भारत के सैनिक अपने वेतन के लिए नहीं लड़ते, वे देश के लिए लड़ते हैं, इसलिए उदाहरण बनते हैं। इनमें से एक अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद भी हैं। चीन, पाकिस्तान ने भारत पर जब भी हमला किया, तब यहां के लोग आपस में लड़ना छोड़ देते हैं। और एक साथ खड़े हो जाते हैं, क्योंकि हमारे मूल में ही एकता है।

संघ प्रमुख सोमवार को धामूपुर स्थित शहीद पार्क में परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने वीर अब्दुल हमीद पर अंग्रेजी में लिखी गई 160 पेज की किताब मेरे पापा परमवीर का लोकार्पण भी किया। संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया को हमारे देश की आवश्यकता है। इसलिए हमें बचना भी चाहिए और बढ़ना भी चाहिए। हम सब शहीदों का स्मरण और अनुकरण करके अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। इस मौके पर संघ प्रमुख ने कैप्टन मकसूद गाजीपुरी की ओर से लिखी गई बलिदानियों पर पुस्तक का भी लोकार्पण किया। संघ प्रमुख ने कहा, अब्दुल हमीद गांव की भी चिंता करते थे। उनका जीवन सब के लिए उदाहरण बन गया। उनकी जयंती पर हर वर्ष आना चाहिए। वास्तव में शहीद अमर हो जाते हैं। शहीद का बलिदान महान होता है। उनका स्मरण रखना है। दो बातों का संकल्प लेना है, जिसे सालभर में पूरा करना है।

भाजपा ने बहोरन लाल मौर्य को बनाया एमएलसी प्रत्याशी

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा ने पूर्व सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर होने वाले उप-चुनाव के लिए बरेली के भोजीपुरा से दो बार विधायक रह चुके बहोरन लाल मौर्य को प्रत्याशी घोषित किया है। राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने इसकी घोषणा की है। बहोरन लाल मौर्य प्रदेश सरकार में वित्त राज्य मंत्री और राजस्व राज्य मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मंगलवार को विधान परिषद उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य ने नामांकन दाखिल किया। आखिरी दिन उन्होंने विधान परिषद में पर्चा दाखिला किया। विधान परिषद चुनाव के लिए सोमवार को भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी घोषित किया था। विधान परिषद में इस सीट का कार्यकाल जुलाई 2028 तक होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहोरन लाल मौर्य चुनाव जीतकर विधान परिषद में पहुंचेंगे और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से रखेंगे। नामांकन दाखिल के दौरान सीएम योगी के अलावा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, कपिल देव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे।

बहोरन लाल मौर्य बदायूं के दातागंज के गांव फिरोजपुर के मूल निवासी हैं। बरेली में त्रिवटीनाथ मंदिर के पास आवास बनाया है। वर्ष 1996 में भाजपा से पहली बार भोजीपुरा के विधायक बने। इसी दौरान वित्त राज्य मंत्री और फिर राजस्व राज्य मंत्री का भी प्रभार संभाला। वह वर्ष 2002 व 2007 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन जीत नहीं मिली। 2012 का चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़े पर हार गए। वर्ष 2017 में भाजपा से फिर चुनाव लड़े और जीते। वर्ष 2022 में फिर चुनाव हार गए। पार्टी ने इन्हें विधान परिषद का प्रत्याशी बनाकर मौर्य मतदाताओं को साधने की कोशिश की है।

किसान की फरियाद अनसुनी करना भारी पड़ा

फतेहपुर की खागा तहसील के एसडीएम निलंबित

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। किसान की फरियाद अनसुनी करना फतेहपुर जिले की खागा तहसील के उपजिलाधिकारी को भारी पड़ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंगलवार को एसडीएम को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में एसडीएम आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद के लखनऊ कार्यालय से संबद्ध होंगे, इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी होगी।

फतेहपुर के ग्राम पाई के किसान रविकरन सिंह ने 15 जून को संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील खागा में एसडीएम अतुल कुमार को भूमि विवाद संबंधी शिकायत प्रार्थना पत्र दिया था। एसडीएम अतुल कुमार ने मामला गंभीर होने के बाद भी शिकायत का समय पर गंभीरतापूर्वक निस्तारण नहीं किया था। ऐसे में मामले की जांच मंडलायुक्त प्रयागराज और पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र को सौंपी गई। दोनों ही अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में एसडीएम अतुल कुमार को दोषी ठहराया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फतेहपुर के तहसील खागा एसडीएम अतुल कुमार को निलंबित कर दिया।

विधानसभा उप चुनाव में भाजपा ने उतारी मंत्रियों की टीम

सीएम योगी की अगुवाई में 16 मंत्री करेंगे प्रचार

अयोध्या, 02 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए आयोग ने भले ही कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। पर सभी दल अपने-अपने स्तर से सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। भाजपा ने भी इन 10 में से अपने हिस्से की पांच सीटों पर कब्जा बरकरार रखने के साथ ही शेष पांच सीटों को भी जीतने की रणनीति बनाई है। उप चुनाव की कमान खुद मुख्यमंत्री ने अपने हाथों में लिया है। उन्होंने सभी 10 सीटों पर 16 मंत्रियों की टीम तैनात कर जीत पक्की करने की जिम्मेदारी दी गई है।

इस संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बैठक हुई थी। जिसमें भाजपा के साथ ही ओम प्रकाश राजभर को छोड़ सभी सहयोगी दलों के मंत्री भी मौजूद रहे। बैठक में उप चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके बाद 16 मंत्रियों की टीम का गठन कर सभी को अपनी-अपनी सीटों पर जीत दर्ज करने की जिम्मेदारी दी गई। मंत्रियों की टीम में भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी शामिल किया गया है । कुछ सीटों पर दो तो कुछ एक मंत्री को जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ संगठन के भी पदाधिकारियों को लगाया जाएगा।

उप चुनाव में सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज करके भाजपा लोकसभा चुनाव में मिले हार के घाव को भरना चाहती है। इसलिए मंत्रियों को हर हाल में जीत दर्ज करने के अभी से क्षेत्रों में डटे रहने को कहा गया है। वहीं, उप चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द होने की संभावना को देखते हुए भाजपा में टिकट के लिए भी भागदौड़ शुरू हो गई है। विधायक से सांसद बनने वाले नेता जहां अपने परिवार के किसी सदस्य को टिकट दिलाने में जुटे हैं. वहीं कई पूर्व सांसद और विधायक भी टिकट के दौड़ में शामिल हैं।

जिन सीटों पर 16 मंत्रियों की ड्यूटी लगी है, उनमें करहल के लिए जयवीर सिंह, मिल्कीपुर के लिए सूर्य प्रताप शाही और मयंकेश्वर शरण सिंह, कटेहरी के लिए स्वतंत्र देव सिंह और आशीष पटेल, सीसामऊ के लिए सुरेश खन्ना और संजय निषाद, फूलपुर के लिए दयाशंकर सिंह और राकेश सचान, मझवां के लिए अनिल राजभर, गाजियाबाद सदर के लिए सुनील शर्मा, मीरापुर के लिए अनिल कुमार और सोमेन्द्र तोमर, खैर के लिए लक्ष्मी नारायण चौधरी और कुंदरकी के लिए धर्मपाल सिंह और जेपीएस राठौर को तैनात किया गया है।

प्रदेश में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए एक्ट लागू होगा

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने और बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रदेश में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) एक्ट को लागू करने का निर्णय लिया है। लोकभवन में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इस एक्ट को निर्माण (नोडल इन्वेस्टमेंट रीजन फॉर मैन्युफैक्चरिंग) एक्ट नाम दिया गया है। इसके माध्यम से देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकेगा। सरकार के इस निर्णय से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आर्थिक विकास को गति मिलेगी, जबकि जन सामान्य को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

योगी कैबिनेट के इन निर्णय की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर ने बताया कि प्रदेश में स्पेशल इन्वस्टमेंट रीजन डेवलप करने के लिए यह एक्ट बनाया गया है। इस तरह का एक्ट अभी तक तीन राज्यों में है,जिनमें गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। इस तरह इस एक्ट को लागू करने वाला यूपी चौथा राज्य बन जाएगा। उन्होंने बताया कि जो स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन होते हैं वो बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन होते हैं, जहां पर क्लस्टर डेवलपमेंट होता है और साथ ही जो पावर स्टेट गवर्नमेंट में या बाकी डिपार्टमेंट्स में निहित होती हैं। उन्हें अथॉरिटी लेवल पर डिसेंट्रलाइज कर दिया जाता है। ऐसा करने से दो लाभ होते हैं, पहला जो मास्टर प्लानिंग हो उसमें यदि कोई बदलाव करना हो तो वहीं पर किया जा सकता है और दूसरा जितने भी एनओसी और क्लियरेंस जारी होते हैं जिनके लिए प्रदेश स्तर तक आना होता है वो

शक्तियां भी डिसेंट्रलाइज हो जाती हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा के अनुरूप जितना डिसेंट्रलाइजेशन होगा। उतना ही अच्छी तरह से हम इन्वेस्टर्स को सर्विस दे पाएंगे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने बताया कि प्रदेश सरकार का यह एक्ट बनाने का मकसद बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन बनाना और उन्हें कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ने वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए आवश्यक है कि हमें बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन बनाने होंगे। उन्होंने बताया कि अभी हमने एक्ट में इन्वेस्टमेंट के लिए लैंड की मिनिमम लिमिट निर्धारित नहीं की है, लेकिन जैसे हमने बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की स्थापना की है, जिसके लिए 5 हजार हेक्टेयर का एरिया रखा है उसी तरह स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन में भी बड़ा एरिया रखा जाएगा। उन्होंने ये भी बताया कि प्रस्ताव के अनुसार उत्तर प्रदेश में कम से कम चार ऐसे स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन बनाए जाएंगे, जो प्रदेश के चारों भौगोलिक क्षेत्रों में होंगे। उन्होंने बताया कि हमारे पास लैंड बैंक की उपलब्धता काफी है, लेकिन यदि आवंटन के लिए लैंड बैंक की बात करें तो करीब 20 हजार एकड़ के आसपास लैंड बैंक उपलब्ध है।

एमएसएमई को प्रोत्साहन के लिए बनेंगे मल्टीपरपस हॉल

प्रदेश में औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के क्रम में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन एवं एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन किए जाने को लेकर भी प्रस्ताव को योगी कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जिस तरह से राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम बना है, उसी तरह लखनऊ और वाराणसी में इस प्रकार का बड़ा कंवेंशन सेंटर या मल्टीपरपस हॉल बनाया जाएगा जहां एमएसएमई से जुड़े लोग अपने-अपने उत्पादों का डिस्प्ले कर सकेंगे। इसके माध्यम से न सिर्फ औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि एमएसएमई से जुड़े लोगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से प्रदेश में एमएसएमई के उत्पादन को बहुत बड़ा बूस्ट मिलेगा। मालूम हो कि दिल्ली में निर्मित भारत मंडपम में आईटीपीओ द्वारा उत्कृष्ट कोटि की अवस्थापनात्मक सुविधा स्थापित की गई है, जहां निरंतर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों का आयोजन किया जाता है। अब उत्तर प्रदेश में भी इस तरह के आयोजन संभव हो सकेंगे।

2200 शिक्षकों की मानदेय पर होगी पुनर्नियुक्ति

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2023 में सेवा से हटाए जाने वाले 2200 से ज्यादा शिक्षकों को योगी कैबिनेट ने अस्थायी रूप से अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में मानदेय पर रखे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिसका असर शिक्षण कार्य पर हो रहा है। ऐसी स्थिति में शैक्षणिक कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 2023 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेवा से मुक्त किए गए 2200 से ज्यादा शिक्षकों को अस्थायी तौर पर 25 हजार और 30 हजार रुपए के मानदेय पर पुनर्नियुक्ति का अवसर दिया जा रहा है। जो शिक्षक कक्षा 9 और 10 में पढ़ाएंगे उन्हें 25 हजार और जो लोग कक्षा 11-12 में पढ़ाएंगे उन्हें 30 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे।

स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी चूकने के बाद रोनाल्डो ने कहा...मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता हूं

फ्रैंकफर्ट, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

पुर्तगाल ने स्लोवेनिया के खिलाफ राउंड ऑफ़ 16 मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मैच 120 मिनट के खेल के बाद भी गोलरहित बराबरी पर रहा और गोलकीपर डियोगो कोस्टा टीम के हीरो साबित हुए क्योंकि गोलकीपर ने शूट आउट में तीन पेनल्टी बचाई।

इस जीत के बावजूद सारा ध्यान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर केंद्रित हो गया है जो मैच के 105 वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए थे और अपनी टीम को निर्धारित समय में जीत नहीं दिला पाए थे।

रोनाल्डो ने खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, बेशक, यह मेरा आखिरी यूरो होगा। लेकिन मैं इससे प्रभावित नहीं हूं, मैं उत्साह से प्रेरित हूं।

मुझे प्रशंसकों के लिए खेद है। मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, चाहे मैं इसे मिस करूं या नहीं। और मैं यह पूरी जिंदगी करूंगा। आपको जिम्मेदारी लेनी होगी।

पेनल्टी चूकने के बाद रोनाल्डो को रोते हुए देखा गया, जिससे दुनिया भर के कई फुटबॉल प्रशंसकों का दिल टूट गया। पांच बार के बैलन डीओर विजेता ने बाद में शूटआउट के दौरान पेनल्टी पर गोल करके अपनी निराशा को मुस्कान में बदल दिया।

यूरो के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर ने कहा, मैं राष्ट्रीय टीम को फायदा दे सकता था, लेकिन मैं इसे प्रबंधित नहीं कर सका, ओब्लाक ने बचा लिया।

मैं वर्ष के दौरान एक बार भी नहीं चूका, जब मुझे इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी तो ओब्लाक ने बचाया। यह एक ही समय पर दुख और खुशी की भावना थी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात प्रगति है, टीम इसकी हकदार थी।

पुर्तगाल की जीत ने यूरोपीय चैम्पियनशिप में एक ब्लॉकबस्टर ब्रैकेट स्थापित कर दिया है। 2016 के विजेता टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस से भिड़ेंगे और मैच के विजेता का सामना स्पेन और जर्मनी के बीच मैच के विजेता से होगा।

रोनाल्डो ने निष्कर्ष निकाला, स्लोवेनिया ने लगभग पूरा समय बचाव में बिताया, टीम बधाई की पात्र है, विशेषकर हमारे गोलकीपर जिन्होंने तीन अच्छे बचाव किए। यहां तक कि सबसे मजबूत लोगों के भी अपने दिन होते हैं, मैं हतोत्साहित था और मैं दुखी था क्योंकि टीम को मेरी जरूरत थी।

न्यूज़ ब्रीफ

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत, मेदवेदेव भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे

लंदन । तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे। विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। मेदवेदेव और रूड भी आगे बढ़े पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया। सक्कारी की आसान जीत मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इटली की इस खिलाड़ी ने सारा सोरिब्स टोर्मो को 7-5, 6-3 से हराया। सबालेंका विंबलडन से हटीं तीसरी वरीयता प्राप्त अरिना सबालेंका कंधे में चोट के कारण विंबलडन से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के शुरुआती दिन पहले दौर में अमेरिका की एमिना बेक्टास से खेलना था। सबालेंका ने एक सप्ताह पहले कंधे में दर्द का हवाला देते हुए बर्लिन लेडीज ओपन के क्वार्टर फाइनल के पहले सेट से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी मांसपेशियों में चोट है और यह उनके लिए बहुत निराशाजनक है।

अब आरसीबी में कोच की भूमिका निभाएंगे कार्तिक

बेंगलुरु । पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अब बल्लेबाजी कोच और मेंटर की भूमिका में नजर आयेंगे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कार्तिक को अपना नया बल्लेबाजी कोच और मेंटर बनाया है। कार्तिक ने साल 2015 और 2016 में पहली बार आरसीबी की ओर से खेला था। आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा कि कार्तिक एक शानदार क्रिकेटर रहे हैं और अब वह कोचिंग में भी यही कौशल दिखाएंगे। बोबट ने गया, एक खिलाड़ी के रूप में उनका लंबा करियर और ट्रैक रिकॉर्ड उनके कौशल और समर्पण को साबित करता है। मुझे भरोसा है कि वह कोच के तौर पर भी वही गुणवत्ता और प्रतिबद्धता लाएंगे। कार्तिक ने सान 2004 में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला था। उनके पास दो दशकों से अधिक का बल्लेबाजी अनुभव है।

टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी । भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए अगले माह अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा।

7 महीने में लूजर से चैंपियन बना भारत : कप्तान-कोच को एक्सटेंशन आईपीएल को तवज्जो नहीं, रिंकू बाहर, 4 स्पिनर्स पर खेला दांव

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल हरा दिया। 10 लगातार जीत के बाद फाइनल में मिली दर्दनाक हार को कप्तान रोहित शर्मा सहन नहीं कर सके। वह मैच खत्म होते ही ड्रेसिंग रूम गए और फूट-फूट कर रोने लगे। रोहित ही नहीं, बाकी खिलाड़ी और भारतीय फैन्स भी इस सदमे को झेल नहीं सके और गहरे दुख में डूब गए। इस हार के 222 दिन बाद भारत एक और वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा। इस बार टी-20 फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में भारत का सामना साउथ अफ्रीका से था। 29 जून, 2024 को हुए रोमांचक फाइनल में भारत ने दूसरी पारी के 16वें ओवर से जो कमबैक किया, वह इतिहास बन गया। साउथ अफ्रीका को 30 बॉल पर 30 रन चाहिए थे, उनके 6 विकेट बाकी थे। टीम इंडिया ने यहां से कमबैक कर 7 रन से फाइनल जीता और 7 महीने पहले ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के जख्म पर आईसीसी ट्रॉफी का सुखद मरहम लगा दिया। देश 29 जून की रात जश्न में डूब गया, इंडियन प्लेयर खुश, सपोर्ट स्टाफ खुश, हर भारतीय खुश, देश में दिवाली जैसा माहौल छा गया। ये हुआ कैसे, ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत ने इतना बड़ा कमबैक किया कैसे 7 मैच में फ्लॉप रहे कोहली प्लेयर ऑफ द फाइनल कैसे बने आउट ऑफ फॉर्म हार्दिक इतने अहम खिलाड़ी कैसे हो गए

19 नवंबर 2023: ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल हराया – ग्रुप स्टेज में 9 मैच जीतकर भारत ने वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम न्यूजीलैंड पर भी भारी पड़ी और 70 रन से मैच जीता। भारत ने 5 मैच पहले बैटिंग और 5 पहले बॉलिंग करते हुए जीते, यानी दोनों ही डिपार्टमेंट में बराबरी की परफॉर्मेंस। कंगारू कप्तान पैट कमिंस ने मैच से पहले कहा कि 110 करोड़ भारतीय फैन्स को चुप कराने से अच्छा कुछ भी नहीं हो सकता। भारत पहले बैटिंग करते हुए 240 रन ही बना सका और ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। लगातार 10 जीत के बाद मिली हार से टीम का हर खिलाड़ी, हर फैन निराश हो गया। निराशा लाजमी भी थी, भारत ने 10 साल में 5वां आईसीसी फाइनल जो गंवाया था। इस हार ने फैन्स को इतना निराश किया कि टूर्नामेंट के बाद ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया से हुई 5 मैचों की टी-20 सीरीज किसी को याद ही नहीं। भारत इसमें 4-1 से जीता, लेकिन किसी को नतीजे से फर्क नहीं पड़ा। फाइनल हारने का दुख इतना गहरा जो था।

29 नवंबर 2023: राहुल द्रविड़ कोच रहेंगे या नहीं – वनडे वर्ल्ड कप के साथ राहुल द्रविड़ का टीम इंडिया के साथ कोचिंग पीरियड भी खत्म हो गया। फाइनल हार के बाद बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और सीनियर प्लेयर्स के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग में 2 मुद्दे रखे गए, पहला द्रविड़ कोच रहेंगे या नहीं, दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप में रोहित कप्तानी करेंगे या कोई और। 29 नवंबर को बीसीसीआई ने फैसला लिया और राहुल द्रविड़ का कोचिंग पीरियड टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया। रोहित कप्तान होंगे या नहीं, इस पर बीसीसीआई ने कुछ नहीं कहा।

1 दिसंबर 2023: कोहली को रखना है या नहीं – साउथ अफ्रीका में तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए टीम चुनी गई, सूर्यकुमार यादव को टी-20 और केएल राहुल को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को व्हाइट बॉल से सीरीज आराम मिला और दोनों को टेस्ट टीम में जगह मिली। इस दौरान खबरें चलने लगीं कि कोहली को टी-20 टीम से बाहर किया गया है। वेस्टइंडीज में धीमी पिच मिलेंगी, जहां कोहली को रन बनाने में परेशानी होगी। इस कारण उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी जगह नहीं मिलेगी। 10 दिसंबर को साउथ अफ्रीका दौरा शुरू हुआ, कोहली ने 2 टेस्ट में भारत से सबसे ज्यादा 172 रन बनाए और सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराने में अहम योगदान दिया।

7 जनवरी, 2024: कोहली तो वर्ल्ड कप खेलेंगे ही – साउथ अफ्रीका दौरा 7 जनवरी 2024 को खत्म हुआ, इसी दिन अफगानिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित हुई। यह वर्ल्ड कप से पहले भारत की आखिरी टी-20 सीरीज थी। रोहित शर्मा कप्तान बनाए गए, कोहली को जगह मिली, वहीं हार्दिक को आराम दिया गया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ टीम सिलेक्शन से ही बीसीसीआई कमेटी ने सहमति बनाई कि कोहली वर्ल्ड कप खेलेंगे। बड़े टूर्नामेंट को देखते हुए उनका टीम में रहना बेहद ज्यादा जरूरी है।

14 जनवरी 2024: विराट ने 14 महीने बाद टी-20 खेला – विराट ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी-20 नहीं खेला, वह बाकी 2 टी-20 में नंबर-3 पर उतरे। उन्होंने एक मैच में 29 रन बनाए, लेकिन दूसरे में खाता नहीं खोल सके। कोहली पूरे 14 महीने बाद भारत के लिए टी-20 खेलने उतरे थे, इससे पहले उन्होंने 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के रूप में आखिरी टी-20 खेला था। कोहली सीरीज में नंबर-3 पर उतरे, लेकिन यहीं मैनेजमेंट ने तय कर लिया कि कोहली वर्ल्ड कप में ओपनिंग करेंगे।

14 फरवरी 2024: बारबाडोस में तिरंगा गाड़ेंगे रोहित – जनवरी में भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज शुरू हुई। 15 फरवरी को राजकोट में तीसरा टेस्ट खेला जाना था, इससे पहले 14 फरवरी को स्टेडियम का नाम बदलकर निरंजन शाह स्टेडियम किया गया। यहां बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कन्फर्म किया कि रोहित शर्मा ही टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी करेंगे। उन्होंने कहा, हर कोई विश्व कप पर मेरे बयान का इंतजार कर रहा है। 2023 में भारत लगातार 10 मैच जीतकर विश्व कप नहीं जीत सका, लेकिन हमने दिल जीत लिया। मैं आज यहां आप सब से वादा करता हूं की 29 जून 2024 को रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत वर्ल्ड कप जीतेगा और रोहित बारबाडोस में देश का झंडा गाड़ेंगे।

15 अप्रैल 2024: हार्दिक पंड्या चाहिए या नहीं – इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज 4-1 से जीतने के बाद 22 मार्च से आईपीएल शुरू हो चुका था। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में रोहित मुंबई इंडियंस के लिए बतौर प्लेयर खेल रहे थे। दोनों ही प्लेयर परफॉर्म नहीं कर पा रहे थे, ऐसे में खबरें चलनी लगीं कि हार्दिक को टीम इंडिया से बाहर किया जा सकता था। रोहित भी आउट ऑफ फॉर्म थे, इस कारण स्व्ह लगातार हार रही थी।

28 अप्रैल 2024: टीम सिलेक्शन में 2 दिन बाकी – टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम भेजने की आखिरी तारीख आईसीसी ने 30 अप्रैल रखी थी। 28 अप्रैल तक ज्यादातर एक्सपर्ट्स ने अपनी टीम बताई। सभी में एक बात कॉमन रही कि रिंकू सिंह को मौका मिलेगा और टीम 3 स्पिनर्स के साथ जाएगी। कुछ ने तो हार्दिक और कोहली को स्क्वॉड से बाहर तक कर दिया था।

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला लिरेन का सामना करेंगे गुकेश

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिडे ने विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी। यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है। फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर किया था क्वालिफाई भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट विश्व चैंपियन के लिए चुनौती तय करने के लिए आयोजित किया जाता है और इस तरह गुकेश का लिरेन से मुकाबला तय हुआ था।

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला, इस अहम टूर्नामेंट में नहीं लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पोरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है।

पावो नूरमी खेल से शुरू की थी तैयारी

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे।

पैर को मजबूत बनाने पर देंगे ध्यान

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है।

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में दिखेंगे युवराज रैना, आफरीदी और गेल सहित बड़े सितारे

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

युवराज सिंह, सुरेश रैना, शाहिद आफरीदी, केविन पीटरसन, यूनिस खान, क्रिस गेल सहित क्रिकेट के बड़े सितारे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स के पहले संस्करण में एक बार फिर मैदान में दिखाई देंगे। टूर्नामेंट 3 से 13 जुलाई तक इंग्लैंड के बर्मिंघम में एजबस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड वे छह टीमें हैं जो इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी, और शीर्ष चार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा। भारत का पहला मैच 3 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा, जो टूर्नामेंट का शुरुआती मैच भी है, जबकि भारत-पाकिस्तान का बड़ा मुकाबला 6 जुलाई को होना है।

पूरी टीमें और कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

भारतीय टीम: युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, अनुरीत सिंह, पवन नेगी

ऑस्ट्रेलिया टीम: ब्रेट ली, टिम पेन, शॉन मार्श, बेन कटिंग, बेन डंक, डर्क नैनेस, डैन क्रिश्चियन, बेन लाफलिन, आरोन फिंच, जॉन हेस्टिंग, ब्रैड हैडिन, कैलम फर्ग्यूसन, पीटर सिडल, जेवियर डोहर्टी, नाथन कूल्टर-नाइल

दक्षिण अफ्रीका टीम: जैक्स कैलिस, इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, मखाया एंटिनी, डेल स्टेन, एश्वेल प्रिंस, नील मैकेंजी, रयान मैकलॉरेन , जस्टिन ओनटोंग, रोरी क्लाइंडफ्लेट, जेपी डुमिनी, रिचर्ड लेवी, डेन विलास, वेर्नोन फिलेंडर, चार्ल लैंगवेल्ट

वेस्टइंडीज टीम: क्रिस गेल, डेरेन सैमी, सैमुअल बद्री, टीनो बेस्ट, रयाद रयान एमरिट, जेसन मोहम्मद, नवीन स्टीवर्ट, एश्ले नर्स, ड्वेन स्मिथ, सुलेमान बेन, चैडविक वाल्टन, जेरोम टेलर, फिडेल एडवर्ड्स, कर्क एडवर्ड्स, जोनाथन कार्टर

पाकिस्तान टीम: शरजील खान, उमर अकमल, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक, शाहिद आफरीदी, अब्दुल रज्जाक, वहाब रियाज, सोहेल तनवीर, सोहेल खान, अब्दुल रहमान, आमिर यामीन, तौफीक उमर, शोएब मकसूद, यासिर अराफात, तनवीर अहमद

वेस्टइंडीज टीम: क्रिस गेल, डेरेन सैमी, सैमुअल बद्री, टीनो बेस्ट, रयाद रयान एमरिट, जेसन मोहम्मद, नवीन स्टीवर्ट, एश्ले नर्स, ड्वेन स्मिथ, सुलेमान बेन, चैडविक वाल्टन, जेरोम टेलर, फिडेल एडवर्ड्स, कर्क एडवर्ड्स, जोनाथन कार्टर।

पहलवान बजरंग पूनिया ने नाडा पर किया पलटवार, लगाया ये बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर कड़ा पलटवार करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। नाडा ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने नहीं देने पर 23 अप्रैल को बजरंग को निलंबित कर दिया था। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गई थी, लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था।

अब टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान ने आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण नाडा उनके करियर को खत्म करना चाहता है। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें नोटिस जारी किया और उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।

नाडा मुझे निशाना बना रहा

बजरंग ने एक्स पर लिखा, यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।

यह नाडा द्वारा एक ही मामले में पहले निलंबन को निरस्त करने के बाद लगातार 2 महीनों में दूसरे निलंबन से संबंधित है। नाडा ने उन्हें दिए गए सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया और मुझे फिर से निलंबित कर दिया। यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते ।

बजरंग ने कहा कि इस मामले में वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यही है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर अपना जवाब दाखिल करेंगे। बजरंग को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

संपादकीय

अजेय विश्व विजेता

वाह शाबाश, कमाल और करिश्मा... ! क्रिकेट की टीम इंडिया के लिए और कितने शब्दों का इस्तेमाल करें। टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है। यह बात कप्तान रोहित शर्मा ने कही है। इस बार दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हरा कर विश्व विजयी तिरंगा लहराया है, तो टीम इंडिया पराजय के जबड़े से 'अतुलनीय जीत' छीन कर लाई है। बेशक यह संकरी और रोमांचक जीत रही है। सबसे अद्भुत उपलब्धि तो यह है कि भारत के क्रिकेटर पूरे विश्व कप में 'अजेय' रहकर विश्व विजेता बने हैं। यह रोहित शर्मा के 257 रनों, सूर्यकुमार यादव के 199 विस्फोटक रनों, फाइनल मैच में मास्टर विराट कोहली के 59 गेंदों पर 76 रन और अक्षर पटेल की 31 गेंदों पर 47 रनों की छक्केदार पारी के साथ-साथ बुमराह की 15, अर्शदीप सिंह की 17, हार्दिक पंड्या की 11 और कुलदीप यादव की 10 विकेटों की सामूहिक जीत है। बेशक ऋषभ पंत के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। टीम इंडिया का गठन ऐसा है कि बोर्ड और चयनकर्ताओं ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। टीम को शिद्दत से खेलने दिया गया। 2023 में एकदिनी क्रिकेट के विश्व कप का फाइनल हारने के बावजूद रोहित शर्मा की कप्तानी पर भरोसा किया गया।

> टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है।

बहरहाल टीम इंडिया ऐसी इकलौती टीम है, जिसने एकदिनी विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी 2-2 बार जीते हैं। नतीजतन टीम इंडिया टी-20 की भी विश्व में 'नंबर वन' टीम है। एक दौर था, जब हम ऐसी 'सर्वोच्चता' की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। आज से 13 साल पहले 2011 में टीम इंडिया ने दूसरी बार एकदिनी क्रिकेट का विश्व खिताब जीता था। अब भारत में कपिलदेव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा सरीखे विश्व विजेता कप्तान हैं। अब नई, युवा पीढ़ी इस करिश्माई उपलब्धि का सिलसिला बरकरार रखेगी। चूंकि विश्व विजयी होने के तुरंत बाद विराट कोहली ने 'अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट' से संन्यास की घोषणा कर दी है और 2026 के अगले टी-20 विश्व कप तक रोहित शर्मा की उम्र भी 39 साल हो जाएगी, लिहाजा नए नेतृत्व को ढूंढने और तराशने की अहम दरकार है। भारत की बल्लेबाजी विख्यात रही है। विराट नहीं चले, तो रोहित के छक्कों ने धुएं उड़ा दिए। अब गेंदबाजी का खौफ भी फैलने लगा है। बुमराह की स्विंग का तोड़ विरोधी टीमें नहीं निकाल पा रही हैं। अर्शदीप ऐसा गेंदबाज उभरा है, जिसकी सटीक गति ने विरोधी पक्ष के पसीने छुड़ा रखे हैं। कुलदीप और अक्षर की घूमती गेंदें एक रहस्य लगती हैं। इसी विश्व कप के दौरान टीम इंडिया ने गत चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को पटखनी दी है, उसे समूचे विश्व के क्रिकेट प्रेमियों ने देखा होगा और सराहा भी होगा। विश्व चैंपियन बनने की 'गुरु दक्षिणा' मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दी गई है, क्योंकि इसी प्रतियोगिता के साथ उनका दौर भी समाप्त हो गया है। संभवतः गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। कोहली को विदाई की सौगात भी मिली है और वह 'प्लेयर ऑफ दि मैच' भी चुने गए हैं। 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' का सम्मान बुमराह को दिया गया है। अब भारत लौटने पर टीम का 'नायकीय स्वागत' किया जाएगा। देश की अपेक्षा और उम्मीद रहेगी कि टीम अंतिम दौर में तनाव और दबाव के कारण फिसलना कम करे। इसका भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। खिलाड़ी अपने खेल में निरंतरता कायम रखने की कोशिश करें। बहरहाल सभी को ढेरों बधाइयां।

आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला

अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी भारतीय

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थीं, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब एक करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। निःसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा, अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपुन, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन, एडोब के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा, स्टारबक्स के लक्ष्मण नरसिम्हन, वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स के रेशमा केवलरमानी, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मेहरोत्रा, कैडेंस डिजाइन सिस्टम के अनिरुद्ध देवगन, पालो अल्टो नेटवर्क के निकेश अरोड़ा, वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम, इमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरेंद्रलाल करसनभाई, माइक्रोचिप प्रौद्योगिकी के गणेश मूर्ति आदि अपनी प्रतिभाएं कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में प्रवासी भारतीयों की भी अहम भूमिका रही है। प्रवासियों का यह भी कहना है कि नई गठबंधन सरकार से दुनिया के कोने-कोने से भारतीय प्रवासियों को और अधिक सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इजराइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने ऑपरेशन अजय चलाया है, साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब ऑपरेशन गंगा के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इस वर्ष जून 2024 में कुवैत में अग्निकांड में 45 प्रवासी भारतीयों की मौत के बाद कुवैत में प्रवासी भारतीयों की सहायता के मद्देनजर नई गठबंधन सरकार ने अहम भूमिका निभाई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अभी भारत के द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्दों को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है।

> पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53 .48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68 .19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83 .15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 83 .57 अरब डॉलर था।

दृष्टि कोण

चांदी के दाम ऑल टाइम हाई, फिर भी बढ़ रही है मांग, एक साल में जबरदस्त इजाफा

बीते कुछ महीनों में गर्मी की तरह ही चांदी ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह 92,873 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई और भारत में ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बना दिया। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में बुलियन बाजार में चांदी की इसी तरह से चांदी चलती रहेगी। वैसे बीते चार दशकों के दौरान इसके दाम 26 गुना से भी ज्यादा बढ़ चुके हैं। गौरतलब है कि उद्योगों-खासकर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों, सोलर पावर के सोलर पैनल्स और 5-जी टेक्नोलॉजी में चांदी की खपत ज्यादा हो रही है। इससे चांदी की सालाना मांग में सात से आठ फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। इस तरह मांग बढ़ने से इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। मांग की तुलना में चांदी की खनन गतिविधियां लगभग स्थिर हैं, बल्कि इसमें आंशिक गिरावट भी आई है। 2015 में जहां चांदी का वैश्विक खनन 89.7 करोड़ आउंस (एक आउंस यानी 28.34 ग्राम के बराबर) हुआ था। वहीं, 2023 में यह गिरकर 82.4 करोड़ आउंस रह गया। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अब कई लोग, खासकर माध्यम वर्ग आभूषणों के लिए चांदी की तरफ देख रहे हैं। वस्तुतः पिछले दो दशक में उद्योगों और प्रौद्योगिकी में चांदी की उपयोगिता बढ़ी है। 'इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी' की हालिया रिपोर्ट कहती है कि पिछले एक साल में सोलर पावर में इस्तेमाल होने वाले फोटोवोल्टेइक पैनल्स में निवेश एक साल पहले की तुलना में दोगुना होकर 80 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। फोटोवोल्टेइक पैनल्स में चांदी का काफी इस्तेमाल होता है। साल 2024 में ही चांदी की वैश्विक मांग में 1.2 अरब आउंस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। लिहाजा, चांदी की कीमतों के भी लगातार ऊंचे होते चले जाने की संभावना है। दरअसल, चांदी दुनिया की सबसे बढ़िया सुचालक धातु है। इसलिए

सोलर पैनल्स पर चांदी का पेस्ट किया जाता है। जब सूरज का प्रकाश उसके पैनल्स पर गिरता (स्ट्राइक) है, तब सिलिकॉन के इलेक्ट्रॉन मुक्त होते हैं और चांदी विद्युत को तुरंत गतिशील कर देती है। आज भी सिनेमा को सिल्वर स्क्रीन कहकर संबोधित किया जाता है। दरअसल सिनेमा की शुरुआत में फिल्में प्रोजेक्टर के जरिये दिखाई जाती थीं। इसके लिए जिस परदे पर तस्वीर प्रोजेक्ट की जानी होती थी, उसका चमकदार होना जरूरी था, ताकि परावर्तन (रिफ्लेक्शन) बढ़ने से तस्वीरों की गुणवत्ता बढ़ सके। परदे को ज्यादा चमकदार बनाने के लिए तब स्क्रीन को 'मैटेलिक सिल्वर' से 'कोट' किया जाता था। उसी से यह शब्द उत्पन्न हुआ और आज भी अक्सर इसका इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, चांदी सबसे ज्यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करने वाली धातु है। भारत में चांदी का 50.7 प्रतिशत इस्तेमाल उद्योगों में, 17.8 प्रतिशत आभूषणों में, 24.5 प्रतिशत कॉइन्स-बार्स निवेश में, 2.8 प्रतिशत फोटोग्राफी में और 4.2 प्रतिशत चांदी के बर्तनों में उपयोग किया जाता है। चार मई, 1989 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने शुक्र ग्रह की सतह की 'मैपिंग' के लिए 'मैगलेन' स्पेस क्राफ्ट लॉन्च किया था। चूंकि चांदी में प्रकाश की किरणों को परावर्तित करने की क्षमता सबसे ज्यादा होती है। इसके मद्देनजर इसे घातक सौर विकिरण से बचाने के लिए इस पर 'सिल्वर कोटेड क्वाटर्स टाइल्स' लगाई गई थीं। इसके बाद से सभी स्पेस क्राफ्ट के ऊपर सिल्वर की कोटिंग की जाने लगी है। इससे स्पेस क्राफ्ट के तापमान को कम करने में मदद मिलती है। दुनिया में छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 757 सक्रिय चांदी की खदानें हैं। इनमें से भारत में केवल छह हैं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, चांदी के उत्पादन में सबसे ऊपर मेक्सिको है, जो कि 6,400 टन चांदी का उत्पादन करता है, जो कुल वैश्विक चांदी उत्पादन का 21 फीसदी है। इसके बाद क्रमशः चीन, पेरू, चिली और फिर पोलैंड का स्थान आता है। चीन चांदी का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। यह कुल उत्पादित चांदी का 18 प्रतिशत हिस्सा इस्तेमाल करता है। तो वहीं 'इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे ज्यादा 43 टन चांदी का उत्पादन राजस्थान करता है।

कुछ अलग

आलसी पीढ़ी

प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। यहां शारीरिक श्रम से अभिप्राय सप्ताह में मध्यम गति की ढाई घंटे की शारीरिक गतिविधि या सवा घंटे की तीव्र गति वाली शारीरिक सक्रियता से है। शारीरिक सक्रियता को पैदल चलने, व्यायाम, सैर, योग, दौड़, जिम या तैराकी आदि के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहां पचास फीसदी वयस्क भारतीय शारीरिक श्रम से दूर हैं तो महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण के चलते उपभोक्तावाद का विस्तार हुआ है, हमारी शारीरिक निष्क्रियता में इजाफा हुआ है। हम आरामदायक जीवन-शैली के आदी होते गये हैं। आशंका है कि वर्ष 2000 में भारतीयों में जो शारीरिक निष्क्रियता 22 फीसदी थी, वह वर्ष 2030 तक बढ़कर साठ फीसदी तक हो सकती है। यानी देश की साठ फीसदी आबादी गैर-संचारी रोगों मसलन डायबिटीज और हृदय रोगों के खतरे के दायरे में आ जाएगी। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीयों में अनुवांशिक रूप से मधुमेह व हृदय रोग होने की आशंका अन्यों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। जिसका निष्कर्ष है कि शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहने से हम इन बीमारियों को और जल्द आमंत्रित कर रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि जहां दुनिया में औसत शारीरिक निष्क्रियता पांच फीसदी बढ़कर 31 फीसदी हुई है, वहीं भारत में बढ़कर पचास फीसदी हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। जहां तक महिलाओं की शारीरिक निष्क्रियता का प्रतिशत पुरुषों से अधिक यानी 57 फीसदी होने का प्रश्न है, तो उसके मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में धारणा है कि घर का काम-काज ही शारीरिक सक्रियता का मापदंड है। जबकि यह समस्या की व्यावहारिक व्याख्या नहीं है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। भले ही हम अपेक्षित लक्ष्य हासिल न कर पाए हों, औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है। आर्थिक समृद्धि ने हमें सुविधाभोगी बनाया है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े कार्यों में सक्रिय थी। मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं थी। लेकिन धीरे-धीरे कृषि में भी आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। किसान संस्कृति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। नौ से पांच की ड्यूटी करने वाले भी दफ्तर व घर के होकर रह गये। कहीं न कहीं सुविधाओं के विस्तार ने भी हमें आलसी बनाया। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। विडंबना यह है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रसार और उसके बाद सोशल मीडिया की जकड़ में आने के बाद लोग देर रात सोने व देर से उठने के फेर में फंस गये हैं।

देश दुनिया से

नालंदा की गौरव गाथा ऐसे ही अमिट नहीं बनी, उसके पीछे है विद्या का केंद्र बनाने की अद्भुत इच्छा

> अशोक के काल के पूर्व यहां पर सारिपुत्र की स्मृति में एक स्तूप बनवाया गया था। फाह्यान के समय तक विद्या के केंद्र के रूप में नालंदा की कोई ख्याति नहीं थी। फाह्यान के लगभग तीन शताब्दियों के बाद जब ह्वेनसांग नालंद आया, उस समय यहां पर एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति का विद्या केंद्र था। ह्वेन सांग के अनुसार, इस विद्या केंद्र की स्थापना शक्रादित्य नामक नरेश द्वारा की गई थी। 'शक्र' शब्द इंद्र का पर्याय है तथा मुद्रा साक्ष्य के अनुसार महेंद्रादित्य कुमारगुप्त प्रथम से उसका एका संभाव्य है। इस आधार पर नालंद विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम द्वारा किया जाना स्थापित होता है।

नालंदा के विद्या केंद्र को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय नगर की संज्ञा प्रदान करें, तो संभवतः इसमें कोई अत्युक्ति नहीं होगी। ह्वेनसांग के विवरण में इसके नाम की व्युत्पत्ति के विषय में एक उल्लेख मिलता है, जो बौद्ध परंपराओं पर आधारित है। इसके अनुसार, गौतम बुद्ध अपने एक पूर्व जन्म में इस क्षेत्र के सम्राट थे। उनकी ख्याति चतुर्दिक अथक दानी (न-अलम-दा, अर्थात दान देने से न संतुष्ट होने वाले) के रूप में थी। इस कारण यह स्थान नालंद के नाम से प्रख्यात हुआ। मज्झिम निकाय (1.377) के अनुसार, यह राजगृह के पास एक छोटा-सा ग्राम था। जैन ग्रंथों में यह राजगृह के सीमांत क्षेत्र के रूप में वर्णित है। यहां पर महावीर ने 14 वर्ष व्यतीत किए थे। अशोक के काल के पूर्व यहां पर सारिपुत्र की स्मृति में एक स्तूप बनवाया गया था। फाह्यान के समय तक विद्या के केंद्र के रूप में नालंद की कोई ख्याति नहीं थी। फाह्यान के लगभग तीन शताब्दियों के बाद जब ह्वेनसांग नालंद आया, उस समय यहां पर एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति का विद्या केंद्र था। ह्वेन सांग के अनुसार, इस विद्या केंद्र की स्थापना शक्रादित्य नामक नरेश द्वारा की गई थी। 'शक्र' शब्द इंद्र का पर्याय है तथा मुद्रा साक्ष्य के अनुसार महेंद्रादित्य कुमारगुप्त प्रथम से उसका एका संभाव्य है। इस आधार पर नालंद विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम द्वारा किया जाना स्थापित होता है। शक्रादित्य के बाद बुद्धगुप्त, तथागतगुप्त, बालादित्य वज्र तथा हर्षादि ने नालंद में भवन आदि का निर्माण करवाया तथा विद्या केंद्र को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। हर्ष ने यहां पर पीतल का एक विहार तथा उसके चारों ओर एक दीवार बनवाने के साथ ही एक संघाराम का भी निर्माण किया, जिसमें 40 भिक्षुओं के भोजन की व्यवस्था की गई थी। ह्वेनसांग लिखता है कि उसके आगमन पर शक्रादित्य द्वारा निर्मित विहार जीर्णावस्था को प्राप्त हो चुका था। लेकिन नालंद महाविहार के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े हमें कई ताम्रलेख प्राप्त हैं, जिनमें से कुछ का प्रकाशन हीरानंद आदि विद्वानों ने एपीग्राफिया इंडिका के वॉल्यूम 20 और 21 में नालंद ऐंड इट्स एपीग्रैफिक मैटेरियल्स शीर्षक से प्रकाशित किया है। उनमें से एक के अनुसार, वहां कई विहार एक ही पंक्ति में थे, जिनके शिखर गगनचुंबी थे।

यस्याम्बुधरावलेहिशिखरश्रेणी विहारावली।

मालेवोधर्वविराजिनी विरचिता धात्रा मनोज्ञा भुवः।।

इत्सिंग भी पुष्टि करता है कि वहां के भवन बादलों को छूते हुए से लगते थे। नालंद के विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन, वस्त्र के साथ शिक्षा दी जाती थी। ह्वेनसांग इस महाविहार को भारतीय राजाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए लिखता है कि इसे दो सौ गांव आर्थिक सहायता के लिए प्रदान किए गए थे। विश्वविद्यालय की अपनी निजी मुद्रा थी, जिस पर 'श्री नालंदा महाविहार-आर्य-भिक्षु-संघस्य' लेख उत्कीर्ण है। इस विश्वविद्यालय से देश-विदेश के कई अन्य विद्यालय भी संबद्ध थे और उनकी अलग-अलग मुद्राएं थीं। हर्ष के बाद भी कतिपय भारतीय नरेशों ने इस विद्या केंद्र को आर्थिक सहायता प्रदान की थी। यशोवर्मदेव नाम के सम्राट के एक मंत्री ने नालंद को इतना अधिक दान दिया था, जिससे इसके भिक्षुओं को कई वर्षों तक प्रतिदिन भोजन दिया जा सकता था। बंगाल के पाल नरेशों ने भी नालंद के इस विद्या केंद्र में रुचि ली थी। देवपाल के एक शिलालेख में विदेशी राजा द्वारा अपने राजदूत के माध्यम से इस विश्वविद्यालय के लिए अनुदान का संदर्भ प्राप्त होता है। राजाओं के अनुदान तथा जनसहभागिता के साथ-साथ यह विश्वविद्यालय खेती एवं गो-पालन के द्वारा स्वयं भी अन्न तथा दूध का उत्पादन करता था। इस विद्या केंद्र को लब्धप्रतिष्ठित विद्वान सुशोभित करते थे। ह्वेनसांग ने अपने समकालीन नालंद के आचार्यों का उल्लेख किया है। इस समय शीलभद्र इस केंद्र के कुलपति थे, जो इस चीनी यात्री के आचार्य रह चुके थे। ह्वेनसांग ने धर्मपाल नामक आचार्य का भी उल्लेख किया है, जो शीलभद्र के पहले नालंद के कुलपति रह चुके थे। उन्होंने आचार्य चंद्रगोमिन के व्याकरण पर संस्कृत में 'वर्ण-सुत्र-वृत्ति-नाम' नामक एक व्याकरण टीका लिखी थी। ह्वेनसांग ने अन्य आचार्यों का भी उल्लेख किया है, जिनमें चंद्रपाल, गुणमति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र तथा ज्ञानचंद्र प्रमुख हैं। शिक्षकों में शीलभद्र, नागार्जुन, आर्यदेव, असंग, वसुबंधु और दिङ्नाग जैसे विद्वान आचार्य भी थे। राधाकुमुद मुखर्जी लिखते हैं कि यहां अध्ययन के विषय के दृष्टिकोण से उदारता प्रकट होती है। ब्राह्मण धर्म एवं बौद्ध धर्म के ग्रंथ, धार्मिक और आमुष्मिक विषय, कला व विज्ञान, शिल्प व उद्योग की शिक्षा की व्यवस्था थी। हेतुविद्या (तर्क), शब्द विद्या (व्याकरण), चिकित्सा विद्या (भैषज्य), सांख्य, योग, न्याय और सर्वास्तिवाद, माध्यमिक आदि बौद्ध दर्शनों की शिक्षा का पूर्ण प्रबंध था। ह्वेनसांग के वर्णन से लगता है कि इस विश्वविद्यालय में प्रवेश पाना दुष्कर था।

आप का नजरिया

राज्य के लिए देहरा

एक उपचुनाव ने देहरा को प्रदेश की सियासी वसंत बना दिया और राज्य खुद में देहरा बनता हुआ नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री की पत्नी के चुनाव लडऩे ने बातों-बातों में नादौन को सौ तो देहरा को 101 नंबर दे डाले। यह तकदीर या ऐसा उपचुनाव तो हर विधानसभा क्षेत्र चाहेगा, बल्कि जहां कांग्रेस जीती है वहां भी देहरा सरीखा उपचुनाव हो जाए तो राज्य का बजट भी नाक की सीध में वहां पहुंच जाए। चुनाव प्रचार में देहरा की जलापूर्ति में सुधार तो डाडा सीबा में अस्पताल का नया अवतार दिखाई देने लगा है। दरअसल तीन उपचुनावों का सारा केंद्र यहीं नजर आ रहा है और राजनीतिक भूगोल भी यहीं परिक्रमा कर रहा। ऐसे में भाजपा के लिए जो भी बचा है व सांसद अनुराग ठाकुर के मार्फत शायद नजर आ जाए या लोकसभा चुनाव के नारे वापस लौट आएं। वैसे अनुराग ठाकुर भी कह सकते हैं कि उन्होंने देहरा के लिए क्या नहीं किया। पूरा का पूरा केंद्रीय विश्वविद्यालय यहीं समेट दिया। यह दीगर है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय की दीवार पर एक तरफ अनुराग तो दूसरी तरफ सुखविंदर सुक्खू का भी पोस्टर लगा है। पिछले दिनों धर्मशाला की जनता को कांग्रेस की सरकार जदरांगल के तीस करोड़ दे रही थी, लेकिन देहरा उपचुनाव ने यह हक भी छीन लिया। बहरहाल नादौन से देहरा अब दो विधानसभा क्षेत्र नहीं, हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की अमानत है। ये क्षेत्र सत्ता का घर और नई सियासत का हर पल है, इसलिए यहां की ऊर्जा विपक्ष की बोलती बंद करने को काफी है या नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अब निर्दलीयों के गले में भाजपा की विजय पताका डालने की वजह से सत्ता के गुस्से से रू-ब-रू हैं। यही वजह है कि पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच बिलासपुर गोलीकांड का मर्ज दिखाई नहीं दे रहा। प्रदेश के मसले उपचुनावों ने मसल दिए या अब भाजपा का आत्मबल स्वीकार कर चुका है कि हो न हो निर्दलीयों के इस्तीफों पर उपचुनाव के खूंखार कांटे उग आए हैं। उपचुनावों तक विधानसभा के आदेशों का पहुंचना चकित करता है। अमूमन अपनी संवैधानिक व कानूनी व्यवस्था के कारण अध्यक्ष के संज्ञान प्रतिमान बन जाते हैं, लेकिन उपचुनावों की बेला में जयराम बनाम विधानसभा अध्यक्ष की ताकतें कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहीं। आश्चर्य यह कि इन्हीं उपचुनावों में छह मुख्य संसदीय सचिवों के भविष्य पर जब सवाल टंगे, तो विधानसभा के अधिकार क्षेत्र में भाजपा के नौ विधायकों पर कार्रवाई की घंटियां बजने लगी हैं। यानी छह जमा तीन के युद्ध से भी मौजूदा राजनीति को तसल्ली नहीं जो अब नए छह के आंकड़े को नौ से पस्त करने की घुडक़ी दी जा रही है। अब प्रश्न विधानसभा की मर्यादा के संज्ञान का है तो अध्यक्ष के उसूल और अध्यक्षता के मंच से हम हिमाचल की अस्थिर होती सियासत के नाखून देख सकते हैं। यह अपरिहार्य नहीं, अवांछित मोड़ है और अगर कल इसी पैमाने पर फैसले होने लगे, तो आने वाली राजनीति के हाथ-पांव कभी फूलते रहेंगे, तो कभी बंधक बने नजर आएंगे। ऐसे में उस मतदाता का क्या कसूर जो हर चुनाव या उपचुनाव में अपने अच्छे भविष्य की परिकल्पना कर रहा।

बजट से पहले झटका, सरकार ने छोटी बचत योजना में जमा राशि पर ब्याज दरों में वृद्धि से किया इनकार

मुंबई,02 जुलाई (एजेंसियां) । केंद्र सरकार ने बजट से पहले उन लोगों को झटका दे दिया है, जो केंद्र सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम यानी लघु बचत योजनाओं में राशि जमा कराते हैं। इन लोगों को उम्मीद थी कि केंद्र की नई सरकार, लघु बचत योजनाओं में जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी करेगी। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि पहली जुलाई से 30 सितंबर तक की अवधि के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीपीएफ पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा, तो वहीं सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

स्मॉल सेविंग स्कीम में पैसा जमा कराने वाले लोगों को पहली जुलाई से 30 सितंबर के बीच कितना ब्याज मिलेगा, सरकार ने यह घोषणा कर दी है। इन योजनाओं में पीपीएफ, सुकन्या, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं शामिल हैं। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर पहले की ही तरह 7.1 फीसदी ब्याज मिलता रहेगा। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर जो ब्याज मिलता है, उसकी दरों में बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले सप्ताह ही लघु बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज की दरों की घोषणा की गई है। पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम पर एक जुलाई से 30 सितंबर तक 4.0 फीसदी ब्याज दर रहेगी। अगर एक वर्ष के लिए राशि जमा की गई है, तो ब्याज दर 6.9 फीसदी होगी। दो वर्ष के लिए राशि जमा है, तो ब्याज दर 7.0 फीसदी रहेगी। तीन वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.1 फीसदी होगी। पांच वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.5 फीसदी होगी। पांच साल की आवर्ती जमा राशि पर 6.7 दर से ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिक सेविंग स्कीम पर ब्याज दर 8.2 फीसदी रखी गई है। मंथली इनकम अकाउंट स्कीम के लिए ब्याज दर 7.4 फीसदी होगी। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। पीपीएफ के लिए जमा राशि पर 7.1 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा राशि पर 7.7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। किसान विकास पत्र जैसी योजनाओं पर 7.5 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। इस स्कीम के मेच्योर होने की अवधि 115 महीने रखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

रिलायंस का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली । देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 100 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। तेल से लेकर दूरसंचार तक के कारोबार में सक्रिय रिलायंस इंडस्ट्रीज के पिछले तीन दशकों में चलाए गए मौद्रीकरण चक्रों में शेयरधारकों को दो-तीन गुना मूल्य मिला है। इस दौरान हरेक दशक में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 60 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। आरआईएल इस सदी के अपने चौथे मौद्रीकरण दौर में है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि मौद्रीकरण 4.0 अलग है, इसे कारोबार में तेजी, घरेलू मांग और कम प्रतिस्पर्धा से समर्थन मिल रहा है। वर्ष 1997 के बाद से आरआईएल के चौथे मौद्रीकरण दौर में बाजार पूंजीकरण में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पूंजीकरण में वृद्धि होने की मुख्य वजह रिलायंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि, पूर्ण एकीकरण और कंपनी व्यवसाय को नया स्वरूप देने पर हर बार निवेशकों की अपेक्षाओं से अधिक प्रदर्शन करने की इसकी क्षमता रही है। यह मौद्रीकरण 2021-23 में 60 अरब डॉलर के निवेश के बाद हुआ है, जो आरआईएल के लिए 1990 के दशक के बाद सबसे छोटा निवेश चक्र था। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि रिलांयस इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 के दौरान 12 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें सभी क्षेत्रों से आय में तेजी आएगी। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि नई ऊर्जा, उच्च दूरसंचार शुल्क, रासायनिक कारोबार के मार्जिन जैसे नए राजस्व धाराओं को वितरित किए जाने के बाद इसने महत्वपूर्ण बाजार पूंजीकरण परिवर्तन देखा है।

सोना 71,700 और चांदी 87,850 रुपए

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 30 रुपये की तेजी के साथ 71,684 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 17 रुपये की तेजी के साथ 71,671 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की तेजी के साथ 87,821 रुपये पर खुला। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 87,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,341.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,338.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,337.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉल-इंटरनेट महंगा कर ग्राहक से 15 फीसदी ज्यादा कमाएंगी कंपनियां, प्रति ग्राहक 220 रुपए होगी कमाई

मुंबई । दूरसंचार कंपनियों ने मोबाइल फोन पर बात करना और इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा कर ग्राहकों से अच्छी खासी कमाई करने की योजना बनाई है। रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग ने कहा, अनुमान है कि सभी मोबाइल और डाटा प्लान की कीमतें बढ़ाने से इन कंपनियों को हर ग्राहक से करीब 15 फीसदी ज्यादा कमाई हो सकती है। रेटिंग एजेंसी ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, ढाई साल बाद दूरसंचार कंपनियों ने मोबाइल टैरिफ में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है।इससे इनके कर पूर्व लाभ में 20-22 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है। इससे इन कंपनियों की प्रति ग्राहक कमाई (एआरपीयू) 2024-25 में 15 फीसदी बढ़कर 220 रुपये पहुंच सकती है।2022-23 में यह औसतन 191 रुपये रही थी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को भारत में अपना पार्टनर बन सकती है ये जर्मन कंपनी

मुंबई,02 जुलाई (एजेंसियां) । एक और विदेशी ऑटो कंपनी भारत में हिस्सेदारी बेचने को तैयार है। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन अपने भारतीय कारोबार में हिस्सेदारी स्थानीय पार्टनर को बेचने के लिए बातचीत कर रही है। दरअसल फॉक्सवैगन भारत में अबतक दो अरब डॉलर से अधिक निवेश कर चुकी है, बावजूद इसके बाजार में अपनी पकड़ बनाने में विफल रही है। इसकारण कंपनी अपने भारतीय कारोबार में हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक टॉप अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी कम बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए नई सस्ती कारों को लाने पर काम कर रही है। कंपनी ने अब तक देश में महंगी यूरोपीय गाड़ियों को लांच किया जा है जिन्हें खास सफलता नहीं मिली है।

इतना ही नहीं फॉक्सवैगन ग्रुप ने मांग की है कि देश में हाइब्रिड वाहनों पर टैक्स की दरें कम होनी चाहिए। उसका तर्क है कि सरकार उस समय में लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकती जब मार्केट को पेट्रोल-डीजल इंजन से ग्रीन कारों में बदलाव में समय लग रहा है। स्कोडा ऑटो के ग्लोबल सीईओ क्लॉस जेलमर ने यह बात कही है। वे भारत में फॉक्सवैगन ग्रुप की निवेश और रणनीति के प्रमुख भी हैं। माना जा रहा है कि कंपनी भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा को पार्टनर बना सकती है। इस बारे में जेलमर ने कहा, हम 20 से अधिक वर्षों से भारत में हैं। यह साबित नहीं हुआ है कि हम सही रास्ते पर हैं। इसलिए, आप एक नया रास्ता आजमाते हैं। मुझे विश्वास है कि अगर हमें सही साझेदार मिल जाए, तब हम एक-दूसरे से सीखकर लाभ उठा सकते हैं।

हालांकि जेलमर ने नहीं बताया कि फॉक्सवैगन ग्रुप स्थानीय साझेदार के साथ वार्ता कब तक पूरी कर लेगा। यह पूछने पर कि क्या यह ऐसी साझेदारी होगी जिसमें नए प्लेयर को इक्विटी की पेशकश होगी, उन्होंने कहा, हम एक सच्ची साझेदारी की तलाश कर रहे हैं। यह कुछ हद तक बिना किसी अनुबंध के शादी करने जैसा है। इसका मतलब है इंजीनियरिंग क्षमता, बिक्री क्षमता, खरीद क्षमता तक एक्सेस प्राप्त करना।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय कारें अक्सर ओवर-इंजीनियर्ड वाली होती हैं, जिसकी भारतीय बाजार में जरूरत नहीं हो सकती। अक्सर हम अपनी अपेक्षाओं के अनुसार कारें बनाते हैं जिनकी कीमत ज्यादा होती है। यह ऐसा पहलू है जो हमारी प्रतिस्पर्धी स्थिति को कमजोर करता है। इसलिए, हमें सीखने की जरूरत है और हमें सही जगह के बारे में पता होना चाहिए। हमारी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के साथ मिलकर, यह एक विनिंग कंबिनेशन हो सकता है।

एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक इंडियन मार्केट से हुई गायब, अब नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाने की तैयारी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री बंद कर दी है। भारत में हुंडई कोना कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार थी। इसकी जगह अपनी एक पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वर्जन उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी इंडियन मार्केट में क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को कई बार टेस्टिंग करते देखा गया है। इससे उम्मीद है कि कंपनी इसे जल्द ही लॉन्च कर सकती है। क्रेटा ईवी का काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। कंपनी की ये इलेक्ट्रिक कार मास मार्केट के लिए हिट साबित हो सकती है। इंडियन मार्केट में टाटा कर्व और मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार के आने की भी खबरें हैं। ऐसे में हुंडई को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। मार्केट में लॉन्च होने के बाद क्रेटा ईवी की सबसे बड़ी चुनौती टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 जैसी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ईवीएक्स से भी हो सकता है। अगले साल जनवरी में क्रेटा ईवी लॉन्च हो सकती है, और इसकी कीमत कोना इलेक्ट्रिक से कम होगी। क्रेटा ईवी की एक्सपेक्टेड रेंज 350-400 किलोमीटर के आसपास होने की उम्मीद है। हालांकि, हुंडई ने इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।बता दें कि कोना इलेक्ट्रिक को 2019 में लॉन्च किया गया था लेकिन ठीक इसके 5 साल बाद कंपनी ने मॉडल को अपने आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप हटा दिया है। इस कदम को हुंडई की क्रेटा ईवी की तैयारी से जोड़ा जा रहा है, जिसके 2025 की शुरुआत में शोरूम में आने की उम्मीद है। कोना इलेक्ट्रिक को 25.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। बाद में कम्पनी इसपर 2 लाख रुपये का डिस्काउंट भी दे रही थी। कोना इलेक्ट्रिक में 100 केडब्ल्यू का इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है, जो 131 बीएचपी और 395 एनएम का टॉर्क देता है।

अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को कारण बताओ नोटिस, सेबी की कार्रवाई

नई दिल्ली,02 जुलाई (एजेंसियां) ।

सेबी ने अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अदाणी समूह के शेयरों पर दांव लगाने के कथित उल्लंघन पर यह नोटिस जारी किया गया है। हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन करने का आरोप लगाया था। सेबी का नोटिस मिलने की हिंडनबर्ग ने जानकारी दी है।

हालांकि हिंडनबर्ग ने इस नोटिस पर नाराजगी जाहिर की है और आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

हिंडनबर्ग ने लगाए आरोप

हिंडनबर्ग ने कहा कि उसे 27 जून को सेबी से एक ईमेल मिला और बाद में भारतीय विनियमों के संदिग्ध उल्लंघनों को रेखांकित करते हुए एक कारण बताओ नोटिस मिला। हिंडनबर्ग ने कहा कि अदाणी समूह हमारी रिपोर्ट्स में लगाए गए आरोपों का जवाब देने में विफल रहा है। जो जवाब दिया गया है, उसमें हमारे द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है। हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट में आरोप लगाया गौतम अदाणी और उनके भाई विनोद अदाणी और करीबी सहयोगियों द्वारा शेल कंपनियों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया। हमने विस्तार से बताया कि कैसे इन शेल कंपनियों के माध्यम से अरबों डॉलर का घोटाला किया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा है कि वह सूचना के अधिकार कानून के तहत एक आवेदन देंगे, जिसमें सेबी के कर्मचारियों के नाम मांगे जाएंगे, जो अदाणी और हिंडनबर्ग मामले पर काम कर रहे थे। साथ ही हिंडनबर्ग ने सेबी और अदाणी और उसके विभिन्न प्रतिनिधियों के बीच बैठक और कॉल का विवरण मांगने की बात भी कही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इनकी हरकतें नेक...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर लोकसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति के भाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सदन में उपस्थित हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा, जो पहली बार सांसद बनकर हमारे बीच आए हैं और उनमें से कुछ साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उनका व्यवहार ऐसा था, जैसे एक अनुभवी सांसद का होता है। उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने सफल चुनाव आयोजित कर दुनिया को दिखा दिया है कि ये सबसे बड़ा चुनाव था।प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं क्योंकि लगातार झूठ का प्रसार करने के बाद भी उनकी पराजय हुई। देश की जनता ने तीसरी बार हमें सेवा करने का अवसर दिया है। देश की जनता की भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्ष के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा। पीएम मोदी ने कहा कि देश की जनता ने देखा है कि हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत सर्वप्रथम है। उन्होंने कहा, हमारा एक ही लक्ष्य रहा है, भारत-प्रथम। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। इस विचार को सर्वोपरि रखते हुए हमने देश की सेवा करने का प्रण लिया है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति देखी। जब हम संतुष्टिकरण की बात करते हैं तो इसका मतलब है कि आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत की बात करते हैं तो ये सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय होता है। इस पर देश की जनता ने हमें तीसरी बार चुनकर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने कहा, इस चुनाव ने इस बात को सिद्ध किया है कि भारत की जनता कितनी परिपक्व है। उसी का नतीजा है कि आज तीसरी बार हम आपके सामने विनम्रतापूर्वक सेवा करने के लिए खड़ा हूं। आपने हमारी नीतियों को देखा है। हमारी नीयत को देखा है, देश की जनता ने उस पर भरोसा किया है। देश जब विकसित होता है, तो करोड़ों लोगों के संकल्प सिद्ध होता है। जब देश विकसित होता है, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत नींव, उनके सपनों को पूरा करने के लिए तैयार हो जाती है। आजादी के बाद मेरे देश का सामान्य नागरिक इन चीजों के लिए तरस रहा है। जब विकसित भारत होता है, तो गांव और शहरों की स्थिति में भी बहुत बड़ा सुधार होता है। दुनिया की विकास यात्रा मे भारत के गांव भी सहयोग देंगे।पीएम मोदी ने कहा, 2014 से पहले एक समय था जब बड़े बैंकों पर ताले लगाए जा रहे थे। 2014 के बाद नीतियों में परिवर्तन हुए, निर्णयों में गति देखने को मिली। दुनिया के अच्छे बैंकों में आज भारत के बैंकों का स्थान बन गया। 2014 से पहले एक वक्त था, जब आतंकी देश पर हमला करते थे। आज 2014 के बाद का हिंदुस्तान घर में घुसकर मारता है। एयर स्ट्राइक करता है, सर्जिकल स्ट्राइक करता है। 2014 से पहले जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। धारा 370 का वो जमाना था, सेनाओं पर पत्थर फेंके जाते थे। हम लोग निराश होकर कहते थे कि अब जम्मू-कश्मीर में कुछ नहीं हो सकता। जब 370 की दीवार गिरी तो मजबूत लोकतंत्र की स्थापना हुई। आज भारत के लक्ष्य बहुत विराट हैं और आज भारत एक ऐसी स्थिति में पहुंच गया है, कि हमें ही हमारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ने हैं। 10 वर्षों में भारत विकास की जिस ऊंचाई पर पहुंचा है, वह हमारी प्रतिस्पर्धा का एक बेंचमार्क बन चुका है। बीते 10 वर्षों में हमने जो रफ्तार पकड़ी है, अब हमारा लक्ष्य उस रफ्तार को और ज्यादा गति देना है। 10 वर्षों में हम भारत की अर्थव्यवस्था को पांचवे स्थान पर लाए। अब हम अर्थव्यवस्था को तीसरे स्थान पर ले जाएंगे। 10 वर्षों में हमने भारत को मोबाइल फोन का बड़ा निर्माता बना दिया।पीएम मोदी ने कहा, हम चार करोड़ गरीबों के घर बना चुके हैं। आने वाले समय में तेज गति से तीन करोड़ घर बनाएंगे, जिससे इस देश के गरीबों को बिना छत के न रहना पड़े। 10 वर्षों में हमने देश की करोड़ों बहनों को उद्यमी बनाया है। हमारे तीसरे कार्यकाल का अर्थ है कि हम तीन गुना रफ्तार से काम करेंगे। हम तीन गुना परिणाम लाकर देंगे। ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश में जनता ने एनडीए को अपार समर्थन दिया। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हमने प्रचंड विजय हासिल की। हमें नए नए क्षेत्रों में जनता का प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। भाजपा ने केरल में विश्वास खाता खोला है और बड़े गर्व के साथ केरल के सांसद हमारे साथ खड़े हैं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। पिछली बार की तुलना में भाजपा का वोट बैंक बढ़ा है। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में चुनाव आ रहे हैं और हम जीत हासिल करेंगे। पंजाब में भी भाजपा को बढ़त मिली है। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है।अपने वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस पर बड़ा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस लगातार तीन चुनावों में सौ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। यह तीसरी बार कांग्रेस का सबसे कम स्कोर है। अच्छा होता कि कांग्रेस जनता के इस फैसले को स्वीकार करती। कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम दिन रात हिंदुस्तान के नागरिकों के मन में यह स्थापित करने की कोशिश कर रहा है कि उन्होंने हमें हरा दिया है। आदरणीय सभापति जी, ऐसा क्यों हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा, मैं जरा अपने सामान्य जीवन का वक्तव्य बताता हूं। एक छोटा बच्चा साइकिल लेकर निकला है। वह बच्चा गिर जाता है। साइकिल से लुढ़क जाता है। रोने लगता है। एक बड़ा व्यक्ति उसके पास आकर कहता कि चींटी मर गई, चिड़िया उड़ गई। तुम बहुत अच्छी साइकिल चलाते हो। उसका ध्यान बंटाकर उस बच्चे का मन बहला देते हैं। वैसे ही बच्चों के मन बहलाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसका ईको सिस्टम सिर्फ मन बहलाने का काम कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, 1984 उपचुनाव को याद कीजिए, उसके बाद इस देश में 10 लोकसभा चुनाव हुए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस 250 के आंकड़े को छू नहीं पाई है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, कुछ लोग बधाई दे रहे हैं कि तुम 100 में 99 नंबर लाए हो। अब उनको कौन बताए कि ये 100 में से नहीं 543 में 99 नंबर लाया है। फेल होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।पीएम मोदी ने शोले के डायलॉग का जिक्र करते हुए कहा, मौसी ये बात तो सही है कि ये लोग सिर्फ तीसरी बार ही तो हारे हैं। मौसी मॉरल विक्टरी तो है न। मौसी सिर्फ 13 राज्यों में जीरो सीटें आई हैं, पर हीरो तो हैं न। अरे पार्टी की लुटिया तो डुबोई है। अरे मौसी पार्टी अभी सांसें तो ले रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस के लोगों को कहूंगा कि जनादेश को फर्जी जीत के जश्न में मत दबाओ। फर्जी नशे में मत दबाओ। ईमानदारी से देशवासियों के जनादेश को जरा समझने की कोशिश करो। इसे स्वीकार करो। सभापति जी मुझे नहीं पता कि कांग्रेस के जो साथीगण है, उन्होंने इस चुनाव का विश्लेषण नहीं किया है। ये चुनाव इन साथियों के लिए भी संदेश है। 2024 में जो कांग्रेस है वो परजीवी कांग्रेस है। परजीवी उसी को खाता है, जो उसके शरीर पर होता है।पीएम मोदी ने कहा, एक बच्चा स्कूल से आया और जोर से रोने लगा। उसकी मां ने पूछा क्या हुआ। उसने कहा कि आज स्कूल में मुझे मारा गया। मां परेशान हो गई। उसने पूछा कि बेटा बात क्या थी। बच्चा बता नहीं रहा था और रो रहा था कि मुझे मारा, मुझे मारा। बच्चा यह नहीं बता रहा था कि आज स्कूल में उस बच्चे ने किसी बच्चे को मां की गाली दी थी। उसने ये नहीं बताया कि किसी बच्चे की किताबें उसने फाड़ दी थीं। उसने ये नहीं बताया कि उसने टीचर को चोर कहा था। उसने ये नहीं बताया कि वो किसी का टिफिन चुरा कर खा गया था। हमने सदन में यहीं बचकानी हरकत देखी है। कल यहां बालक बुद्धि का विलाप चल रहा था। मुझे इसने मारा, मुझे उसने मारा। मुझे यहां मारा, मुझे वहां मारा। यही चल रहा था। इन पर सावरकर का अपमान करने का आरोप है। इन पर संस्थाओं के बारे में झूठ बोलने का आरोप है। इन पर ओबीसी वर्ग को चोर कहने के मामले में सजा मिली है। ये बालकबुद्धि अपनी सीमाएं खो देता है। इनकी सच्चाई अब पूरा देश समझ गया है। आज देश इनसे कह रहा है- तुमसे नहीं हो पाएगा। तुमसे न हो पाएगा।पीएम मोदी ने कहा, 2024 से कांग्रेस परजीवी कांग्रेस के रूप में जानी जाएगी। परजीवी वह होता है, जो जिस शरीर के साथ रहता है, उसी को खाता है। कांग्रेस पार्टी जिस पार्टी के साथ गठबंधन बनाती है, उसी को खा जाती है। इसलिए कांग्रेस परजीवी कांग्रेस बन चुकी है। 16 राज्यों में जहां कांग्रेस अकेले लड़ी, वहां पार्टी का वोट प्रतिशत गिर चुका है। ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने दम लड़ी और सिर्फ दो सीटों पर जीत हासिल कर पाई। इस चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह से परजीवी बन गई। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस लोगों को लड़ाने के लिए रोज नई नई अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस देश में आर्थिक अराजकता फैलाने के लिए सोची समझी साजिश रच रही है। उनके जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, वहां वे आर्थिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। चुनाव के दौरान मंचों से साफ साफ घोषणा की गई कि अगर कांग्रेस के मन का परिणाम नहीं आया तो अराजकता फैल जाएगी। सीएए को लेकर अराजकता फैलाई गई। देश के लोगों को गुमराह करने का खेल खेला गया। देश को दंगों में झोंकने के लिए भी कुत्सित प्रयास किए गए।पीएम मोदी ने कहा, आपातकाल को देश पर थोपा गया। उस दौरान, क्रूरता की सभी हदें पार कर दीं गईं। देश के ताने-बाने को छिन्न-विछिन्न करने का काम किया गया। सरकारों को गिराना, मीडिया को दबाना, संविधान की भावनाओं के खिलाफ आपातकाल थोपा गया। कांग्रेस ने देश के दलितों और पिछड़ों के साथ घोर अन्याय किया गया। इसी वजह से बाबा साहेब अंबेडकर ने कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता के कारण नेहरू जी की कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। अंबेडकर जी ने कहा था- मैं सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों की उपेक्षा अपने अंदर उत्पन्न आक्रोश को रोक नहीं सका। इसके बाद नेहरू जी ने अंबेडकर जी का राजनीतिक जीवन खत्म करने के लिए पूरी ताकत लगा दी। षड्यंत्र पूर्वक अंबेडकर जी को चुनाव में हराया गया।पीएम मोदी ने कहा, हमारी सेनाएं देश का अभिमान हैं। बहुत समय से मांग की जा रही थी देश की सुरक्षा के लिए थिएटर कमान जरूरी है। मैं कहना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में प्रगति हो रही है। हमारी सेना युवा होनी चाहिए, सेना दुश्मनों के दांत खट्टे करने के लिए होती है। सेना में युवाओं की ताकत बढ़ानी चाहिए। हम लगातार युद्ध योग्य सेना बनाने के लिए रिफॉर्म कर रहे हैं। समय पर रिफॉर्म न होने के कारण हमारी सेना कमजोर हुई थी। देश की सुरक्षा एक गंभीर मसला होता है। ऐसे समय में जब देश की सेना को सशक्त बनाने का समय है, कांग्रेस लगातार झूठ फैला रही है। कौन नहीं जानता कि नेहरू जी समय देश की सेनाएं कितनी कमजोर होती थी। हमारी सेनाओं के भीतर कांग्रेस ने लाखों-करोड़ों के घोटाले किए। देश की सेनाओं को कमजोर किया गया। जीप घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, बोफोर्स घोटाला ने देश की सेना का कमजोर किया। कांग्रेस जब सत्ता में रही, तो देश की सेना को कमजोर किया। सत्ता से जाने के बाद भी सेना को कमजोर करने के काम किए गए। जब कांग्रेस सरकार थी तो फाइटर जेट नहीं लिए गए और जब हमने ऐसा करने की कोशिश की, तो कांग्रेस ने साजिश रची। यह बालक बुद्धि राफेल के छोटे छोटे खिलौने बनाकर उड़ाने का मजा लेता था। कांग्रेस ऐसे हर कदम का विरोध करती हैं, जो भारत की सेना को मजबूत बनाएं। हमारी सेनाएं हमारी मजबूती हैं। अब कांग्रेस द्वारा सेना भर्ती को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वन रैंक वन पेंशन की योजना को खत्म किया था। उनका इरादा था कि वन रैंक वन पेंशन को टालते रहें। एनडीए ने इसे लागू किया। हमारे पास भले ही सीमित संसाधन रहे हों लेकिन, 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए हमारे पूर्व सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन के रूप में दिए गए।पीएम मोदी ने नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने से गिरफ्तारियां कीं जा रहीं हैं। इसके लिए मजबूत कानून भी बनाया जा चुका है। युद्ध स्तर पर हम अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। नीट के मामले में देशभर में पहले ही गिरफ्तारियां की जा रही हैं। पेपर लीक को परीक्षा को पुख्ता करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।एनडीए सरकार ने बीते दस वर्षों में विकास को अपना सबसे बड़ा संकल्प बनाया है। आज गरीब को आवास देना हमारा संकल्प है। भारत की विश्व में जैसे जैसे ताकत बढ़ रही है। हमारी सेनाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का हमारा संकल्प है। ये युग हरित युग है और इसलिए दुनिया, जो ग्लोबल वार्मिंग से लड़ रही है, इसके बड़ी ताकत देने का बीड़ा भारत ने उठाया है। हमने रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए हैं।

गैर-कांग्रेसी का तीसरी...

जब किरेन रिजिजू से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का जिक्र किया? तो इस पर रिजिजू ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो संदेश सभी के लिए होता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में भाजपा पर जोरदार हमला किया था, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया गया था। इसका सत्ता पक्ष ने भारी विरोध किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता पर पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहने के लिए हमला बोला था।रिजिजू ने कहा कि गठबंधन की बैठक में एनडीए नेताओं ने मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सांसदों से मीडिया के सामने टिप्पणी करने से पहले किसी भी मुद्दे का अध्ययन करने को कहा और कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों के संपर्क में रहना चाहिए और मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

हिंदुओं पर बेजा...

राहुल गांधी द्वारा हिंदू धर्म को लेकर एक विवादित बयान दिया गया था। उन्होंने अपने बयान से देश भर के करोड़ों हिंदू समाज के लोगों की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताया था, जिसको लेकर हम लोगों ने विचार किया कि राहुल गांधी हिंदू धर्म की भावना को ठेस पहुंचा रहे हैं। इससे आहत होकर कोर्ट में परिवाद दायर किया है, जिसे कोर्ट ने आज स्वीकार किया है। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 15 जुलाई को सुनवाई की तिथि मुकर्रर की है।पूरे मामले को लेकर परिवादी के अधिवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी द्वारा कल संसद में सदन की कार्यवाही के दौरान हिंदू धर्म को लेकर कथित विवादित बयान दिया गया था। उसमें उनके द्वारा हिंदू धर्म को कथित तौर पर हिंसक बताया गया था, जिससे आहत होकर परिवादी देवयांशु किशोर द्वारा कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। कोर्ट ने परिवाद स्वीकार भी कर लिया है और मामले में 15 जुलाई को सुनवाई तय की गई है। इसके बाद आगे की र्यवाही होगी।

अवैध धर्मांतरण से ...

इस समारोह में गांव के कई और लोगों को भी ले जाया गया। बाद में, सभी को लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया। बकौल रामकली, उनका भाई मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद कैलाश के अधिवक्ता ने दलील दी कि आवेदक ने शिकायतकर्ता के भाई का धर्मांतरण नहीं किया था। पादरी सोनू ने कार्यक्रम का आयोजन किया था और उसी ने सभी का धर्म परिवर्तन कराया। उसे जमानत पर रिहा किया जा चुका है। राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने दलील दी कि ऐसी सभाओं का आयोजन कर बड़े पैमाने पर लोगों को ईसाई बनाया जा रहा है। कैलाश गांव से लोगों को ले जाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने में शामिल रहा है। उसे इसके बदले बहुत पैसा दिया गया था।कोर्ट ने कहा, संविधान का अनुच्छेद 25 किसी को भी स्वेच्छा से धर्म चुनने की आजादी देता है, लेकिन लालच देकर किसी का धर्म परिवर्तन करने की इजाजत नहीं देता। अपने धर्म का प्रचार करने का अर्थ किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित कराना नहीं है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 03 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

परिवारों और सामाजिक व्यवस्था को बर्बाद कर रहे हैं नशीले पदार्थ : रेवंत

सीएम रेड्डी ने तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो के नए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां जुबली हिल्स स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो और तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो के नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री रेड्डी ने लोगों में विश्वास पैदा करने की सरकार की जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने साइबर अपराध को रोकने के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया है और पुलिस विभाग में आवश्यक अधिकारियों की भर्ती की है। उन्होंने कहा, आज दुनिया साइबर अपराध के सबसे बड़े खतरे का सामना कर रही है। तेलंगाना में साइबर अपराध टीमें इन अपराधों से निपटने में अत्यधिक कुशल हैं। उनका काम सराहनीय है। उन्होंने ने नशीले पदार्थों के खतरे को भी संबोधित करते हुए कहा कि यह परिवारों और सामाजिक व्यवस्था को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा, तेलंगाना अपने आंदोलनों के लिए जाना जाता है। दुर्भाग्य से, राज्य में नशीले पदार्थों का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर है। सरकार ने नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए विशेष कर्मचारियों की भर्ती की है। नशे के आदी लोग गांजे के नशे में अपराध कर रहे हैं। बच्चों के प्रति बढ़ती हिंसा का एक प्रमुख कारण नशीले पदार्थ हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के युवाओं को नशे की लत में नहीं पड़ना चाहिए, उन्हें समस्याओं और चुनौतियों से निपटने में मजबूत और सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार नशीले पदार्थों के खतरे को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले अधिकारियों को पदोन्नति देगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और विधानसभा में एक नया विधेयक पेश करेगी। उन्होंने मीडिया से राजनीतिक विवादों के बजाय सामाजिक समस्याओं पर अधिक ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा चलाए जा रहे अच्छे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रसारित करना मीडिया की जिम्मेदारी है। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मेगास्टार चिरंजीवी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने नशीले पदार्थों के खतरे के खिलाफ लघु वीडियो बनाने की अपील की, जिन्हें सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज के दौरान दिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा, सरकार केवल उन्हीं लोगों को मदद देगी, जो नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग पर समाज की सुरक्षा की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, लोगों को भविष्य में राज्य में नशीले पदार्थों के बारे में सुनने से डरना चाहिए। मित्रवत पुलिसिंग केवल पीड़ितों के लिए है, अपराधियों के लिए नहीं।

तेयुप हैदराबाद के मेगा रक्तदान अभियान का शुभारंभ

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अभातेयुप द्वारा निर्देशित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के तहत तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद सम्पूर्ण जुलाई महीने में हर दिन रक्तदान शिविर का आयोजन करने जा रहा है। इसी कड़ी में प्रथम कैंप का आयोजन कोठी विद्या मंदिर स्कूल, काटेदान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिन सोनी एवं किशन सोनी का योगदान रहा। जिन्होंने अपने ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित इस विद्यालय में ब्लड डो-नेशन कैंप की स्वीकृति दी। इस कैंप में रक्त के 161 यूनिट्स प्राप्त हुए जिसमे महिलाओं एवं प्रथम बार रक्तदान करने वालों ने भी बड़ी संख्या में आकर रक्तदान किया। सचिन सोनी ने 108 वी बार रक्तदान किया जो समाज के सभी वर्गों के लिए एक प्रेरणा है।

कार्यक्रम के संचालन में विवेक भंसाली, धनराज बोथरा, ललित लूनिया, अंकित लोढ़ा, संदीप सेखानी, प्रतीक बरमेचा, राजा बैद, राहुल बोथरा, वंश पिंचा की विशेष भूमिका रही। तेयुप अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा, निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल दुगड़, उपाध्यक्ष मनीष पटावरी, संयोजक रक्तवीर मनोज जैन, संयोजक श्रेणिक गोलछा की कार्यक्रम में विशेष उपस्तिथि रही। कार्यक्रम के अंतर्गत गांधी हॉस्पिटल को सारे यूनिट्स दिए गए। अभातेयुप सदस्य आशीष दक एवं राहुल श्यामसुखा तेलंगाना संयोजक के रूप से इस कार्यक्रम में अपनी सेवाएं दे रहें है।

प्रजावाणी कार्यक्रम में 601 शिकायतें हुईं प्राप्त

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और आवेदन प्राप्त किए।

विभिन्न समस्याओं को लेकर आये लोगों ने चिन्नारेड्डी और प्रजा भवन के अधिकारियों के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। मंगलवार को आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 601 आवेदन प्राप्त हुए।

अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 142, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 87, नगरपालिका विभाग से संबंधित 53, गृह विभाग से संबंधित 47, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 52 और अन्य विभागों से संबंधित 220 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रजावाणी की विशेष अधिकारी दिव्या सहित अन्य अधिकारियों ने जनता से आवेदन प्राप्त किये तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

कांग्रेस नेता निरंजन ने की लोक सभा में राहुल गांधी के भाषण की प्रशंसा

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने मंगलवार को कहा कि देश लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषण की सराहना कर रहा है।

श्री निरंजन ने आज यहां मीडिया से कहा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीप-ीसीसी की ओर से श्री गांधी को हार्दिक बधाई दी गयी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जिन्होंने पहले श्री गांधी को शहजादा और पप्पू कहकर मज़ाक उड़ाया था, दोनों ही स्पष्ट रूप से चिंतित और परेशान दिखाई दिए। सत्तारूढ़ पार्टी, जिसने पहले विपक्षी दलों को चुप करा दिया था, श्री गांधी के भाषण को सुनकर सदमे में आ गई।

उन्होंने नोटबंदी, कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन, मणिपुर में विफलता, अग्निवीर योजना और नीट पेपर लीक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के लिए श्री गांधी की सराहना की। श्री निरंजन ने कहा कि विपक्ष के किसी नेता ने सदन में इतने शानदार ढंग से बात नहीं की है। गुजरात चुनाव जीतने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी को चुनौती देना कुछ ऐसा है जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पचा नहीं सकती। श्री निरंजन ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता श्री गांधी के भाषण और श्री मोदी की आलोचना की सराहना कर रहे हैं।

राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मंगलवार सुबह राजभवन में राज्यपाल राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को एक बैठक ऋषि श्रृंग भवन में संरक्षक रामदेव नागला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में श्रृंग वंदना के पश्चात आगामी 21 जुलाई को आजोजित होने जा रहे गुरुपूर्णिमा महोत्सव ऋषि श्रृंग जयंती पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी ने सर्वसम्मति से 21 जुलाई को बेगम बाजार पोस्ट ऑफ़िस के पास भव्य पंडाल लगाकर शोभायात्रा का स्वागत एवं गुरु महाराज की पुष्प अर्चना करने पर अपना मत जताया। इसी क्रम में बोनालु पर्व के कारण सिकंदराबाद समाज द्वारा शनिवार, 20 जुलाई को सायं 4 बजे से शोभा यात्रा प्रारंभ होगी तथा प्रकोष्ठ द्वारा रंगरेज बाजार में अन्य पण्डाल लगा कर शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा।

बैठक में 2024-26 तक प्रकोष्ठ के नए अध्यक्ष एवं मंत्री की घोषणा की गई। संस्थापक पैनल ने रामदेव नागला, नरेश पांडिया, रामेश्वर लाल उपाध्याय सिद्दीपेट, प्रभारी नटवरलाल व्यास, अध्यक्ष मुरलीधर तिवाडी, महामंत्री भागीरथ पांडिया, सह कोषाध्यक्ष दिनेश पांडिया दिपावत, महिला मार्गदर्शिका किरण व्यास, ऊषा उपाध्याय केकीन, अध्यक्षा उषा उपाध्याय धाकडी व मंत्राणी अराधना ओझा को पद्भार सौंपा गया। बैठक में प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं महिला अध्यक्षा से आग्रह किया गया है कि सभी को एक-साथ जोड़कर अच्छी कार्यकारिणी टीम बनाएं। बैठक में रामदेव नगला, नरेश पांडिया, मुरलीधर तिवाडी, नटवरलाल व्यास, भगीरथ पांडिया, दिनेश पांडिया, प्रेमलता व्यास, उषा उपाध्याय धाकडी, आराधना ओझा, किरण तिवाडी, शीला शर्मा आदि उपस्थित थे।

बैठक में आगामी 20 जुलाई को सायं 4.00 बजे सिकंदराबाद एवं 21 जुलाई को सुबह रामदरबार पंचायती बाड़ा से निकलने वाली शोभायात्रा में प्रकोठ से जुड़े सभी सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में उप-स्थित रहने की अपील की गई। शीला पांडिया के धन्यवाद ज्ञापन व राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

अंतरिक्ष यात्री संघ द्वारा सिकंदराबाद दादावाड़ी में चल रहे सामूहिक वर्षित के तपस्वियों को जालना गुरु गणेश धाम एवं महा प्रभाविक अंतरिक्ष पारसनाथ धाम की यात्रा कराई गई। इस भव्य यात्रा में 200 से अधिक परमात्मा के भक्तों ने भाग लिया। आयोजन समिति की और से जारी विज्ञप्ति में संयोजक समिति के सलाहकार मानिकचंद समदड़िया बतया कि मंगलवार प्रात: दादावाड़ी में आयोजित तपस्या के बियासना के लाभार्थी बस्ती चंद संतोष कुमार वेद परिवार था। सफल यात्रा के आयोजन के लिए संयोजक समति के योगेश गांधी, सजन राज भंडारी एवं अन्य कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया गया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा अपेक्स के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में किंग कोटी स्थित प्रसूति अस्पताल में बेबी किट्स और सैनिटरी पैड का वितरण किया गया। अवसर पर जॉन बेबी किट कन्वीनर शशि बोहरा, राखी बाफना, साधना सिसोदिया, अनीता नखत, गीता बंबोली, मधु सुराणा, अजय नाहटा, अरुण खिंवसरा उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना, एवीएसएम, डीजीईएमई, वरिष्ठ कर्नल कमांडेंट, मंगलवार को हैदराबाद के हुसैन सागर में याई 38 वें हैदराबाद सेलिंग सप्ताह-2024 मल्टी क्लास रैंकिंग इवेंट का शुभारंभ करते हुए।

नागरिकों के लिए लाभकारी नए कार्यक्रमों का नवाचार और कार्यान्वयन करें अधिकारी

सीएम रेवंत रेड्डी ने प्रभावी शासन के लिए जारी किए निर्देश

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सभी विभागों के शीर्ष अधिकारियों को सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप काम करने के निर्देश जारी किए हैं।

सीएम रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले विभागों और प्रभागों में अच्छी तरह से पारंगत होना चाहिए। उन्होंने उनसे जवाबदेह सार्वजनिक शासन प्रदान करने के लिए जिम्मेदारी से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने तेलंगाना के लोगों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के लिए सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला और

इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना को एक आदर्श राज्य बनाने की जिम्मेदारी अधिकारियों पर है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि अधिकारियों को राज्य के नागरिकों के लिए लाभकारी नए कार्यक्रमों का नवाचार और कार्यान्वयन करना चाहिए। प्रत्येक अधिकारी को दो सप्ताह के भीतर सरकार को एक प्रमुख विचार प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कई मुख्यमंत्रियों के अधीन काम कर चुके अनुभवी अधिकारी अभी भी प्रमुख विभागों में हैं। उन्होंने उनसे सरकार की प्राथमिकताओं को पहचानने और लगातार अपना प्रदर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने जन कल्याण और राज्य के विकास के प्रति प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को सचिवालय में विभागीय सचिवों के साथ बैठक में मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकटरेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकार की प्रमुख सचिव शांतिकुमारी और सीएमओ के मुख्य सचिव शेषाद्री शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के बीच एकता और परिश्रम के महत्व पर जोर दिया। बैठक में सभी 29 विभागों के आईएएस अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पदभार ग्रहण करने के पहले सौ दिनों के भीतर कांग्रेस सरकार ने लोगों से किए गए छह वादों में से पांच को लागू कर दिया है। उन्होंने अधिकारियों से चुनाव आचार संहिता की अवधि समाप्त होने के बाद प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त की कि कई जिलों में कलेक्टर अपने कार्यालयों में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने आईएएस अधिकारियों से प्रभावी शासन नीतियों को लागू करने के लिए अपने अनुभव का उपयोग करने का आग्रह किया। मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि कलेक्टर नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करें। अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और अन्य सरकारी सेवा विभागों का नियमित दौरा भी अनिवार्य किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार में अधिकारियों के खिलाफ कोई व्यक्तिगत पूर्वाग्रह नहीं है। प्रदर्शन ही अवसरों और प्रोत्साहनों का निर्धारण करेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंतरिक निर्णयों से सरकार की प्रतिष्ठा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और मुख्यमंत्री कार्यालय से सलाह का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने घोषणा की कि वे जल्द ही सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने और स्थानीय लोगों से जुड़ने के लिए साप्ताहिक जिला दौरे शुरू करेंगे। इन दौरों का कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।

तेलंगाना में इस वर्ष अब तक एनडीपीएस के तहत 1,982 मामले दर्ज

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना ने कैलेंडर वर्ष की पहली छमाही में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 1,982 मामले दर्ज किए हैं, जो राज्य में नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे का संकेत है।

तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएनएबी) ने कहा, कुल 3,792 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 179.3 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया गया। टीजीएनएबी ने पांच मामलों में नार्को अपराधियों और उनके गुर्गों की 47.16 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त कर ली। टीजीएनएबी के अधिकारियों ने कहा कि 102.41 करोड़ रुपए मूल्य की 42,190 किलोग्राम दवाओं से जुड़े 679 मामलों का निपटारा किया गया।

ब्यूरो अगले एक या दो महीनों में राज्य भर में चार मादक पदार्थ पुलिस स्टेशनों के साथ सात क्षेत्रीय नशा विरोधी केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। टीजीएएनबी ने नशीली दवाओं की तस्करी, वितरकों का पता लगाने और मामलों को दर्ज करने के लिए नवीनतम तकनीकों के साथ सात मादक प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। सरकार ने ब्यूरो के लिए 170 अतिरिक्त कर्मचारियों को भी मंजूरी दी। नशे की रोकथाम में कड़ी मेहनत कर रहे एंटी नारकोटिक ब्यूरो कर्मियों को 60 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता देकर प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया।

टीजीएनएबी के अधिकारी देश भर में विस्तार कर रहे दवा आपूर्तिकर्ताओं को पकड़ने के लिए मुंबई, कलकत्ता, बेंगलुरु, चेन्नई और गोवा जैसे शहरों में व्यापक छापेमारी कर रहे हैं। इसमें दावा किया गया कि छापेमारी के कारण राज्य में सक्रिय गिरोह पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित हो रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराध संगठनों से संबंध रखने वाले मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया और सरगनाओं का काला नेटवर्क तोड़ दिया गया।

ऑनलाइन, शॉपिंग ऐप्स, फूड ऐप्स आदि के माध्यम से दवा ऑर्डरों की निगरानी की जा रही है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि अदालतों की अनुमति से 84.6 करोड़ रुपये मूल्य की 36,662 किलोग्राम भांग को गैर-प्रदूषणकारी और पर्यावरण-अनुकूल तरीकों से जलाया गया।

डीपीएचएंडएफडब्ल्यू को भंग करने के सरकार के फैसले से वरिष्ठ डॉक्टर भौचक

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकारी डॉक्टर एसोसिएशन (टीजीडीए) के वरिष्ठ सरकारी डॉक्टरों ने मंगलवार को राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशालय (डीपीएच एंड एफडब्ल्यू) को भंग करने और इसे तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) के साथ माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के तहत विलय करने के प्रस्ताव पर आश्चर्य व्यक्त किया। डॉक्टरों ने सवाल किया कि उचित प्रयास के बिना डीपीएच एंड एफडब्ल्यू को खत्म करने और अन्य स्वास्थ्य विभागों के साथ विलय करने की तत्काल आवश्यकता क्यों है। डीपीएचएंडएफडब्ल्यू और टीवीवीपी के तहत कर्मचारियों के

अलग-अलग सेवा नियम हैं और यहां तक कि पदोन्नति के नियम भी अलग हैं। राज्य सरकार दो अलग-अलग विभागों का विलय कैसे कर सकती है? इसके अलावा, यह भी काफी आश्चर्यजनक है कि हितधारकों यानी सरकारी डॉक्टरों के साथ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा किए बिना भी ऐसे प्रस्ताव कैसे बनाए जाते हैं।

अंततः, सरकारी डॉक्टरों को ही ऐसे बदलावों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा और आश्चर्य की बात है कि परामर्श का कोई प्रयास नहीं किया गया है। टीजीडीए के अध्यक्ष डॉ. बी रमेश ने मंगलवार को कहा, हम अभी भी वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों से इस मुद्दे पर कुछ और स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने खम्मम किसान की आत्महत्या मामले में जांच के दिए आदेश

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को खम्मम जिले में एक किसान की आत्महत्या से मौत के बाद जांच के आदेश दिए। चिंताकानी मंडल के पोद्दुतुर गांव के 45 वर्षीय बी. प्रभाकर ने कीटनाशकों का सेवन करने से पहले एक वीडियो बनाया था, जिसमे उसने आरोप लगाया था कि राजस्व और पुलिस अधिकारी उनकी शिकायत पर कार्रवाई करने में विफल रहे कि कुछ लोगों ने उनके कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने घटना को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को गहन जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में, किसान ने कहा कि अधिकारी उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने में विफल रहे

कि कुछ ग्रामीणों ने अर्थमूवर्स से उसके कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी राजस्व और पुलिस अधिकारियों को तुरंत जांच करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों से जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपने को कहा। उन्होंने किसानों से विवादों के कारण जीवन समाप्त न करने की अपील की और उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस शासन में उन्हें न्याय मिलेगा।

इससे पहले बीआरएस विधायक हरीश राव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसान का सेल्फी वीडियो दिखाया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान के मृत्युपूर्व बयान के आधार पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बजाय, पुलिस उस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की कोशिश कर रही है जिसने प्रभाकर की आत्महत्या का वीडियो बनाया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसान को पुलिस या राजस्व अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली। पूर्व मंत्री ने कहा कि किसान की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज नहीं की गई, जो तेलंगाना में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाता है। हरीश राव ने किसान के परिवार के लिए 25 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और परिवार के एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी की मांग की।

प्रभाकर ने अपने वीडियो में अपने गांव के पांच लोगों का नाम लिया, जिन्होंने अर्थमूवर्स का उपयोग करके मिट्टी खोदकर उनके तीन एकड़ में फैले कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्थानीय उप-निरीक्षक और तहसीलदार से शिकायत की थी, लेकिन वे उनकी समस्या का समाधान करने में विफल रहे। वह इस मामले को जिला कलेक्टर के संज्ञान में लाने के लिए सोमवार को खम्मम गए लेकिन शिकायत प्रकोष्ठ की बैठक खत्म होने के कारण वह ऐसा नहीं कर सके। कीटनाशक पीने के बाद उसने अपने परिवार को फोन किया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया और जब तक उसके परिजन मौके पर पहुंचे, प्रभाकर को मृत पाया गया।

रेवंत रेड्डी और चंद्रबाबू नायडू के मध्य 6 जुलाई को होगी बैठक

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू के 6 जुलाई को बैठक के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिससे दोनों के बीच पहली विभाजन के बाद के मुद्दों को सुलझाने के लिए आमने-सामने बातचीत का मंच तैयार हो गया।

नायडू के 1 जुलाई के पत्र के जवाब में, रेवंत रेड्डी ने उन्हें 6 जुलाई की दोपहर के दौरान हैदराबाद के महात्मा ज्योति राव फुले भवन में बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

नायडू ने रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर दोनों राज्यों के बीच आपसी हित के मामलों पर चर्चा के लिए एक बैठक का प्रस्ताव रखा था। रेवंत रेड्डी ने नायडू को उनके लिए उनके बहुत दयालु

शब्दों के लिए धन्यवाद देते हुए आंध्र प्रदेश में हाल ही में संपन्न विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उनकी असाधारण जीत पर बधाई दी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने लिखा आप स्वतंत्र भारत में उन राजनीतिक नेताओं की एक बहुत ही दुर्लभ लीग में शामिल हो गए हैं जिन्होंने चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। मैं आपको इस कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने लिखा दो तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में आपके और मेरे बीच सुझाई गई आमने-सामने की बैठक में, मैं आपके विचारों से पूरी तरह सहमत हूं। वास्तव में द्विभाजन अधिनियम के सभी लंबित मुद्दों को हल करना एक अनिवार्य आवश्यकता है। आपसी सहयोग और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मजबूत आधार बनाने और हमें अपने संबंधित लोगों की बेहतर सेवा करने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यक्तिगत बैठक आवश्यक है।

नायडू ने लिखा था कि वह विभाजन के बाद के मुद्दों को हल करने, सहयोग बढ़ाने और दोनों तेलुगु भाषी राज्यों में प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए रेवंत रेड्डी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने लिखा था कि तेलुगु भाषी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों के लिए निरंतर प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देना हमारा कर्तव्य है। विकास और कल्याण के हमारे पारस्परिक लक्ष्यों को साकार करने के लिए सहकारी विकास के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। बताते चलें कि चंद्रबाबू नायडू 1995 और 2004 के बीच दो कार्यकालों के लिए अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। टीडीपी प्रमुख, जो 2014 में विभाजित आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने, ने कहा कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन को 10 साल हो गए हैं। पुनर्गठन अधिनियम से उत्पन्न मुद्दों पर कई चर्चाएं हुई हैं, जो हमारे राज्यों के कल्याण और उन्नति के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती हैं। यह जरूरी है कि हम इन मुद्दों को अत्यंत परिश्रम और संकल्प के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से संबोधित करें। इसके आलोक में, मेरा प्रस्ताव है कि हम 6 जुलाई, शनिवार दोपहर को आपके स्थान पर मिलें।

मैट्रिमोनी ऐप पर दोस्त बने युवक ने युवती से किया बलात्कार

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसआर नगर में मैट्रिमोनी ऐप पर दोस्त बने एक व्यक्ति ने एक महिला के साथ बलात्कार किया और उसे धोखा दिया। 27 वर्षीय महिला, उप्पल की एक निजी कर्मचारी और आरोपी एम. राजशेखर (30), जो एसआर नगर के जय प्रकाश नगर में एक फोटो स्टूडियो चलाता है, एक साल पहले मैट्रिमोनी ऐप पर दोस्त बने थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने उसे प्रपोज किया और वे रिश्ते में थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इसके बाद, शादी करने का वादा करके वह कथित तौर पर उसे अपने फोटो स्टूडियो में ले गया और 24 जून को उसके साथ बलात्कार किया। हाल ही में जब उसने उससे शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने इनकार कर दिया और उसे टालने लगा। पीड़िता की शिकायत के आधार पर, शुरुआत में उप्पल में एक जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में अधिकार क्षेत्र के आधार पर एसआर नगर में स्थानांतरित कर दिया गया था। एसआर नगर ने बलात्कार, धोखाधड़ी और अन्य अपराधों का मामला फिर से दर्ज किया और आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष जी. सुकेंदर रेड्डी और तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल राधाकृष्णन से मुलाकात की।

दमरे महाप्रबंधक अरुण जैन ने की रेल परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा

महाप्रबंधक ने भेड़ मंडी में स्मार्ट पंपिंग सिस्टम का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मंगलवार को रेल निलयम सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक समीक्षा बैठक की। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, दमरे ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

अरुण कुमार जैन ने आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेल पुलों और आरयूबी/आरओबी जैसे चिन्हित संवेदनशील बिंदुओं पर सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से बचने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए किनारे के जल नालों और जलमार्गों की सफाई और रखरखाव जैसे सभी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की सलाह दी। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्यों को करते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें और सुनिश्चित करें कि कोई असुविधा न हो। महाप्रबंधक ने इंजीनियरिंग, सिग्नल और टेलीकॉम, इलेक्ट्रिकल आदि जैसे विभिन्न विभागों से संबंधित सुरक्षा कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की और कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

बैठक के दौरान, अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम से वर्चुअल माध्यम से भेड़ मंडी में स्मार्ट वॉटर पंपिंग सिस्टम का उद्घाटन किया। भेड़ मंडी पंप हाउस सिकंदराबाद में स्थित है और 6 स्थानों/पंप हाउसों (रेल निलयम, सिकंदराबाद, राइफल रेंज, अपर भोइगुडा, हमाल बस्ती, मेट्टुगुडा स्टाफ क्वार्टर) को पानी की आपूर्ति करता है। वर्तमान में इन स्थानों पर पंपिंग मैन्युअल रूप से की जा रही है जिसमें जनशक्ति और व्यय शामिल है जिसे इस आईओटी आधारित स्मार्ट पंपिंग सिस्टम का उपयोग करके कम किया जाएगा।स्मार्ट वॉटर पंपिंग प्रणाली केन्द्रापसारक पंपों को कुशल सबमर्सिबल पंपों से बदलकर ऊर्जा की बचत करेगी। यह प्रणाली वितरित जल की वास्तविक समय पर निगरानी और जवाबदेही भी प्रदान करती है जिससे पानी की बर्बादी कम होती है। आधुनिक प्रणाली में वाल्वों का रिमोट कंट्रोल होता है जो मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त करता है। स्मार्ट वॉटर पंपिंग सिस्टम लीकेज और चोरी की पहचान करता है। यह प्रणाली मोटर पंप नियंत्रणों का उपयोग करके ऊर्जा की बचत भी सुनिश्चित करती है और स्वचालित मूल्य एक्चुएटर्स को लागू करके जनशक्ति को कम करती है। स्मार्ट वॉटर पंपिंग सिस्टम से रुपये बचाने का अनुमान है। 1.2 करोड़ रुपए की जल बचत, 24 लाख रुपए जनशक्ति और प्रति वर्ष 3.6 लाख रुपये की ऊर्जा बचत शामिल है।

जीआरपी और आरपीएफ ने 20 किलो मारिजुआना के साथ ड्रग तस्कर को दबोचा

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर ओडिशा से संचालित एक अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया और मंगलवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक ड्रग तस्कर को पकड़ा। अधिकारियों ने 5 लाख रुपये मूल्य का 20 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया।गिरफ्तार संदिग्ध का नाम मोहम्मद फरीद (54) है, जो ओडिशा का है और फरार संदिग्ध का नाम ओडिशा का साहू और मुंबई का पांडा है। रेलवे पुलिस ने कहा कि फरीद ने ओडिशा के बालूगांव के साहू से मारिजुआना खरीदा और इसे पांडा को पहुंचाने के लिए सिकंदराबाद के रास्ते ट्रेनों में मुंबई में तस्करी की, जिसने इसे स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं को उच्च दर पर बेच दिया। 30 जून को, फरीद ने 20 किलो मारिजुआना खरीदा और उन्हें ट्रॉली बैग में रख दिया और सोमवार रात कोणार्क एक्सप्रेस से सिकंदराबाद पहुंच गया। उसे नियमित जांच के दौरान पकड़ा गया और उसके पास से नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

बाल श्रम रोकने के लिए संयुक्त रूप से छापेमारी की जाए : सीपी श्रीनिवास

मंचेरियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
1 जुलाई से 31 जुलाई तक ऑपरेशन मुस्कान-एक्स के संचालन के संबंध में रामागुंडम पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में पेद्दापल्ली, मंचेरियाल जिले के ऑपरेशन मुस्कान-एक्स टीम के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और बाल कल्याण समिति, सीपी कार्यालय में श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण विभाग, स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने समीक्षा बैठक की।

इस मौके पर सीपी ने कहा कि पहले दर्ज मामलों के आंकड़ों के आधार पर हमें उन हॉट स्पॉट पर नजर रखनी चाहिए जहां बच्चे बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे हैं। साथ ही पहले बचाए गए बच्चों की स्थिति के बारे में पूछताछ करें। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की पहचान की जाए और उन्हें फिर से स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। इसी तरह जिन बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति ठीक नहीं है, उनकी पहचान की जाए और उन्हें संबंधित अस्पतालों में भर्ती कराया जाए और उनकी जांच और इलाज किया जाए। उन्होंने कहा कि यहां कोई बाल श्रमिक नियोजित नहीं है शीर्षक से प्रत्येक दुकानों पर बोर्ड लगाए जाएं। बाल विवाह एक अपराध है। बाल विवाह पर जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। 18 वर्ष से कम आयु के बाल श्रमिक, चरवाहे, पशुपालक के रूप में काम करना, किराने की दुकानों, मैकेनिक की दुकानों, होटलों, ईंट भट्टों, पोल्ट्री फार्मों में काम करना, सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चे, किसी अन्य स्थान पर लापता या छोड़े गए बच्चे और यदि ऐसे बच्चे काम कर रहे हैं तो माता-पिता को परामर्श दें। उन्होंने कहा कि विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से अलग हुए लापता और अज्ञात बच्चों की पहचान करने के लिए चेहरे की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन दर्पण का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चों से जबरन भीख मंगवाने वाले व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे और उचित कार्रवाई की जाएगी। ऑपरेशन मुस्कान-एक्स के तहत इसे खत्म करने के लिए प्रत्येक डिवीजन में एक एसआई और चार स्टाफ सदस्यों को विशेष रूप से नियुक्त किया गया है उन्होंने बाल श्रम प्रणाली को रोकने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को संयुक्त छापेमारी करने का सुझाव दिया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से ऑपरेशन मुस्कान-एक्स चलाने और बाल श्रम के बिना अपने कर्तव्यों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। सीपी ने कहा कि जो कोई भी सड़क पर रहने वाले बच्चों को देखता है जिन्होंने बाल मजदूरों को काम पर रखा है, या उन्हें काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, हिंसा की धमकी दी जाती है, तो उन्हें 1098 पर कॉल करना चाहिए या 100 डायल करना चाहिए और स्थानीय पुलिस अधिकारियों को सूचित करना चाहिए।बैठक में अतिरिक्त डीसीपी प्रशासन राजू, विशेष शाखा एसीपी राघवेंद्र राव, सीसीएस एसीपी वेंकटस्वामी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पेद्दापल्ली श्रीधर, बाल कल्याण समिति मंचेरियाल के अध्यक्ष वहीद, मंचेरियाल डीडब्ल्यूओ चिन्नैया, मंचेरियाल डीएमएचओ विनीता, उप डीएमएचओ पेद्दीपल्ली कृपारानी, अन्य विभाग के अधिकारी, ऑपरेशन मुस्कान टीम पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

हम पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे : विरहत अली

सिरपुर कागजनगर, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी और तेलंगाना स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन (टीडब्ल्यूजे) के अध्यक्ष विरहत अली ने कहा कि वे पत्रकारों की समस्याओं को हल करने की पूरी कोशिश करेंगे। टीयूजे (आईजे) कोमुराम भीम आसिफाबाद के जिला अध्यक्ष अब्दुल रहमान ने मंगलवार को हैदराबाद में टीडब्ल्यूजे कार्यालय में उन्हें फूलों का गुलदस्ता और शॉल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने जिले में पत्रकारों की समस्याओं का समाधान करने और पत्रकारों को आवास दिलाने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने वादा किया कि सरकार की पत्रकारों की समस्याओं के समाधान की योजना के तहत पत्रकारों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों के लिए उनके पेशेवर कौशल को बेहतर बनाने के लिए मीडिया अकादमी के माध्यम से जल्द से जल्द कोमुरम भीम जिले में एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। हाल ही में टीडब्ल्यूजे के राज्य अध्यक्ष के रूप में चुने गए विरहत अली और टीडब्ल्यूजे के राज्य सचिव के रूप में चुने गए कोमपल्ली श्रीकांत रेड्डी ने शुभकामनाएं दीं। उनके साथ एमएम हेल्पलाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष एमडी अहमद, एमएम हेल्पलाइन फाउंडेशन के प्रतिनिधि खाजा मोइनुद्दीन, सैयद अरफाज अली और अन्य मौजूद थे।

बेल्लमपल्ली-गढ़चिरौली राष्ट्रीय राजमार्ग का काम शुरू करने का किया अनुरोध

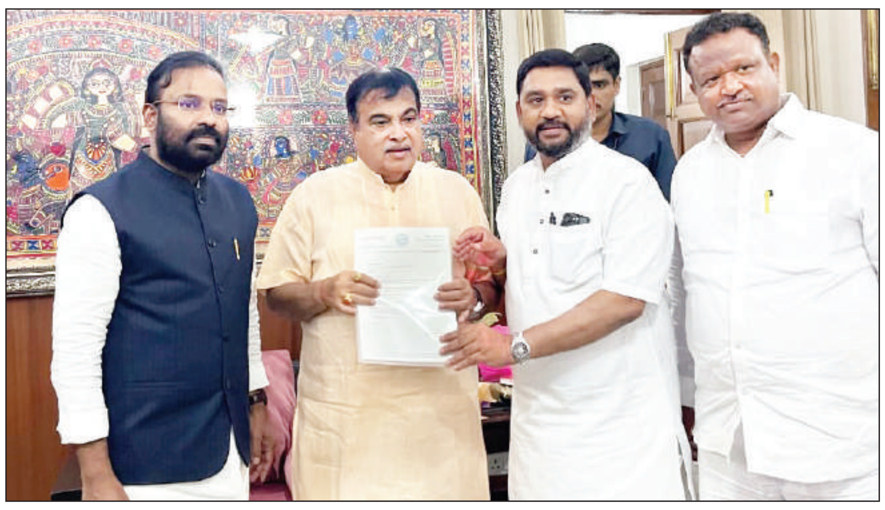

कागजनगर/नई दिल्ली, 02 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिरपुर टी विधायक डॉ.पलवई हरीश बाबू और आसिफाबाद भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. कोत्तापल्ली श्रीनिवास ने मंगलवार को केंद्रीय परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस मौके पर बेल्लमपल्ली-गढ़चिरौली राष्ट्रीय राजमार्ग का काम तुरंत शुरू करने और वन परमिट के मामले में पहल करने की अपील की गई। केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया और कहा कि जल्द ही काम शुरू किया जाएगा।

मल्लेश यादव को विधायक डॉ. के संजय ने किया सम्मानित

जगतियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विधायक डॉ. कल्वाकुंतला संजय ने युवा विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में महानंदी राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त गणवेनी मल्लेश यादव को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। थिसंदरबंगा के विधायक डॉ. संजय ने कहा कि मल्लेश द्वारा जगतियाल जिले के संकटग्रस्त लोगों को प्रदान की गई सेवाएं अमूल्य हैं और यह बहुत सराहनीय है कि तेलुगु लाइट साहित्य स्वच्छंद संस्था ने उनकी सेवाओं के लिए महानंदी राष्ट्रीय पुरस्कार दिया है। इस कार्यक्रम में दंडिके महेंद्र, चौथ पल्ली श्रीनिवास, राज कुमार, नवीन हनुमंत और अन्य ने भाग लिया।

क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था की जाए दुरुस्त : डीएम सत्य प्रसाद

जिलाधिकारी ने आदर्श स्कूल कार्यों का भी किया निरीक्षण

जगतियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिलाधिकारी बी.सत्य प्रसाद ने अधिकारियों को नगर पालिका क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिये। मंगलवार को जिला अधिकारी ने मेटपल्ली नगर पालिका में जल निकासी व्यवस्था और बाढ़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने नगर निगम अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को साफ-सुथरा रखने के लिए नियमित रूप से साफ-सफाई करने के निर्देश दिये। बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे पानी को डायवर्ट करने के उचित उपाय करें और एक बड़ी जल निकासी प्रणाली का निर्माण करें ताकि पानी का भंडारण न हो और पानी घरों में न घुसे।

उन्होंने स्थानीय राजकीय उच्च विद्यालय में अम्मा आदर्श विद्यालय के कार्यों की जांच की और उन्हें तेजी से पूरा किए जाने के निर्देश दिए। ईई टीएसईडब्ल्यूआईडीसी के अधिकारियों को सरकारी जूनियर कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान डीओ श्रीनिवास, नगर आयुक्त, एमएमएआरओ, विभिन्न विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे।

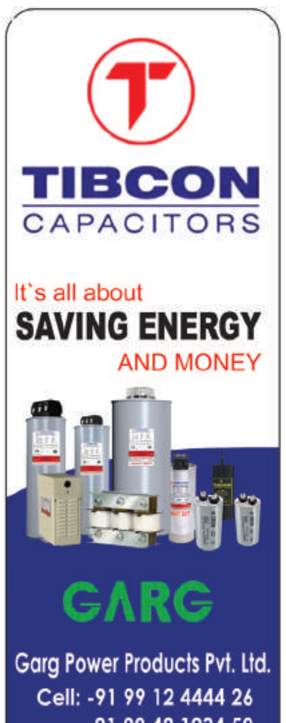

कार्टून कॉर्नर

जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी ने जूनियर कॉलेज का किया निरीक्षण

तानूर, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
निर्मल जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी जाधव परशुराम ने मंगलवार को तानूर मंडल का औचक दौरा कर तानूर मे उपस्थित जूनियर कॉलेज का निरीक्षण किया।

जाधव परशुराम ने जूनियर कॉलेज का निरक्षण करते हुए कॉलेज से संबंधित फाइलों की जांच की और जूनियर कॉलेज मे प्रथम वर्ष के लिए विधार्थियों द्वारा किए गए एडमिशन और कॉलेज द्वारा छात्र छात्राओं को वितरित की गई पाठ्यक्रम पुस्तकों की जांच की। जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी ने कॉलेज के सभी कक्षाओं के बारे मे कॉलेज प्रिंसिपल से जानकारी ली और विधार्थियो को अवगत कराते हुए कहा के कॉलेज के सभी छात्र-छात्राएँ प्रति रोज कॉलेज मे उपस्थित रहकर पढ़ाई करें। इस दौरान तानूर जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल और अध्यापकों ने जाधव परशुराम को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अध्यापक नरेश, लक्ष्मण, राजेंदर, विजय, साईनाथ, नागेश, साई प्रसाद, नरेश, दिनाजी, सुदीप, मुथ्यम आदि उपस्थित रहे।

विश्व खेल पत्रकार दिवस के अवसर पर अस्पताल में किया गया अन्नदानम

बेल्लमपल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बैजामा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. कंपल्ली शंकर-राजेश्वरी ने कहा कि विश्व खेल पत्रकार दिवस के अवसर पर मंगलवार दोपहर को बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल में सनातन धर्म बैजम्मा साईं भक्ति प्रचार धर्मिका सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में संस्थापकों के सहयोग से गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, रोगियों तथा उनके रिश्तेदारों को अन्नदान किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली माताओं, मरीजों, रिश्तेदारों, अस्पताल स्टाफ ने अन्नदान कार्यक्रम का लाभ उठाया। बैजम्मा साईं सेवा ट्रस्ट ने दान देने पर उन सभी पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए उन्हें और दानदाताओं को धन्यवाद दिया।

बैजम्मा साईं सेवा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. कंपल्ली शंकर ने कहा कि समाज के चार स्तंभों में से पत्रकार एक स्तंभ की तरह हैं और उनकी भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। विशेषकर समाज में उत्पन्न होने वाली समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना, खेलों के विकास के लिए वे जो समाचार लिखते हैं, वो मानसिक मनोरंजन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं,जो सेवाएँ प्रदान की जाती हैं वे अवर्णनीय हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण खिलाड़ियों को सामने लाने तथा खिलाड़ियों के विकास के लिए काम करने में उनके प्रयास अतुलनीय है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,000/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,630/-
(प्रति किलोग्राम)

दलित-पिछड़ों में पैठ बनाने का संघ का प्लान

सपा का पीडीए समीकरण ध्वस्त करने की रणनीति

वाराणसी, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सिगरा स्थित कार्यालय में शाखा में हिस्सा लिया। संघ पदाधिकारियों से शाखा विस्तार को लेकर चर्चा की। दलित-पिछड़ों को शाखा में अधिक से अधिक जोड़ने को कहा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में शाखा विस्तार के साथ ही इस समाज की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

अगले साल संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्व करने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई। इसके बाद वह गाजीपुर में अब्दुल हमीद की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गए। शताब्दी वर्ष के अलावा पूरे साल होने वाले संघ के कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता बढ़ाते हुए दलित-पिछड़ों के बीच पैठ बनाने को लेकर अभी और अधिक काम करने की जरूरत है।

संघ की शाखाओं का विस्तार और प्रचारकों की संख्या बढ़ाने को लेकर विशेष प्रयास की जरूरत है। दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के कार्यक्रम चलाने, उनकी समस्याओं के समाधान करने पर चर्चा की। संघ इससे पहले सहभोज के कार्यक्रमों को चला चुका हैं, उन्हें और मजबूती से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि सपा के पीडीए समीकरण को ध्वस्त करने और हिंदुत्व को मजबूत करने की दिशा में संघ ने काम करना शुरू कर दिया है।

उमेश पाल हत्याकांड की चार्जशीट में खुलासा

साजिश में शामिल थे अतीक के बेटे उमर और अली

प्रयागराज, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
उमेश पाल और उनके दो सुरक्षाकर्मियों के सनसनीखेज हत्याकांड की साजिश में माफिया अतीक अहमद के साथ जेल में बंद उसके दोनों बेटे उमर और अली भी हर कदम पर शामिल थे। हत्याकांड में पुलिस ने तीसरी पूरक चार्जशीट दाखिल कर विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों को आधार बनाने हुए यह खुलासा किया है।

उमर अतीक के पांच बेटों में सबसे बड़ा और अली चौथे नंबर पर है। उमर देवरिया जेल अपहरण कांड में लखनऊ जेल में, जबकि अली रंगदारी-हत्या के प्रयास समेत अन्य आरोपों में नैनी जेल में बंद है। इसी साल अप्रैल में दोनों को उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी बनाया गया था। विवेचना के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने यह माना है कि दोनों उमेश पाल की हत्या की साजिश से पूरी तरह वाकिफ ही नहीं, बल्कि इसमें शामिल भी थे। बरेली जेल में शूटरों की मुलाकात अशरफ से कराने के बाद मुख्य शूटर असद लौटकर लखनऊ गया था और जेल में जाकर उमर से मुलाकात की थी।

उधर, गुड्डू मुस्लिम व गुलाम समेत अन्य शूटरों ने नैनी जेल में जाकर हत्याकांड से पहले कई बार अली से मुलाकात की थी। डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। उमर-अली के खिलाफ 25 पेज की चार्जशीट दाखिल की गई है, जबकि केस डायरी करीब 250 पन्नों में तैयार हुई है।

एक खास बात यह है कि अब उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या में अतीक परिवार के कुल तीन सदस्यों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इससे पहले अतीक के बहनाई इकलाख अहमद के खिलाफ चार्जशीट लगाई जा चुकी है। इस मामले में अतीक परिवार के कुल 11 लोगों का नाम सामने आ चुका है।

इनमें अतीक, अशरफ, असद, शाइस्ता परवीन, जैनब, आयशा नूरी और उसका पति इकलाख अहमद, उमर, अली के अलावा अतीक के दो और बेटे शामिल हैं। अतीक, अशरफ और असद की मौत हो चुकी है, जबकि उमर-अली के अलावा इकलाख अहमद भी जेल में है। शाइस्ता परवीन, जैनब और आयशा नूरी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

शेयर मार्केट

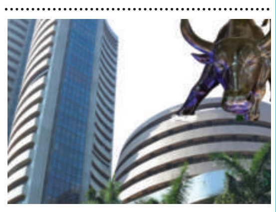

बीएसई : 79,441.45
-34.74 -0.04% ↓

एनएसई :24,123.85
-18.10 (-0.07%) ↓

CHANGE OF NAME
I, RANJITHA Spouse of Service No. JC 315309M Nb/Sub SRINIVASA RAO UMMADISITTI, R/o.Vill:Tallabhadra, Po:Kasibugga, Teh:Palasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532222 have changed my name from **RANJITHA** to **UMMADESITTI RANJITHA** vide affidavit dt:2-7-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

अपने नफरत भरे भाषण के लिए पूरे हिंदू समुदाय से माफी मांगें राहुल गांधी : किशन रेड्डी

हैदराबाद/नई दिल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की और कहा कि नेता प्रतिपक्ष का उद्देश्य सरकार को जवाबदेह ठहराना और लोगों की आवाज बनना होता है।

श्री रेड्डी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अतीत में कई बड़े-बड़े नेताओं ने निभाई है, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और सुषमा स्वराज का नाम भी शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका को निभाते हुए लोकसभा में चर्चा को आगे बढ़ाया और गरीबों तथा वंचितों के लिए आवाज सदन में उठायी थी। श्री रेड्डी ने मंगलवार को एक बयान में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पहले भाषण पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि श्री गांधी ने अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाने के बजाय सदन का इस्तेमाल नफरत फैलाने वाले

भाषण और फर्जी खबरें फैलाने के लिए करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि श्री गांधी के भाषण ने पूरे हिन्दू समुदाय को हिंसक और नफरत से भरा बताया। श्री रेड्डी के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति नेता प्रतिपक्ष की नफरत पूरे हिन्दू समुदाय और राष्ट्र के लिए नफरत में बदल गयी है। उन्होंने बताया कि श्री गांधी का एजेंडा हिन्दू विरोधी है। केंद्रीय मंत्री ने पिछले ज्वलंत उदाहरणों का हवाला देते हुए बार-बार हिंदुओं का अपमान करने के लिए कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगियों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में श्री गांधी का भाषण हिंदुओं पर सीधा हमला था और हिन्दू समुदाय को अलग-थलग करने के कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक प्रयासों की निरंतरता थी। जैसा कि वर्ष 2014 से पहले प्रस्तावित सांप्रदायिक हिंसा विधेयक लाकर किया था।

इसके अलावा, श्री रेड्डी ने अपने भाषण में गांधी पर फर्जी खबरें और झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने श्री गांधी को याद दिलाया कि लोकसभा एक चुनाव अभियान नहीं है जहां फर्जी खबरें अनियंत्रित रूप से प्रसारित की जा सकती हैं, बल्कि एक ऐसी जगह है जहां मुद्दों को तथ्यों और सबूतों के साथ उठाया जाना चाहिए। श्री रेड्डी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के लिए यह उचित होगा कि वह लोकसभा में अपने नफरत भरे भाषण के लिए पूरे हिन्दू समुदाय से माफी मांगें।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने धन की कमी के चलते वेतन लेने से किया इनकार

गोलाप्रोलु (आंध्र प्रदेश), 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोमवार को बताया कि राज्य की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपना वेतन और अपने कार्यालय के लिए नया फर्नीचर सहित कोई भी विशेष भत्ता लेने से इनकार कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में उनके कैंप कार्यालय के अधिकारियों ने उनसे कार्यालय के नवीनीकरण और नया फर्नीचर खरीदने के बारे में पूछा था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया।

उपमुख्यमंत्री कल्याण ने कल्याण पेंशन वितरण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने (अधिकारियों ने) पूछा कि कैंप कार्यालय (नवीनीकरण) और मरम्मत के बारे में क्या किया जाए। मैंने उनसे कहा कि कुछ मत करो और इसे छोड़ दो।

मैंने उनसे कहा कि कोई नया फर्नीचर मत खरीदो और अगर जरूरत पड़ी तो मैं खुद ही ले आऊंगा।

अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण ने बताया कि सचिवालय के अधिकारी सदन में तीन दिन उपस्थित रहने के लिए 35,000 रुपये के उनके वेतन से संबंधित दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर लेने आए थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं वेतन नहीं ले सकता।

कल्याण ने दावा किया कि पंचायत राज विभाग के पास पर्याप्त धन का अभाव है, जिसके कारण उन्होंने वेतन लेने से मना किया। उपमुख्यमंत्री कल्याण पंचायती राज विभाग के मंत्री हैं।

लोक सेवा आयोग कार्यालय की घेराबंदी कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में घेराबंदी करने की कोशिश की।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नामपल्ली में तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीजीएसपीसी) में एकत्र हुए। वे समूह 2 और समूह 3 के तहत पदों की संख्या में वृद्धि और समूह 1 मुख्य परीक्षा के तहत प्रत्येक पद के लिए 100 उम्मीदवारों को अनुमति देने की मांग कर रहे थे। एबीवीपी नेताओं ने मांग की कि कांग्रेस सरकार पहले साल में दो लाख नौकरियों के अपने चुनावी वादे को पूरा करे। वे यह भी चाहते थे कि सरकार 25,000 शिक्षकों के पदों के लिए जिला चयन समिति (डीएससी) की अधिसूचना जारी करे।

सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारी आयोग परिसर के सामने सड़क पर बैठ गये, जिससे व्यस्त इलाके में यातायात जाम हो गया. पुलिस कर्मी सड़क खाली कराने के लिए हरकत में आ गए। एबीवीपी नेताओं ने पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयासों का विरोध किया। अंत में, पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को शारीरिक रूप से उठाया और उन्हें वाहनों में भरकर ले गए। एबीवीपी के राज्य सचिव चिंताकयाला झांसी ने कहा कि वे तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक सरकार विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी के वादे के अनुसार पदों की संख्या नहीं बढ़ा देती। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रिक्तियों को भरने का वादा करने के बाद छात्रों और बेरोजगारों को धोखा दिया।

तेलंगाना बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति नेता एम. नाइक ने भूख हड़ताल की समाप्त

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेता मोतीलाल नाइक ने मंगलवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म कर दी, लेकिन भर्तियों के लिए विरोध तेज करने की कसम खाई।

जेएसी नेता ने गांधी अस्पताल में नौवें दिन भूख हड़ताल समाप्त कर दी, जहां उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए छात्र समूहों और राजनीतिक दलों के नेताओं के दौरे के कारण पिछले कुछ दिनों से तनावपूर्ण स्थिति देखी जा रही थी। नाइक ने उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी भूख हड़ताल का समर्थन किया। उन्होंने बुधवार से अन्य रूपों में विरोध तेज करने की कसम खाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेएसी तब तक हड़ताल जारी रखेगी जब तक राज्य सरकार उनकी मांगें नहीं मान लेती। नाइक ने याद दिलाया

कि जब तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेता केसी राव ने नौ दिनों तक भूख हड़ताल की थी, तो केंद्र ने तेलंगाना राज्य के निर्माण की मांग स्वीकार कर ली थी, लेकिन उनकी नौ दिनों की भूख हड़ताल के बाद भी, सरकार ने एक कदम भी नहीं बढ़ाया है। यह इस सरकार का दृष्टिकोण है। उन्होंने यह जांचने की जहमत नहीं उठाई कि मेरे साथ क्या हुआ और हमारी मांगें क्या थीं। जिन मांगों को लेकर मैंने भूख हड़ताल की, वे कुछ और नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादे हैं।नाइक ने कहा कि जब भी कांग्रेस नेताओं को उनके वादे याद दिलाए गए, तो उन्होंने एमएलसी चुनाव और बाद में लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता का हवाला देकर बेरोजगारों को इंतजार करने के लिए कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद सरकार नौकरी कैलेंडर जारी करने और भर्ती परीक्षाओं के लिए अधिसूचना जारी करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य मांगें ग्रुप 1 मुख्य परीक्षा के तहत एक पद के लिए 100 उम्मीदवारों को अनुमति देना, ग्रुप 2 के पदों को 2,000 और ग्रुप 3 के पदों को 3,000 तक बढ़ाना है। जेएसी नेता यह भी चाहते हैं कि राज्य सरकार 25,000 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए एक मेगा डीएससी अधिसूचना जारी करे।

उन्होंने कहा कांग्रेस ने पहले साल में 2 लाख नौकरियों का वादा किया था। हम जो मांग कर रहे हैं वह 30,000 भी नहीं है। दो लाख नौकरियों और बेरोजगारी भत्ते के उनके वादे पर कोई विश्वास नहीं करता है। विपक्षी बीआरएस और भाजपा ने नाइक की भूख हड़ताल और बेरोजगारों द्वारा चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने 30 जून को अस्पताल में नाइक से मुलाकात की थी और उनसे भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की थी। बीआरएस विधायक पी. राजेश्वर रेड्डी और कुछ अन्य नेताओं को पुलिस ने सोमवार को उस समय हिरासत में ले लिया जब वे नाइक के साथ एकजुटता दिखाने के लिए गांधी अस्पताल पहुंचे।

नीति आयोग एवं संपूर्ण अभियान के कार्यों का पूरा विवरण प्रस्तुत किया जाए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि जिले में नीति आयोग एवं संपूर्णता अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी पूर्ण विवरण प्रस्तुत करें। मंगलवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टोरेट भवन परिसर में कलेक्टर सभाकक्ष में जिले के स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, पशु चिकित्सा, आदिवासी विकास, कल्याण, कृषि विभाग के अधिकारियों एवं अभियांत्रिकी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। नीति आयोग एवं

सम्पूर्णता अभियान के तहत जिले के संबंधित विभागों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के तहत बोलते हुए जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि नीति आयोग एवं संपूर्ण अभियान के तहत जिले में किये गये विकास कार्यों की पूरी जानकारी के साथ रिपोर्ट समर्पित की जाए।

1 अप्रैल से 30 जून तक किये गये विकास कार्यक्रमों पर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है और शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, सामाजिक के 5 खंडों में 39 मदों पर संबंधित विभाग के अधिकारी पूर्ण विवरण के साथ रिपोर्ट तैयार कर जमा करेंगे।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी तुकाराम भट्ट, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक, जिला आदिवासी विकास अधिकारी रामादेवी, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, जिला पशु चिकित्सा अधिकारी सुरेश, एपीडी रामकृष्ण, नीति आयोग के जिला समन्वयक मनिवेलु, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

उचित पोषण वाले स्नैक फूड बाजार को और अधिक विकसित किया जाए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि उचित पोषण मूल्यों वाले स्नैक्स के बाजार को और अधिक विकसित किया जाना चाहिए। मंगलवार को जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी के साथ जिले के आसिफाबाद मंडल केंद्र में मंडल समाख्या द्वारा संचालित बाजरा इकाई का दौरा किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि नाश्ते में उच्च पोषण मूल्य होता है और इसे आंगन वाड़ी केन्द्रों में वितरित करने से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और बच्चों को समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इकाई के प्रबंधन, कार्यरत श्रमिकों और आंगनबाड़ियों में वितरण के लिए उपयोग किए गए निवेश के विवरण की जांच करके बाजार को और अधिक विकसित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने मूंज के बैग का उपयोग करने और प्रतिबंधित प्लास्टिक को रोकने के लिए कहा। कार्यक्रम में जिला अपर ग्रामीण विकास पदाधिकारी रामकृष्ण, डीपीएम सरैया, एपीएम श्रीनिवास, एसोसिएशन के सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

बाईपास सड़क के निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी को सौंपा ज्ञापन

मंचेरियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को पेद्दापल्ली के पूर्व सांसद बोरलाकुंटा वेंकटेश के साथ एनएच के चार-लेन विस्तार के हिस्से के रूप में मंचेरियाल जिले में लक्षट्टीपेट से मलकल्ला तक राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए अंतिम रूप दिए गए संरेखण की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें 63 कवच और मंचेरियाल के बीच याचिका भी सौंपी गई थी।

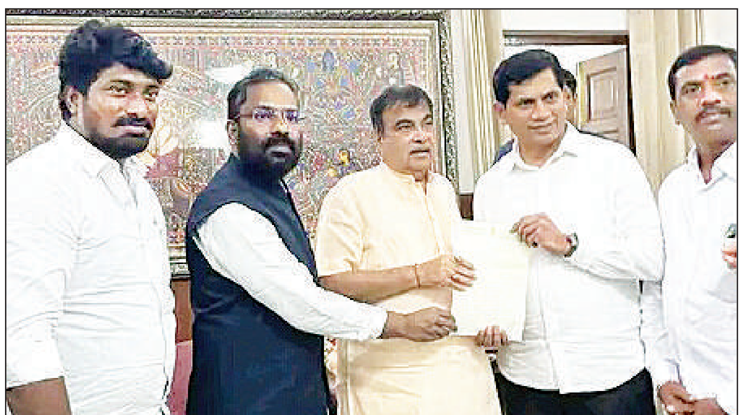

इस अवसर पर, रघुनाथ ने कहा कि हाजीपुर मंडल में लक्षट्टीपेट से मलकल्ला तक एनएच 63 के प्रस्तावित विस्तार के हिस्से के रूप में, गोदावरी के किनारे के गांवों के लोगों को इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए कि उन्होंने एल्लमपल्ली में अपनी जमीन खो दी है। इसी प्रकार, लक्षट्टीपेट शहर में यातायात की समस्या को देखते हुए यह अनुरोध किया गया कि शहर में यातायात से बचने के लिए एक बाईपास सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.